सुविचार

जो वाचाल नहीं है, वह मिथ्या नहीं बोलता।

-कल्हण

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 06 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 288 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sonakshi Sinha Praises...

पहले चरण के तहत 121 विस सीटों पर वोटिंग आज

PATNA @ PTI : बिहार विधानसभा चुनाव कि पहले चरण के तहत गुरुवार को 121 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। सुबह 7:00 से शाम 6:00 तक मतदान होगा। बता दें कि 243 सीटों के लिए दो चरण में चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटें शामिल हैं। 1314 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इनमें से 73% करोड़पति हैं। 423 प्रत्याशियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं। 2 तो ऐसे हैं, जो रेप के मामले में आरोपी हैं। सीपीआई एमएल के 93%, राजद के 76% और भाजपा के 65% प्रत्याशियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, अनंत सिंह समेत कई बड़े चेहरे चुनावी मैदान में हैं। पहले चरण में 18 जिलों के 3,75,13,302 मतदाता वोट डालेंगे। 45,341 बूथ बनाए गए हैं। यहां बुधवार शाम तक डिस्पैच सेंटर से ईवीएम, वीवीपैट सहित अन्य चुनाव सामग्री लेकर मतदान और सुरक्षा कर्मी पहुंच गए। बैलेट यूनिट में उम्मीदवारों की तस्वीर और नाम छपे बैलेट पेपर लगाए गए हैं।

मैदान में 1314 उम्मीदवार, हर तीसरे प्रत्याशी पर प्राथमिकी

3.75 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट, बनाए गए हैं 45,341 बूथ

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

- दोनों डिप्टी सीएम- सम्राट चौधरी विजय कुमार सिंह, तेजस्वी- तेजप्रताप सहित 11 मंत्री मैदान में
- अनंत-रीतलाल सहित 7 बाहुबली और खेसारी भी लड़ रहे चुनाव

किस पार्टी के कितने उम्मीदवार

पहले चरण में एनडीए की ओर से जदयू ने 57, भाजपा ने 48, एलजेपी-आर ने 13, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम ने 2, जनसुराज ने 121 और जीतन राम मांझी की हम ने 1 सीट पर प्रत्याशी उतारे हैं। महागठबंधन की तरफ से राजद ने 72, कांग्रेस ने 24, सीपीआई एमएल ने 14, वीआईपी और सीपीआई ने 6-6 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीपीएम ने 3, आईपी गुप्ता की आईपीपी ने दो सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। 6 सीटों पर फ्रेंडली फाइट है। पहले फेज में जिन 121 सीटों पर मतदान होना है, उनमें से एनडीए के 121 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं, जबकि महागठबंधन के 126 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

18 जिलों में होगा मतदान

पहले चरण में जिन 18 जिलों में मतदान होगा, उनमें पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा और नालंदा शामिल हैं। ये जिले बिहार की राजनीति में विशेष महत्व रखते हैं। खासकर दरभंगा, मुंगेर और पटना डिवीजन की सीटें चुनावी नतीजे तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

40% उम्मीदवार करोड़पति

पहले चरण में चुनाव लड़ रहे 40 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। 519 के पास 1 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। इसमें से 64 के पास 5 करोड़ तो 29 के पास 10 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। मुंगेर से भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय पहले चरण के सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। उनके पास 170 .81 करोड़ रुपए की संपत्ति है। दूसरी ओर, कुछ उम्मीदवारों की संपत्ति बेहद कम है। चुनाव में महिलाओं की भागीदारी कम है। पहले चरण में 122 महिला उम्मीदवार हैं, जो कुल 1,314 प्रत्याशियों का लगभग 9 प्रतिशत है। 1192 पुरुष उम्मीदवारों (91 प्रतिशत) हैं। एनडीए ने 34 और महागठबंधन ने 30 महिलाओं को टिकट दिया है। भोजपुरी गायिका मैथिली ठाकुर अलीनगर से भाजपा प्रत्याशी हैं। खेसारी लाल यादव राजद के टिकट पर छपरा से चुनाव लड़ रहे हैं।

कार्तिक स्नान के दौरान दामोदर नदी में बहे छह युवक, एक का मिला शव

PHOTON NEWS DHANBAD : कार्तिक स्नान के दौरान धनबाद-बोकारो फोरलेन स्थित तेलमच्चो पुल के नीचे दामोदर नदी में बुधवार को भीषण हादसा हो गया। नदी की तेज धारा में बहे छह लापता युवकों में से एक का शव मिल गया। महुदा थाना प्रभारी ललित रंजन भगत ने बताया कि शव भुली के लापता युवक विजय कुमार यादव का है, जिसकी पहचान उसके चाचा ने की। गोताखोरों द्वारा दिनभर की गई खोजबीन के बावजूद अन्य किसी युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अब भी पांच युवकों में बाघमारा के दो और भुली के तीन लापता हैं। हादसे की जानकारी देते हुए बताया गया कि बाघमारा थाना अंतर्गत भीमकनाली के रहने वाले पांच युवक नदी में उतरे थे। स्थानीय लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो युवक निकाले नहीं जा सके, जो अभी भी लापता हैं। लापता युवकों की पहचान दिलीप राय के पुत्र सुमित राय 17 वर्ष और रामाज्ञा चौहान के पुत्र सनी चौहान 21 वर्ष के रूप में हुई है। दूसरी ओर धनबाद के भुली, पंचबटी नगर के चार युवक भी स्नान के लिए आए थे। इनमें से विजय कुमार यादव का शव मिल चुका है। भुली के अब भी अनिश कुमार यादव, रोहित कुमार यादव और रोहन कुमार यादव लापता हैं।

SARAFA

सोना	:	11,285
चांदी	:	163.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जोहरान ममदानी ने जीता न्यूयॉर्क मेयर का इलेक्शन

NEW DELHI : भारतीय मूल के डेमोक्रेट उम्मीदवार जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क मेयर का चुनाव जीत लिया। उन्हें 50 .4 प्रतिशत वोट मिले। वे मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली मीरा नायर के बेटे हैं। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर होंगे। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़, एक जवान घायल

SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू स्थित कलाबन फॉरेस्ट एरिया में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस को आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी।

गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एक-दूसरे का हाथ थाम कर आगे बढ़ने में ही सबसे बड़ी ताकत : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ दिन है। गुरुनानक जयंती का दिन समस्त सिख समाज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वयं हर वर्ष इस दिन थोड़ी देर के लिए यहां आता हूं। कार्यक्रम शामिल होकर मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति होती है। यह पावन आयोजन समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है। इस संदेश से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि एक-दूसरे का हाथ थाम कर आगे बढ़ने में ही सबसे बड़ी ताकत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी के विचारों एवं वचनों में सामाजिक एकता पर जोर दिया गया है।

समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है यह पावन आयोजन

- गुरुनानक देव जी के आदर्शों पर चलकर ही संभव हो सकता है सशक्त समाज का निर्माण
- गुरुनानक देव जी के विचारों और वचनों में सामाजिक एकता पर दिया गया है जोर
- हम सबों को सदैव एक-दूसरे के सहयोग और सहायता से बढ़ना चाहिए आगे

गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष टेका मत्था

इससे पहले मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने समस्त सिख समुदाय एवं राज्यवासियों को गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मौके पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, रांची के प्रेसिडेंट रणजीत सिंह हैप्पी, गुरुद्वारा, मेन रोड, रांची के सचिव गगनदीप सिंह सेठी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सकल समाज के लिए प्रेरणास्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देव जी सिर्फ सिख समाज के लिए ही नहीं, बल्कि सकल समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गुरुनानक देव की दूरदर्शी सोच, उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते और उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त समाज के निर्माण की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। गुरुनानक देव जी के विचार, कर्म और समर्पण से हमें यह सीख मिलती है कि हम सबों का सदैव एक-दूसरे के सहयोग और सहायता से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के इस प्रकाश उत्सव कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से सिख समाज के लोग यहां पहुंच रहे हैं। गुरुनानक देव जी के प्रति सच्ची श्रद्धा लोगों को यहां खींचती है।

टेंडर घोटाले में पीएमएलए कोर्ट ने आठ आरोपियों को जारी किया समन

PHOTON NEWS RANCHI : एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाला मामले में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। इसके बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों के विरुद्ध समन जारी करने का आदेश दे दिया है। अब कोर्ट इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई करेगा। उक्त तिथि तक सभी आरोपियों को कोर्ट के समक्ष सशरीर उपस्थित होना है। गौरतलब है कि ईडी ने चौथे आरोपपत्र में ठेकेदार राजेश कुमार को आरोपी बनाया है। इसके अलावा उसकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को आरोपित किया है। बता दें कि विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान कुछ महंगी गाड़ियां जब्त की गई थीं। ठेकेदार ने वीरेंद्र राम को ये गाड़ियां दी थी। जांच के दौरान ठेकेदार से गहन पूछताछ हुई थी।

- प्रवर्तन निदेशालय की ओर से अदालत में चार्जशीट दाखिल करने के बाद हुई कार्रवाई
- ग्रामीण विकास विभाग का मामला, 27 नवंबर को होगी अगली सुनवाई
- सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को कोर्ट में सशरीर होना है उपस्थित
- तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव की पत्नी व अन्य के खिलाफ समन
- चौथी चार्जशीट में ठेकेदार राजेश कुमार को भी जांच एजेंसी ने बनाया है आरोपी

जेएससीए अध्यक्ष अजयनाथ को ईडी का समन

RANCHI : झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रर्वतन निदेशालय ने बुधवार को जेएससीए के अध्यक्ष को समन भेजकर 11 नवंबर को रांची स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने जेएससीए स्टेडियम के निर्माण के वक्त बड़ी अनियमितता बरती थी। जानकारी के मुताबिक जेएससीए स्टेडियम निर्माण में अनियमिता को लेकर पहले से ही जमशेदपुर कोर्ट में मामला दर्ज था। उसी केस ईडी ने टेकओवर किया है। यह मामला पूर्व जेएससीए अध्यक्ष अमिताभ चौधरी के कार्यकाल के वक्त का बताया जा रहा है। उनके ही प्रयासों से रांची अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण हुआ था। साल 2025 में हुए जेएससीए के चुनाव में अजयनाथ शाहदेव की टीम ने शानदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एसके बेहरा को बुरी तरह हराया था।

झारखंड में चुनाव लड़े 22 प्रत्याशियों पर गिरेगी गाज

समय पर खर्च का ब्योरा नहीं देने वालों को ईसी का नोटिस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में पिछले विधानसभा चुनाव में खर्च का ब्योरा नहीं देने वाले 22 प्रत्याशियों पर अब गाज गिर सकती है। चुनाव आयोग ने ने इन प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य के 13 विधानसभा क्षेत्रों के 22 उम्मीदवारों ने चुनाव के दौरान हुए खर्च का विवरण निर्धारित समय में जमा नहीं किया है। 22 उम्मीदवारों में अधीर कुमार मंडल, नईम शेख, अमित कुमार, मालतो, मुकेश सोरेन, कृष्ण मोहन चौबे, फुलेश्वर महतो, लालदेव मुंडा, सुनील कुमार बेड़िया, सुंदरनाथ बेड़िआ, धर्मेंद्र प्रसाद, पंकज कुमार, मुख्तार खान, श्रीकांत प्रसाद, समीम अख्तर, पंकज कुमार जायसवाल, रितेश कुमार गुप्ता, प्रीति राज, अनिल मांझी, कामेश्वर पासवान, मुकेश चौधरी, राम प्यारे पाल, घनश्याम पाठक और राजेश बैठा के नाम शामिल हैं। आयोग ने इन उम्मीदवारों के रवैए को गंभीरता से लेते हुए नोटिस जारी किया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदान से पहले लगाया आरोप, कहा

बिहार में चलाया जा रहा 'ऑपरेशन सरकार चोरी'

AGENCY NEW DELHI : बिहार में पहले फेज की 121 सीटों पर मतदान से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा आरोप लगाया। कहा कि हरियाणा की तरह बिहार में 'ऑपरेशन सरकार चोरी' चलाया जा रहा है। राहुल ने बिहार के 5 वोटरों को मंच पर बुलाया। सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काट दिए गए हैं। राहुल ने वोटर वैरिफिकेशन पर 1 घंटा 20 मिनट लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया था। बिहार में भी यही दोहराया जा रहा है। चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट दी जाती है, ताकि लोकतंत्र को मारा जा सके। उन्होंने अपने प्रजेंटेशन में हरियाणा की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि ब्राजील की एक मॉडल ने हरियाणा चुनाव के दौरान 10 बूथ पर 22 बार वोट डाले।

राज्य के 5 लोगों को मंच पर बुलाया, सभी बोले- वोटर लिस्ट से काटे गए हमारे नाम

हरियाणा में हटा दिए गए थे 3.5 लाख वोटर्स के नाम

भाजपा ने राहुल के दावे को बताया फर्जी

राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके आरोपों पर पलटवार किया। रिजिजू ने कहा- राहुल ने जो प्रजेंटेशन दिया, वह फर्जी है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ विदेशी महिलाओं के नाम का जिक्र किया। वे संसद सत्र चलते समय विदेश चले जाते हैं। छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं। उन्हें विदेश से जो प्रेरणा मिलती है, उसके आधार पर वे लोगों का समय बर्बाद करते हैं।

भविष्य की चिंता वायुमंडल के आयनमंडल का तेजी से घट रहा तापमान

अंतरिक्ष को भी प्रभावित करने लगा धरती का कार्बन संकट

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : विशेषज्ञों के अनुसार, धरती के कार्बन संकट का मतलब है- मानवीय गतिविधियों से वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक स्तर तक बढ़ जाना। इससे ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु में और स्वाभाविक परिवर्तन होता है। इस संकट से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, महासागरों का अम्लीकरण हो रहा है। चरम मौसम की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस वजह से पर्यावरण और सभी जीवों के जीवन पर संकट आ रहा है। अब हाल में हुए रिसर्च में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि धरती पर बढ़ते कार्बन डाइऑक्साइड अब अंतरिक्ष को भी प्रभावित करने लगा है। इसकी वजह से वायुमंडल के आयनमंडल का तापमान दिल्ली से घट रहा है और यह क्षेत्र और स्वाभाविक रूप से ठंडा हो रहा है। आयनमंडल में यह बदलाव भविष्य में तकनीकी रूप से सैटेलाइट की कक्षा, रेडियो संचार और अंतरिक्ष मलबे की गति को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरी स्थिति का अध्ययन लंबे समय तक जापान की क्यूशू यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। रिसर्च के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित किए गए हैं।

तकनीकी रूप से सेटेलाइट की कक्षा और रेडियो संचार पर भी पड़ सकता है असर

जापान की क्यूशू यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया विस्तृत अध्ययन

- विश्लेषण के साथ जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित किए गए हैं शोध के नतीजे
- कंप्यूटेशनल मॉडल के आधार पर आंका गया है कार्बन डाइऑक्साइड का प्रभाव

धीरे-धीरे पृथ्वी की ओर सैटेलाइट के खिंचने की उत्पन्न हो सकती है स्थिति

- दो अलग-अलग परिदृश्यों में तुलना के आधार पर वैज्ञानिकों ने स्थापित किया रिजल्ट
- ऊपरी वायुमंडल में घनत्व कम होने के कारण अधिक हल्की और अनियमित हो रही हवा

धरती से 100-120 किलोमीटर ऊपर है आयनमंडल

तुलनात्मक अध्ययन में साफ संकेत मिले कि धरती से लगभग 100-120 किलोमीटर ऊपर स्थित आयनमंडल में तापमान तेजी से घट रहा है। घनत्व कम होने से ऊपरी वायुमंडल में हवा हल्की और अधिक अनियमित हो रही है, जिससे सैटेलाइट धीरे-धीरे पृथ्वी की ओर खिंच सकते हैं। इससे अंतरिक्ष मलबे की गति में भी अनिश्चितता बढ़ सकती है। अध्ययन की प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर हुइक्सिन लियू के मुताबिक, ऊपरी वायुमंडल का ठंडा होना पहली नजर में सामान्य लग सकता है, लेकिन यह अंतरिक्ष तकनीक और संचार के लिए दीर्घकालिक खतरे की ओर इशारा है।

उत्तर प्रदेश के चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ बड़ा हादसा

मिर्जापुर में ट्रेन की चपेट में आकर छह महिलाओं सहित 8 श्रद्धालुओं की मौत

AGENCY MIRZAPUR : बुधवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जनपद में चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया। नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं हैं। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह करीब 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। बताया जा रहा है कि चोपन से आई पैसेंजर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक होने से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म की ओर न उतर कर दूसरी तरफ ट्रैक से नीचे उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार से आई नेताजी एक्सप्रेस उसी ट्रैक से गुजर गई। श्रद्धालु कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ट्रेन ने कई लोगों को चपेट में ले लिया।

कार्तिक पूर्णिमा पर्व के कारण भीड़ अधिक होने से दुर्घटना

घायलों का जिला अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहा इलाज

घायल यात्रियों को तुरंत जिला अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि इस हादसे में 6 महिला मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा जनपद सोनभद्र हैं।

BRIEF NEWS

छठ मेले में हुआ हादसा, झूला टूटने से तीन घायल

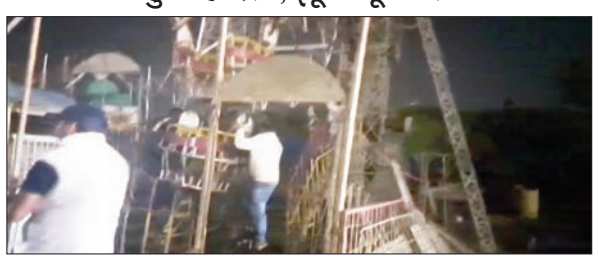

DHANBAD : झरिया के बोरागढ़ ओपी क्षेत्र स्थित बीएनआर कॉलोनी में छठ पूजा के अवसर पर लगे मेले में मंगलवार की देर रात बड़ा हादसा हो गया। मेला परिसर में लगा तारा माची का झूला अचानक टूट गया, जिससे दो महिलाएं और एक पुरुष नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से झरिया के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया है। वहीं, घटना के बाद मेला स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित लोगों ने झूला संचालक की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही बोरागढ़ ओपी पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने झूला संचालक को हिरासत में ले लिया है और जांच में जुट गई है।

पलामू टाइगर रिजर्व में हाथी की मौत

LATEHAR : पलामू टाइगर रिजर्व के बुचीदाढ़ी गांव के बगल में बुधवार को एक हाथी की मौत हो गई। मृतक हाथी का शव गांव के निकट स्थित धान के खेत के पास मिली। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला रेंज के बुचीदाड़ी गांव के बगल में स्थित धान के खेत के किनारे ग्रामीणों ने एक हाथी को पड़ा हुआ देखा। पहले तो ग्रामीण डर गए। ग्रामीणों को लगा कि हाथी धान के फसल को खाकर आराम कर रहा है । परंतु काफी देर तक जब हाथी एक ही स्थिति में पड़ा रहा तो ग्रामीणों को शक हुआ। जब कुछ ग्रामीण पास जाकर देखें तो हाथी मरा हुआ पड़ा था । इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद डीएफओ के निर्देश पर वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। वहां हाथी मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। वन विभाग की टीम ने इसकी पूरी रिपोर्ट डिप्टी डायरेक्टर तथा अन्य वरीय अधिकारियों को दे दिया। इधर इस संबंध में रेंजर उमेश कुमार दुबे ने बताया कि हाथी की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम को बुलाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि हाथी की मौत कैसे हुई। उन्होंने कहा कि हाथी की उम्र लगभग 4 से 5 साल होगी।

आईएसएम ने शुरू किया जियो-आर्कियोलॉजी कोर्स

DHANBAD : आईआईटी-आईएसएम ने जियो-आर्कियोलॉजी नाम का नया कोर्स शुरू किया है। ऐसा करने वाला यह देश का पहला आईआईटी है। यह कोर्स भूविज्ञान, पुरातत्व, पर्यावरण और मानव अध्ययन जैसे विषयों को जोड़ता है और यह समझने में मदद करता है कि इंसान और प्रकृति के बीच समय के साथ किस तरह का रिश्ता बना। ओपन इलेक्टिव कोर्स आने वाले विंटर सेमेस्टर से बीटेक, एमटेक और पीएचडी के छात्रों के लिए शुरू होगा। यह कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से भी जुड़ा है, जिसमें कहा गया है कि पढ़ाई लचीली हो और छात्र अलग-अलग विषयों को एक साथ सीख सकें। संस्थान की तरफ से बताया गया कि इसमें छात्रों को यह समझने का मौका मिलेगा कि पुराने समय की जलवायु और धरती के बदलावों ने मानव जीवन को कैसे प्रभावित किया और इंसान ने अपने आस-पास के माहौल में क्या बदलाव किए। छात्रों को पुरातत्व से जुड़ी तकनीक, खोदाई, सैंपलिंग और कलाकृतियों का अध्ययन सिखाया जाएगा। इसके साथ ही आधुनिक वैज्ञानिक तरीके बायोमार्कर और आइसोटोप एनालिसिस, जियोमैपिंग और डिजिटल सर्वे भी पढ़ाए जाएंगे। इसमें देश और विदेश के नामी पुरातत्व विशेषज्ञ और भूविज्ञानी अपने अनुभव साझा करेंगे। यह कोर्स प्रो. एसएन राजगुरु की याद में समर्पित है, जिन्होंने भारत में जियो-आर्कियोलॉजी की नींव रखी थी।

बरमसिया पुल की मरम्मत शुरू, आवागमन बाधित

DHANBAD : उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर बुधवार से बरमसिया पुल का मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। जिसको लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस दौरान बरमसिया पुल का गार्डवाल की मरम्मत और पुल के ऊपर की सड़क का सुधार शामिल है। इसको लेकर आज सुबह 7 बजे से अगले 45 दिनों के लिए ओवरब्रिज बंद रहेगा। ऐसे में जिला प्रशासन की ओर से वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित की गई है, बावजूद इसके इस रूट से आने-जाने वाले लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आज से अगले 45 दिनों तक चलने वाले बरमसिया ओवरब्रिज मरम्मती कार्य को लेकर पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। वहीं, उक्त मरम्मति कार्य के मद्देनजर लोगों के लिए निर्धारित किये गए वैकल्पिक यातायात मार्ग की बात करें तो, एफसीआई गोदाम एवं अन्य रास्तों से बरमसिया पुल होकर हीरापुर से आने-जाने वाले भारी मालवाहक वाहनों का मार्ग, अब फिलहाल एफसीआई गोदाम से भुदा और फिर बलियापुर मार्ग पकड़ना होगा।

पुलिस व ग्रामीणों में हुई हिंसक झड़प आधा दर्जन पुलिसकर्मी हुए जख्मी

पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में स्टोन माइंस के उद्घाटन के दौरान हुई घटना, 11 हिरासत में

AGENCY PALAMU : जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में बुधवार से शुरू हुए स्टोन माइंस के उदघाटन कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियारों से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए।

दो पुलिस जवानों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। अन्य का इलाज घटनास्थल पर किया गया। घटनास्थल से 11 ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें आठ महिलाएं शामिल हैं। इस बीच पुलिस सुरक्षा में माइंस की गतिविधियों से जुडे कार्यों को शुरू करा दिया गया।

घटनास्थल पर ग्रामीण महिला से बात करते पुलिस के जवान व इनसेट में घायल

जानकारी के अनुसार बुधवार से माइंस क्षेत्र में खनन कार्य शुरू होना था। उदघाटन कार्यक्रम होना था। खनन कार्य को लेकर ग्रामीण लंबे समय से विरोध कर रहे थे। सुबह पहाड़ पर पहुंचने के क्रम में अचानक घात लगाए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। सभी पारंपरिक हथियारों से लैस थे।

इस क्रम में जैप-8 लेस्लीगंज के हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे, अखिलेश कुमार, लेस्लीगंज थाना के एएसआई सचिदानंद शर्मा, सतरबवा के सुधीर सिंह सहित जख्मी हो गए। रोड़ेबाजी में भी उन्हें चोट आयी। हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे और अखिलेश कुमार को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है। माइंस क्षेत्र में पुलिस कैंप स्थापित किया गया है। मौके पर प्रशिक्षु आइएएस हिमांशु लाल, लेस्लीगंज के एसडीपीओ मनोज झा, प्रशिक्षु डीएसपी राजीव रंजन, राजेश यादव, लेस्लीगंज के थाना प्रभारी उतम कुमार राय मुख्य रूप से मौजूद थे। मजिस्ट्रेट के रूप में संजीत कुमार और राजन कुमार सिंह मौजूद थे। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उदघाटन कार्यक्रम हुआ। माइंस क्षेत्र में संपर्क मार्ग बनाया गया और अन्य कार्य हुए। खनन कार्य भी जल्द शुरू होने की संभावना है। इधर, ग्रामीणों के एक वर्ग ने माइंस से रोजगार और क्षेत्र में विकास होने की उम्मीद भी जतायी है। वहीं, विरोध कर रहे लोग आरोप लगा रहे हैं कि उनकी बात सुने बिना प्रशासन खनन कार्य आगे बढ़ा रहा है। मौके पर बताया गया कि रेवारातू क्षेत्र में श्री विनायक कंस्ट्रक्शन को वर्ष 2024 में माइंस लीज प्राप्त हुई थी। इस पर कुछ ग्रामीणों ने झारखंड उच्च न्यायालय में पीआईएल दायर की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके बाद भी स्थानीय स्तर पर विरोध जारी है। माइंस संचालक की ओर से कई दौर की बैठकों के बावजूद विवाद का हल नहीं निकल पाया है। इधर पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था में व्यवधान पैदा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है।

प्रिंस खान गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार 17 लाख नकद सहित पिस्टल भी हुआ बरामद

धनबाद की जिला पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर के करीबियों सहित 30 ठिकानों पर की थी छापेमारी

AGENCY DHANBAD : दुबई में बैठकर कोयलांचल धनबाद में अपने अपराध का साम्राज्य चला रहे भगोड़े हैदर अली उर्फ प्रिंस खान के नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से वासेपुर के अलग-अलग करीब 30 ठिकानों पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी की जानकारी देते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भगोड़े हैदर अली उर्फ प्रिंस खान गैंग के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम करने वाले सदस्यों के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस अधीक्षक-ग्रामीण और पुलिस अधीक्षक-नगर के नेतृत्व में जिला के छह पुलिस उपाधीक्षक, सात पुलिस निरीक्षक,

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी प्रभात कुमार

36 पुलिस अवर निरीक्षक सहित 60 पुलिसकर्मियों को सम्मिलित करते हुए छापेमारी दल का गठन किया गया था। एसएसपी ने बताया कि छापेमारी के लिए गठित सभी टीमों ने मंगलवार को तड़के सभी के घरों और ठिकानों पर छापेमारी कर गहन तलाशी ली। तलाशी के क्रम में चार संदिग्धों कबाड़ी पट्टी निवासी परवेज खान (55), नवीनगर वासेपुर निवासी तौशिफ आलम उर्फ मुसा (33), कमर मखदुमि रोड निवासी सैफ आलम उर्फ राशिद और शमशेर नगर निवासी इम्तियाज अली उर्फ लाडले (46) के घर से कुल 17 लाख 34 हजार 900 रुपये नकद के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के जमीन खरीद-बिक्री से संबंधित, 70 डीड पेपर, एग्रीमेंट पेपर, 18 एटीएम और डेबिट कार्ड, पांच विभिन्न बैंकों के पासबुक, नौ चेकबुक, पांच मोबाइल फोन, नागालैंड से निर्गत एक छह राउंड वाली पिस्टल एवं 47 गोली बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने बरामद नकद राशि के वैध स्रोत के संबंध में नहीं बताये जाने पर, इसकी जांच के लिए आयकर विभाग से पत्राचार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपनी स्वीकारोक्ति बयान में बताया है कि ये लोग प्रिंस खान के गैंग के सहयोगी सदस्यों को जो व्यापारी और पेट्रोल पंप संचालकों में भय पैदा करने के लिए आए सदस्यों को ठहराने और उनके आने-जाने की सुविधा उपलब्ध कराते थे।

बालू तस्करी के दौरान ट्रैक्टर पलटने से मजदूर की मौत

घटनास्थल पर जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

PALAMU : पलामू जिले में नवाजयपुर थाना क्षेत्र के चुरादोहर बाजार में मंगलवार की देर रात बालू तस्करी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस दुर्घटना में मजदूर अजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि बालू लदे ट्रैक्टर का डाला अचानक पलट गया, जिससे ट्रैक्टर पर बैठा मजदूर अजय यादव डाला के नीचे दब गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उसे किसी तरह बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पाकर नवाजयपुर के थाना प्रभारी सतीश कुमार गुप्ता दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर को जब्त कर थाना परिसर में रख दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मजदूर की मौत ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से हुई प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैक्टर का मालिक स्थानीय बालू माफिया है। हादसे के समय ट्रैक्टर पर बालू नहीं लदा था। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

धर्म से हमें मिलती है समाज को बेहतर बनाने की ताकत : हेमंत

समापन समारोह में उपस्थित सीएम व कल्पना सोरेन ● फोटोन न्यूज

BOKARO : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी-सह- गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन के साथ बुधवार को बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड स्थित ललपनिया गए थे, जहां वे कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय लुगूबुरु, घांटाबाड़ी, धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म से हमें सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की ताकत मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी परंपरा और संस्कृति को जितनी अच्छी तरह समझेंगे, उतना ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि लुगूबुरु विशेष रूप से संताल समाज के लिए एक ऐसा पवित्र स्थल है, जहां हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस राजकीय महोत्सव में झारखंड के अलावा देश के अन्य प्रदेशों तथा विदेशों से भी लाखों श्रद्धालु आते हैं। वे यहां लुगू बाबा का दर्शन और पारंपरिक विधि- विधान से पूजा- अर्चना कर खुशहाली की कामना करते हैं।

कार्तिक उद्यापन जुलूस के दौरान हिंसक झड़प में 20 लोग हुए घायल

GIRIDIH : गिरिडीह में ताराटाड़ थाना क्षेत्र के बदमुन्दा में बुधवार को कार्तिक उद्यापन जुलूस के दौरान दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प में 20 लोग घायल हो गये। इसमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। सभी घायलों का स्थानीय स्वास्थ केन्द्र में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। घटना के बाबत बताया गया कि उद्यापन जुलूस के दौरान पहले दो लोगों में मामूली कहासुनी हुई और फिर देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडा और पत्थर चलने लगे। इस अफरा-तफरी में लोग जख्मी हो गये। झड़प की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) जीत वाहन उरांव, गाण्डेय के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) और थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला। पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. विमल कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने कहा कि महज दो लोगों के आपसी विवाद को अनावश्यक रूप से दो पक्षों के बीच की झड़प बताकर विधि-व्यवस्था में खलल डालने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

थानेदार पर जानलेवा हमला करने के आरोप में महिला सहित छह गिरफ्तार

AGENCY KHUNTI : रनिया थाना क्षेत्र के लोहागड़ा डाईर मेला में अवैध शराब की बिक्री रोकने गए रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल पर किए गए जानलेवा हमले और जवान अनीष बारला से हथियार छीनने के प्रयास के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जेल भेजे जाने के पहले सभी आरोपितों को रनिया चौक से खूंटी घुमाया गया, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी। जेल भेजे जाने से पूर्व एसपी कार्यालय के सभागार में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सभी आरोपियों को मीडिया के सामने प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कटफरा (लकड़ी का मोटा टुकड़ा), खून सना पत्थर, शराब की बोतलों के टुकड़े और घटना के दिन अभियुक्तों की ओर से पहने गए

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी मनीष टोप्पो

कपड़े बरामद कर जब्त कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ममरला टेंगरा गांव निवासी सुखदेव झोरा उर्फ भोको (20), रनिया के जापुद झोराटोली निवासी सेनेतर भेंगरा उर्फ सोनू (24), बड़काटोली डिगरी निवासी जगतपाल सिंह उर्फ चौठा सिंह (45), मेलानियुस होरो (32), केराटोली डिगरी निवासी मार्शल कोनगाड़ी (66) और कनकलोया बरटोली निवासी महिला पूनम भेंगरा (42) शामिल हैं। इन अभियुक्तों के खिलाफ रनिया थाना में दो नवंबर को ही अंचलाधिकारी प्रशांत डांग के आवेदन पर दर्ज किया गया है। इस मामले में जांच की जिम्मेदारी सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह को सौंपी गई है। प्रेस वार्ता में एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तोरपा के एसडीपीओ खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में तीन थानों के पुलिस पदाधिकारियों को मिलाकर एक टीम गठित की गई।

धर्म-कर्म | हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, दान-पुण्य कर मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

कार्तिक पूर्णिमा पर दामोदर में श्रद्धा का महासंगम

AGENCY DHANBAD : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को धनबाद से होकर बहने वाली दामोदर नदी स्थित मोहलबनी और लाल बंगला घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालुओं नदी तट की ओर बढ़ने लगे और पूरा इलाका हर-हर गंगे के जयघोषों से गूंज उठा। धनबाद, झरिया, बस्ताकोला, भालगढ़ा, तीसरा, डिगवाडीह, सुदामडीह, पाथरडीह, जोरापोखर सहित धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु यहां पवित्र स्नान-दान के लिए पहुंचे और पारंपरिक रीति के अनुसार दामोदर नदी में आस्था की डुबकी लगाई तथा स्नान-दान कर मोक्ष प्राप्ति की कामना की। श्रद्धालु इसके बाद मुक्तिधाम स्थित मां काली मंदिर, हनुमान मंदिर और भगवान शिव मंदिर में

स्नान के लिए नदी के किनारे पहुंचे श्रद्धालु

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना की। पुण्य अर्जन की इस परंपरा के तहत श्रद्धालुओं ने गरीबों एवं जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य दान की सामग्री वितरित की। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मोहलबनी घाट पर मेला जैसा दृश्य रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, खिलौने और खान-पान के स्टॉल लगे रहे। जिला प्रशासन की ओर से भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए। पुलिस बल की तैनाती, साफ-सफाई और चिकित्सा व्यवस्था के साथ स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी घाट पर सेवाएं दीं।

रामगढ़ के रजरप्पा मंदिर में मां के दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

RAMGARH : कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बुधवार को सुबह से ही मंदिर में मां छिन्नमस्तिका का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगने लगी। स्नान दान की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने भैरवी नदी में स्नान किया और मां का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के पुजारी सुभाषीश पंडा ने बताया कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा पर बेहद शुभ संयोग बना है। देव दिपावली के दिन मां छिन्नमस्तिका की विशेष पूजा होती है। इस पावन अवसर पर पूरे झारखंड के अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल और छत्तिसगढ़ समेत कई अन्य प्रदेशों से भी भक्त एवं श्रद्धालु यहां आते हैं और माँ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

मंदिर में माता का दर्शन करने के लिए कतारबद्ध लोग

शिक्षोत्सव में डिजिटल कौशल का प्रदर्शन करेंगे प्रतिभागी

DHANBAD : धनबाद में आईसीटी चैंपियनशिप ई-शिक्षा महोत्सव 2025 का जिलास्तरीय आयोजन 6 से 8 नवंबर तक होगा। इसके लिए जिले के चयनित उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के नौवीं से 12वीं तक के छात्र भाग लेंगे। प्रतियोगिता के लिए 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र आईसीटी आधारित परियोजनाएं, डिजिटल नवाचार, प्रस्तुतिकरण कौशल एवं तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले आयोजन को कक्षावार विभाजित किया गया है। 6 व 7 नवंबर को नौवीं-11वीं और 8 नवंबर को 10वीं-12वीं के छात्र अपना प्रेजेंटेशन देंगे। कार्यक्रम के लिए सुबह 9.30 से दोपहर 2.45 बजे तक समय निर्धारित है। डीईओ अभिषेक झा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी रचनात्मकता, समस्या समाधान कौशल और डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा देना है, ताकि वे बदलते हुए तकनीकी परिवेश में अग्रणी भूमिका निभा सकें। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। यहां राज्य स्तर पर सम्मानित किए जाने का अवसर मिलेगा।

राशन डीलर ने अपनी ही नौकरानी के साथ कर दिया अनाज घोटाला

भुक्तभोगी महिला

DHANBAD : धनबाद में राशन डीलर की ओर से फजीर्वाड़ा का एक मामला बुधवार को सामने आया है। बाबूडीह स्थित डीलर हेमलता सिन्हा ने अपने ही घर पर काम करने वाली कलावती देवी से 10 सालों तक घर का झाड़ू-पोछा, बर्तन धोने का काम करवाती रही और उसके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर कई अज्ञात लोगों का नाम जोड़ फर्जी राशन कार्ड बनवाकर उसके थंब का इस्तेमाल कर राशन उठाती रही। वहीं, उक्त महिला के काम के बदले उसे महीने में केवल पाँच किलो अनाज देती रही। इतना ही नहीं डीलर ने कलावती को बहला-फुसलाकर उसके भतीजे अभिषेक राय और उसकी भाभी अंजलि देवी की भी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर दर्जनों अज्ञात लोगों का नाम जोड़ा और उनसे भी थंब लेकर राशन लेती रही। इसके बदले में उन्हें कभी 5 तो कभी 10 किलो अनाज दे दिया करती थी। इस दौरान कलावती देवी, उसका भतीजा अभिषेक राय और उनकी भाभी अंजलि देवी से हर माह फिंगर लगाकर राशन उठाने का काम करती थी। वहीं, जब भी इन्होंने राशन कार्ड मांगने का प्रयास किया, तो डीलर हेमलता कहती थी, 'आम खाओ गुठली मत गिनो'। वहीं, हाल के दिनों में जब 'मैया सम्मान योजना' को लेकर राशन कार्ड की मांग की गई तो परिवारवालों ने डीलर हेमलता सिन्हा पर राशन कार्ड देने के लिए दबाव बनाया। जिसके बाद डीलर हेमलता सिन्हा ने अपनी नौकरानी कलावती देवी को काम से ही निकाल दिया। जब कलावती ने ऑनलाइन अपने राशन कार्ड की जांच की तो पाया गया कि उसके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर उससे थंब लगवाकर राशन का गबन किया जा रहा था।

BRIEF NEWS

आज और 12 को होगी राज्य स्तरीय फुटबॉल-क्रिकेट ओपन चयन प्रक्रिया

RANCHI : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में राज्य स्तरीय फुटबॉल (अंडर-14 बालक) और क्रिकेट (अंडर-19 बालक एवं बालिका) के लिए खुली चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। फुटबॉल का राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया 6 नवंबर को खेलगांव, रांची स्थित प्रैक्टिस ग्राउंड में प्रातः 7 बजे से आयोजित होगा। इसी प्रकार क्रिकेट के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया 12 नवंबर को साउथ रेलवे मैदान, चुटिया में आयोजित की जाएगी, जिसकी रिपोर्टिंग उसी दिन प्रातः 7 बजे से शुरू होगी। इस खुली चयन प्रक्रिया में राज्य के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं।

हेमंत सरकार सभी मोर्चों पर विफल : आजसू

RANCHI : झारखंड में ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर राज्य की जनता से विश्वाघात करने और सभी मोर्चों पर विफल होने का आरोप लगाया है। आजसू के महासचिव संजय मेहता ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार ने अपनी नाकामियों के कारण वोट मांगने का नैतिक आधार भी खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार नौकरी, नियोजन, विस्थापन, पुनर्वास, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर पूरी तरह असफल रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने इस सरकार को भारी बहुमत के साथ चुना था, जनता को उम्मीद थी कि यह सरकार उनके हितों की रक्षा करेगी, लेकिन सरकार ने हर कदम पर जनता को निराश किया। सरकार ने नौकरी सृजन, स्थानीय नीति और निजी क्षेत्र में आरक्षण जैसे बड़े वादों को नजरअंदाज किया। इसके अलावा, शिक्षक नियुक्ति, पलायन रोकथाम, पेपर लीक रोकने में नाकामी और संविदाकर्मियों के नियमितीकरण जैसे मुद्दों पर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

एचईसी में कार्यादेश की कमी नहीं, बशर्ते लगातार हो उत्पादन : लीलाधर

RANCHI : हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (इंटक) की ओर से बुधवार को धुर्वा स्थित यूनियन कार्यालय में इंटक की कार्यकारिणी बैठक हुई। इस अवसर पर यूनियन के महामंत्री सह इंटक के राष्ट्रीय संघटन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि एचईसी में कार्यादेश कि कोई कमी नहीं है। बशर्ते प्लांट में लगातार उत्पादन प्रक्रिया हो। उत्पादन विक्रय के बाद मिले रुपये से ही एचईसी कर्मियों का वेतन भुगतान नियमित हो सकेगा। लीलाधर ने कहा कि बैंक से व्यक्तिगत ऋण लेनेवाले कामगार के वेतन के साथ ईएमआई का बैंक को भुगतान साथ-साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठेका कामगार के ठेका का टेंडर प्रक्रिया को जल्द शुरू करना चाहिए क्योंकि मात्र ठेका अवधि दो माह शेष है।

गुरुनानक देव के 556वें प्रकाशोत्सव पर सजा रैन सवाई दीवान

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा की ओर से गुरु नानक देव के 556वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में रातू रोड स्थित गुरुद्वारा साहिब कृष्णा नगर कॉलोनी में बुधवार को रैन सवाई दीवान सजाया गया। दीवान की शुरुआत रात में स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल और रेशमा गिरधर ने सबना का मा प्यो आप है.. और करतारपुर करता बसे संतन के पास शबद गायन से हुई। हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने कथावाचन कर गुरुनानक देव की जीवनी से संगत को रूबरू कराया और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। गुरुद्वारा साहिब के रागी जत्था भाई महिपाल सिंह और साथियों ने धन नानक तेरी बडी कमाईत... और सबते बडा सतगुर नानक जिन कल राखी मेरी..एवं मन तन तेरा तेरा तन भी तेरा..शबद गायन किया। प्रकाश पर्व में विशेष रूप से शिरकत करने पहुंचे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई सरबजीत सिंह जी दुर्ग वाले ने गुरु नानक बोलैं दरगह परवान दास की लाज रखे मिहरवान....और कल तारण गुरू नानक आया, भया अनंद जगत विच...एवं धन बाबा नानक तू ही निरंकार....शबद गायन कर साथ संगत को गुरबाणी से जोड़ा। बीच-बीच में उन्होंने गुरु इतिहास से जुड़ी साखियां भी सुनाई। प्रकाश पर्व को मुख रखते हुए पिछले दो दिनों से पढ़े जा रहे श्री अखंड पाठ साहिब जी की समाप्ति हुई। इसके बाद भाई महिपाल सिंह ने आरती का शबद गायन किया। अरदास, हुकुमनामा और कढ़ाह प्रसाद एवं मिष्ठान वितरण के साथ दीवान की पूरी समाप्ति हुई। मंच संचालन मनीष मिढ़ा ने किया। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा ने भाई सरबजीत सिंह दुर्ग वाले और साथियों को सरोपा देकर सम्मानित किया।

रातू रोड गुरुद्वारा साहिब की सत्संग सभा में उपस्थित लोग

प्रकाशोत्सव में शामिल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य

गुरु नानक देव जी ने दिया समानता और सद्भाव का संदेश : राज्यपाल

RANCHI : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर रांची स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पीपी. कंपाउंड जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहां कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गुरुबाणी का श्रवण किया तथा श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरे मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का महान संदेश दिया। उनके उपदेश मानवता के मार्ग पर चलने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षा को अपने विचार और जीवन व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया।

रांची पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, ड्रग्स रैकेट का किया खुलासा

28 लाख के ब्राउन शुगर के साथ दो सगी बहनों समेत चार गिरफ्तार

- सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी
- एसएसपी राकेश रंजन को मिली थी सूचना सासाराम से लाया जा रहा ब्राउन शुगर

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को रांची पुलिस ने एक बड़े ड्रग्स रैकेट का खुलासा किया है। इस मामले में दो सगी बहनों सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 28 लाख रुपये का ब्राउन शुगर बरामद हुआ है। सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। सिटी एसपी ने बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे हैं और न्यू मार्केट चौक, रातू रोड के पास अपने सहयोगियों को इसकी सप्लाई करने वाले हैं। इस सूचना के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए न्यू मार्केट चौक स्थित टेम्पो स्टैंड के पीछे सादे कपड़ों में इंतजार करना शुरू कर दिया। मंगलवार की रात करीब 10:15 बजे एक महिला टेम्पो स्टैंड के पीछे एक दुकान के पास आकर खड़ी हुई, जिसके कुछ देर बाद तीन-चार व्यक्ति उससे बातचीत करने लगे। पुलिस को संदेह हुआ और जैसे ही टीम उनकी ओर बढ़ी, सभी लोग पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी करके एक महिला गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य फरार हो गए। गिरफ्तार महिला ने अपना नाम सेजल उर्फ साहिस्ता प्रवीण उर्फ सेजल गुप्ता बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 92.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

घर से ड्रग्स और 2.65 लाख नकद जब्त

पूछताछ में सेजल ने बताया कि वह यह ब्राउन शुगर सासाराम, बिहार के बबन साह उर्फ मौसा जी और सूरज कुमार से लेकर आ रही थी। उसका पूरा परिवार ब्राउन शुगर कारोबार में लिप्त है। सेजल ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने किराए के घर, एदलहातु, बरियातू में भी ब्राउन शुगर बरामद करवा सकती है। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल एदलहातु स्थित उसके घर पर छापेमारी की। उसके घर से 10.24 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इसके अलावा ब्राउन शुगर बेचकर रखे गए कुल 2.65 लाख नकद भी बरामद हुए।

घर में पिता करते हैं ब्राउन शुगर का कारोबार

सेजल ने बताया कि यह अवैध कारोबार घर में उसके पिता मो. सरवर द्वारा किया जाता है। इसके बाद पुलिस ने मो. सरवर को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान सेजल ने अपनी बहन मुस्कान उर्फ सागुफ्ता प्रवीण और जीजा मो. राजू के बारे में भी जानकारी दी, जो रातू स्थित अलकमर कॉलोनी में रहकर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते थे। पुलिस ने रातू, अलकमर कॉलोनी स्थित मुस्कान के घर पर भी विधिवत छापामारी की। इस दौरान मुस्कान और उसके पति मो. राजू के पास से कुल 36.85 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इसके बाद, मुस्कान और मो. राजू को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने खुलासा किया कि वे सासाराम, बिहार के बबन साह और सूरज कुमार से ब्राउन शुगर लाकर रांची के हिंदपीढ़ी, सुखदेवनगर, कोतवाली और मोरहाबादी क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचते थे।

झारखंड चैंबर की उप समितियों की बैठक में व्यापारिक सुधार व उद्योग प्रोत्साहन पर दिया गया जोर

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में भाग लेते पदाधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की आज कई उप समितियों की बैठक चैंबर भवन में संपन्न हुई। बैठकों में व्यापार, उद्योग और प्रशासनिक सहयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिया गया। बैठक में राज्य में एडवांस फूड टेस्टिंग लैब और मोबाइल वैन लैब की जरूरत पर जोर दिया गया। इस पर यह सुझाव दिया गया कि जब तक किसी खाद्य उत्पाद के सैंपल की जांच रिपोर्ट नहीं आती, तब तक व्यापारी का नाम सार्वजनिक न किया जाए। उप समिति के चेयरमैन सुबोध चौधरी ने कहा कि इस माह फूड सेफ्टी विभाग के साथ एक कैंप लगाया जाएगा, जिससे व्यापारियों को लाइसेंस नवीकरण और अन्य समस्याओं का समाधान मिल सके। चेयरमैन कुशल टेकरीवाल ने कहा कि जल्द ही हेल्थ अवेयरनेस पर भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें असली और नकली फूड की पहचान की प्रक्रिया बताई जाएगी। बैठक में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में पड़ोसी राज्यों के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के साथ संवाद बढ़ाने का निर्णय लिया गया। उप समिति चेयरमैन अनिष सिंह ने बताया कि जल्द ही एक इंटर-स्टेट चैंबर कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा ताकि अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके। सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि नये सदस्यों को जोड़ा जाएगा और विभिन्न राज्यों की औद्योगिक नीतियों का अध्ययन कर सरकार को सुझाव भेजे जाएंगे। बैठक में निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने और सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाने की मांग की गई। उप समिति चेयरमैन शैलेंद्र सुमन ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में छोटे व्यवसायियों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाया जाए। यह भी तय हुआ कि सरकार को एक ज्ञापन सौंपकर इन सुझावों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छवि रंजन का मामला दूसरी बेंच में होगा ट्रांसफर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस अंबुज नाथ की अदालत ने बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जेवाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी रांची के तत्कालीन उपायुक्त छवि रंजन की याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस याचिका को यह कहते हुए दूसरी सक्षम बेंच में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया कि यह मामला ईसीआइआर-01/2023 के संबंध में पारित संज्ञान आदेश को रद्द करने से संबंधित है। अपराध पीएमएलए कानून के तहत आता है। बताया गया है कि पीएमएलए के तहत अपराध से संबंधित रिट याचिका जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए नियत किया गया है। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस मामले को सूची से हटाया जाता है, ताकि चीफ जस्टिस की अनुमति के बाद इसे उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जा सके। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी छवि रंजन ने क्रिमिनल रिट याचिका दायर की है। उन्होंने मामले में अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने का हवाला देते हुए उनके खिलाफ पारित संज्ञान आदेश को निरस्त करने की मांग की है। प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक केस चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा-197 के तहत अभियोजन स्वीकृति लेना जरूरी है, लेकिन इडी की ओर से इस केस में ऐसा नहीं किया गया है। इसलिए उनके खिलाफ इडी की विशेष अदालत द्वारा पारित संज्ञान आदेश तथा इस केस को निरस्त किया जाना चाहिए। बरियातू में सेना की कब्जेवाली जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में इडी ने मामला दर्ज किया था, जिसमें रांची के तत्कालीन उपायुक्त छवि रंजन, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है।

कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रह्माकुमारी में ईश्वरीय ज्ञान स्नान कार्यक्रम

RANCHI : रांची के हरमू रोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में कार्तिक पूर्णिमा पर्व के अवसर पर बुधवार को ईश्वरीय ज्ञान स्नान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि परमात्मा ही ज्ञान रूपी क्षीर सागर हैं और जब मनुष्य आत्मा अपने तन रूपी मंदिर में रहकर उस ज्ञान का मंथन करता है तभी उसके बुद्धि रूपी कलश में अमृत भरता है। उन्होंने बताया कि कलियुग के अंत और सतयुग के आरंभ संगमकाल में ही परमात्मा शिव ज्ञान रूपी अमृत का दान देते हैं, जिससे मनुष्य दुख, अज्ञान और बंधनों से मुक्त होकर पुनः देवत्व को प्राप्त करता है।

'झारखंड उलगुलान संघ' और 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' 11 को राजभवन के पास देगा धरना

PHOTON NEWS RANCHI : 'झारखंड उलगुलान संघ' और 'आदिवासी बचाओ मोर्चा' की ओर से 11 नंवबर को राजभवन के समक्ष एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया जायेगा। झारखंड उलगुलान संघ और झारखंड बचाओ मोर्चा के पदाधिकारियों ने बुधवार को इसकी जनकारी दी। राजधानी रांची के करमटोली स्थित धुमकुड़िया भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान 'झारखंड उलगुलान संघ' के अध्यक्ष अलेयस्टर बोदरा और 'झारखंड बचाओ मोर्चा' के पदाधिकारी लक्ष्मीनारायण मुंडा, प्रेमशाही मुंडा, जॉन जुरसेन गुड़िया, मसीह दास गुड़िया ने संयुक्त रुप से कहा कि आदिवासियों के संवैधानिक प्रावधानों, विशेष कानूनी अधिकारों और न्यायिक निर्णयों को लेकर शासकीय उदासीनता के खिलाफ महाधरना का कार्यक्रम किया जाएगा। यह कार्यक्रम झारखंड उलगुलान संघ की अगुवाई में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में आदिवासी बचाओ मोर्चा सहित विभिन्न आदिवासी संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति रहेगी। संघ और मार्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि सीएनटी और एसपीटी एक्ट, विलकिंसन रुल्स, पेसा कानून और वनाधिकार कानून के क्रियान्वयन में राज्यपाल की ओर से अब तक कोई सार्थक पहल नहीं किया गया।

धर्म-अध्यात्म सुबह से ही महिला, पुरुष व बच्चों ने भगवान भास्कर को अर्पित किया अर्घ्य

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को झारखंड की राजधानी रांची में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्वर्ण रेखा नदी सहित अन्य सरोवरों के तटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही महिला, पुरुष और बच्चे स्वर्ण रेखा नदी पहुंचकर स्नान किया और फिर भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया।

कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर इक्कीसों महादेव धाम, स्वर्णरेखा नदी तट पर सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का स्नान एवं मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हुई। कई श्रद्धालु परिवार के साथ भगवान सत्यनारायण की कथा पंडितों से सुनते देखे गए, तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्वर्ण रेखा नदी में स्नान कर दान-पुण्य करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से स्वर्णरेखा नदी के तट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेला लगता आ रहा है। इस मेले में कोकर, नामकुम, चुटिया, डोरंडा, जगरन्नाथपुर, नगड़ी, बेड़ो, रामपुर, बुंडू, तमाड़, खूंटी, सिल्ली और ओरमांझी सहित कई इलाकों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि हिंदू धर्म में व्रत, त्योहार और स्नान का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा और सरोवर में स्नान कर पुण्य प्राप्ति के लिए लोग गंगा घाटों पर पहुंचते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान के साथ दीप दान का विशेष महत्व होता है। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर नदी और मंदिर के आसपास मेला लगा था। मेला में चाट, फुचका के ठेले, गन्ना, बच्चों के खिलौने, पूजन सामग्री की कई दुकानें लगी थीं। पूजन सामग्री की दुकानों में महिलाओं और चाट-फुचका की दुकानों में युवक-युवतियां और बच्चों की भीड़ लगी थी। इस दौरान पुलिस टीम भी तैनात दिखी।

राजधानी रांची के मेन रोड स्थित संकट मोचन मंदिर, काली मंदिर, पहाड़ी मंदिर सहित सभी मंदिरों में भी लोग सुबह से ही पूजा-अर्चना करते देखे गए।

स्वर्ण रेखा नदी में स्नान करते श्रद्धालु

मोंथा चक्रवात से फसल नुकसान का आकलन शुरू

RANCHI : मोंथा चक्रवात की तबाही के बाद अब झारखंड सरकार ने फसलों को हुए नुकसान का पूरा ब्यौरा जुटाने की तैयारी शुरू कर दी है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने सभी जिलों के उपायुक्तों को इस संबंध में आदेश जारी किया है। निर्देश में कहा गया है कि जिले के अधिकारी गांव-गांव जाकर खेतों की स्थिति का वास्तविक आकलन करें। कितनी फसलें बर्बाद हुईं और किसानों को कितना आर्थिक नुकसान हुआ इसका पूरा ब्यौरा तैयार कर तुरंत गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को भेजा जाए। इसकी एक प्रति कृषि विभाग को भी भेजने के निर्देश हैं। विभाग ने बताया कि मोंथा चक्रवात से हुई भारी बारिश के कारण किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

तुपुदाना में वृद्धा से चेन छीनकर फरार हुए बाइक सवार युवक

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र अंतर्गत तुपुदाना बस्ती में एक 76 वर्षीय वृद्धा से बाइक सवार युवकों द्वारा चेन छीनने की घटना सामने आई है। पीड़िता उर्मिला देवी, जो लंबे समय से अस्वस्थ हैं और कमर की शल्य चिकित्सा के बाद डंडे के सहारे चलती हैं, घर के पास टहल रही थीं, तभी बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। घटना के संबंध में उनके पुत्र आनंद महतो ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि वे सब्जी बेचने बाजार गए थे, उसी दौरान लगभग 3:20 बजे उनकी मां घर के पास टहल रही थीं। तभी बाइक पर सवार दो युवक आए, जिनमें से एक ने वृद्धा को पकड़कर पास के पेड़ के नीचे पटक दिया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। वृद्धा के चिल्लाने के बावजूद आरोपी भागने में सफल रहे। शिकायतकर्ता ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें मां से मिली, जिसके बाद उन्होंने तत्काल थाना में लिखित सूचना दी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया है कि अपराधियों की पहचान कर शीघ्र कार्रवाई की जाए और छीनी गई चेन वापस दिलाई जाए। तुपुदाना थाना प्रभारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की जांच प्रारंभ कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

समाचार सार

शास्त्रीनगर में बनेगा किन्नरों की कुलदेवी का मंदिर

JAMSHEDPUR : कदमा के शास्त्रीनगर में किन्नरों की कुलदेवी बहुचरा माता (मां दुर्गा का स्वरूप) का मंदिर बनेगा। मंदिर और आश्रम का निर्माण 2026 के अंत तक बनाने की योजना है। यह किन्नरों के लिए झारखंड-बिहार का यह पहला मंदिर और आश्रम होगा। इस योजना पर जमशेदपुर के किन्नर समुदाय ने अमल भी शुरू कर दिया हैं। शहरवासियों के सहयोग से इस मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इस पावन कार्य की शुरूआत कार्तिक पूर्णिमा, देव दिवाली और गुरुनानक जयंती के शुभ अवसर पर बुधवार को सिने तारिका माधुरी दीक्षित के फैन समाजसेवी पप्पू सरदार ने की, जिन्होंने निर्माण के लिए पहला सहयोग 51 हजार रुपये का चेक महामंडलेश्वर साध्वी अमरजीत नंद गिरी को सौंपकर किया। इस मौके पर किन्नर समुदाय की महंत हिमंशी और महंत आनंदी भी मौजूद थीं। इस अवसर पर महामंडलेश्वर साध्वी अमरजीत ने बताया कि मंदिर और आश्रम निर्माण की नींव रखने का कार्य फरवरी 2026 में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी के कर कमलों से होगा। उन्होंने पप्पू सरदार की सराहना की। मालूम हो कि गत माह 24 अक्टूबर को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन सभागार में किन्नर अखाड़ा द्वारा आयोजित धर्म महासम्मेलन में अखाड़ा की महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने जमशेदपुर में माता बहुचरा मंदिर निर्माण की इच्छा व्यक्त की थी।

फुटबॉल में ओडिशा की टीम बनी विजेता

CHAIBASA : सरायकेला खरसावां जिले के राजनगर में छोटानागपुर किसान क्लब, छोटाकुनाबेड़ा के तत्वावधान में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता हुई, जिसमें 64 टीमों ने हिस्सा लिया था।। फाइनल में मंगल स्पोर्टिंग को 2-0 से हराकर ओडिशा बिरला गोल्ड सलोई की टीम विजेता बनी। आयोजकों की ओर से सांसद जोबा मांझी ने विजेता को 50 हजार रुपये व उपविजेता को 40 हजार रुपये नकद व खस्सी प्रदान किया। इस अवसर पर छोटा कुनाबेड़ा में सोहराई पर्व पर गोरु-खुंटाव का भी आयोजन हुआ। सांसद जोबा मांझी ने भी इसमें शामिल होकर पशुओं की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता कालीपद सोरेन, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष राम सिंह हेम्ब्रम, समाजसेवी गोपाल महतो आदि भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में बुढ़ान बास्के, महेश बास्के, जमाल हांसदा, मड़ाय सोरेन, राजन हांसदा आदि सदस्य सक्रिय रहे।

चाईबासा क्रिकेट क्लब ने मारी बाजी

CHAIBASA : कप्तान आमर्त्य चौधरी (68 रन) एवं राहुल राज (58 नाबाद) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत चाईबासा क्रिकेट क्लब ने फेनेटिक क्लब चाईबासा को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फेनेटिक क्लब चाईबासा की पूरी टीम 29.5 ओवर 171 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चाईबासा क्रिकेट क्लब की टीम ने 20.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग में गुरुवार को फ्रेंड्स क्लब चाईबासा का मुकाबला चक्रधरपुर के लट्टू उरांव क्रिकेट क्लब से होगा।

प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

JAMSHEDPUR : सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव के 556वें प्रकाश पर्व पर भव्य नगर कीर्तन निकला, जो सोनारी गुरुद्वारा से साकची के गुरुद्वारा साहिब तक पहुंचा। इसमें काफी संख्या में सिख समाज के महिला-पुरुष व बच्चे शामिल थे। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटियों व स्कूली छात्र-छात्राओं ने गतका सहित विभिन्न हैरतअंगेज खेलों का प्रदर्शन किया। नगर कीर्तन के आगे-आगे हाथ में कृपाण लिए पंजप्यारे चल रहे थे, तो उनके पीछे सुसज्जित रथनुमा वाहन पर गुरुग्रंथ साहिब की पालकी चल रही थी। सभी लोग रास्ते भर गुरुग्रंथ साहिब पर फूल बरसाते देखे गए। शोभायात्रा के दौरान गुरबाणी और शबद-कीर्तन भी सुनाई दे रहे थे, तो गुरुनानक देव के उपदेश भी गूंज रहे थे। जो बोले सो निहाल... सत श्री अकाल.., वाहेगुरु दा खालसा... वाहेगुरु दी फतह... से पूरा माहौल श्रद्धामय हो गया था। नगर कीर्तन में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख भगवान सिंह, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले, सीजीपीसी के चेयरमैन शैलेंद्र सिंह समेत शहर के लगभग सभी गुरुद्वारों के प्रधान व पदाधिकारी शामिल थे। राजनीतिक दलों के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भी नगर कीर्तन में शामिल होकर सिख संगत को प्रकाश पर्व की शुभकामना दी।

उलीडीह में सांड की दहशत, बुजुर्ग ठेला चालक पर किया हमला, हालत नाजुक

मानगो के संकोसाई में हुई दुर्घटना, मची अफरातफरी

PHOTON NEWS JSR : शहर में लंबे अर्से बाद आवारा पशुओं, खासकर सांड का आतंक एक बार फिर देखने को मिला। मानगो में उलीडीह के संकोसाई में रोड नंबर-1 के पास एक आवारा सांड ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर मुंह के बल गिर पड़े। उन्हें गंभीर चोट लगी है। इससे वहां सब्जी विक्रेताओं समेत ग्राहक और राहगीरों में भी दहशत फैल गई। हालांकि, घटना के बाद स्थानीय लोग सक्रिय हुए और उन्हें उठाकर डिमना चौक स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने बुजुर्ग की हालत नाजुक बताई है, लेकिन उनका बेहतर इलाज करने का चिकित्सकों ने आश्वासन दिया है। संकोसाई के रोड नंबर-5 निवासी आजादी साहू (65) के पुत्र शंकर साहू ने बताया कि उनके पिता रोज की तरह ठेला लेकर जा रहे थे, तभी रोड नंबर-1 में दुर्गा मंदिर के पास अचानक एक सांड ने हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आवारा सांडों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोग दहशत में हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए तुरंत अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

अस्पताल में इलाजरत बुजुर्ग ● फोटोन न्यूज

चार वर्ष पूर्व दो लोगों की गई थी जान

यहां बता दें कि करीब चार वर्ष पहले साकची में शीतला मंदिर के पास सुबह-सुबह एक सांड ने सिक्यूरिटी गार्ड और एक व्यवसायी को मौत के घाट उतार दिया था। काफी मशक्कत के बाद उस सांड को वहां से हटाया गया। उस समय भी यह मांग की गई थी कि आवारा पशुओं को सड़क से हटाया जाए और इन्हें कांजी हाउस बनाकर रखा जाए, लेकिन बात आई-गई हो गई।

जेएफसी गोदाम के एजीएम का हुआ अंतिम संस्कार, नहीं पहुंचे विभाग के अधिकारी

PHOTON NEWS ADITYAPUR : गम्हरिया प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित राज्य अनाज गोदाम में हुई आगजनी के शिकार सहायक गोदाम प्रबंधक (एजीएम) अभिषेक हाजरा का बुधवार को बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट में अंतिम संस्कार किया गया। लेकिन, हैरानी की बात यह रही कि इस दौरान एक-दो गोदाम प्रबंधक व डीलरों के अलावा विभाग का कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। छोटे भाई अनिकेत हाजरा ने उन्हें मुखाग्नि दी।

इससे पहले एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अभिषेक हाजरा के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव आदित्यपुर स्थित उनके आवास लाया गया। अंतिम संस्कार से पहले उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे।

इस दौरान वार्ड-17 की निवर्तमान पार्षद नीतू शर्मा, लोजपा नेता मनोज पासवान, अभिषेक हाजरा के मित्र और कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। पत्नी और मां रोते-रोते बेसुध सी हो जा रही थी।

अंतिम यात्रा के दौरान उपस्थित परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

कुम्हार समाज को साधने में जुटी भाजपा, चम्पाई ने किए कई वादे

घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में पक्ष-विपक्ष ने झोंकी ताकत

PHOTON NEWS GHATSILA : झारखंडी कुम्हार एकता मंच की ओर से बुधवार को जगदीश चंद्र उच्च विद्यालय परिसर में घाटशिला विधानसभा स्तरीय सम्मेलन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन व विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन थे। विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर हुई सभा में चम्पाई सोरेन ने कहा कि कुम्हार समाज आदिकाल से घाटशिला ही नहीं, देश-विदेश में बसे हुए हैं। परंतु वर्तमान सरकार ने कुम्हार समाज के लिए बोर्ड का गठन नहीं किया। इसके कारण समाज के लोग अत्याधुनिक तरीके से मिट्टी के बर्तन नहीं बना पाते हैं। इसका परिणाम है कि कुम्हार समाज की नई पीढ़ी अपना पेशा छोड़ रही है। समाज के लोगों का आशीर्वाद मिला तो, सबसे पहले काम कुम्हार समाज को एसटी का दर्जा दिलाना होगा। सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने कहा कि जब छोटे थे तो बाबा चम्पाई सोरेन का प्यार नहीं मिला, क्योंकि बाबा झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में सक्रिय थे। उसका परिणाम है कि अलग राज्य मिला, पर यहां के लोगों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल रहा है। इसके लिए भाजपा को वोट देकर विजयी बनाएं। जिस प्रकार भाजपा ने अलग राज्य दिया, उसी तरह यहां के लोगों को हक और अधिकार दिलाने का काम किया।

कुम्हार समाज को संबोधित करते पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन ● फोटोन न्यूज

सोनारी के भूतनाथ मंदिर में नारायणीधाम का श्याम भक्तों ने किया दर्शन

JAMSHEDPUR : सोनारी के सीएच एरिया स्थित भूतनाथ मंदिर परिसर में चल रहे नारायणी सेवा ट्रस्ट, जमशेदपुर द्वारा नवनिर्मित झुंझुनू की महारानी श्रीश्री राणी सती दादी, लखदातार श्री श्याम प्रभु एवं सालासर श्री बालाजी महाराज मंदिर (नारायणी धाम) के छह दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवें दिन बुधवार को भव्य श्रृंगार के बाद सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने देवी- देवताओं का प्रथम दर्शन किया। सुबह में श्याम प्रभु का तिलक एवं प्रथम श्रृंगार श्री खाटू धाम श्याम मंदिर के पुजारी जितूजी महाराज के सानिध्य में हुआ। इससे पहले रोजाना की तरह पांचवें दिन भी प्रातः 8 बजे से प्राण प्रतिष्ठा, छप्पन भोग की पूजा संस्था से जुड़े 20 सदस्यों ने सपत्नीक पूजा कराई। गुरुवार को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का समापन होगा। इस दौरान शाम को कोलकाता के विवेक शर्मा अपने भजनों से श्याम भक्तों को झुमाएंगे।

भारत का पहला क्रिटिकल मेटल सम्मेलन एनएमएल में आज से

JAMSHEDPUR : भारत का पहला क्रिटिकल मेटल्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन गुरुवार से बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल में शुरू हो रहा है, जो खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त महत्वपूर्ण खनिजों और धातुओं का उत्कृष्टता केंद्र है। 6 से 8 नवंबर तक क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस (क्रिटमेट) 2025 के आयोजन में अलग-अलग संगठनों के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिनमें लेखन ठक्कर (संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, परिषद सचिवालय, भारत सरकार), शकील आलम (आर्थिक सलाहकार, खान मंत्रालय), डॉ. के आनंद राव (सीएमडी, यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड), डॉ. अनुपम अग्निहोत्री (निदेशक, जेएनएआरडीडीसी)और प्रो. सरमा वी पिसुपति (निदेशक, सी2एम, पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए) भी शामिल हैं। ये पहले दिन व्याख्यान देंगे। इनके अलावा सम्मेलन में अमेरिका, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, जर्मनी, कजाकिस्तान, नॉर्वे और यूएई जैसे कई देशों के वक्ता, प्रतिभागी और प्रदर्शक पूर्ण व्याख्यान देंगे। यह कार्यक्रम पॉलिसी मेकर्स, रिसर्चर्स और इंडस्ट्रीज को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा, जो बहुत जरूरी है, क्योंकि जरूरी मिनरल्स की जरूरत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

बर्मामाइंस स्थित एनएमएल

ट्रैक्टर संचालकों ने रोके बालू लदे डंपर, पुलिस ने जांच के बाद छोड़ा

नदी घाट पर खड़े वाहन ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र में जिला प्रशासन की कार्रवाई से नाराज ट्रैक्टर संचालकों ने मंगलवार की रात गोइलकेरा के डेरोवां चौक में बालू लदे तीन डंपरों को रोक दिया था। इसके बाद रात भर बालू का परिवहन बंद रहा। सुबह सूचना मिलते ही गोइलकेरा थाना की पुलिस डेरोवां चौक पहुंची और रोक कर रखे गए डंपरों के कागजातों की जांच की। तीनों वाहनों के चालकों द्वारा गाड़ी के कागजात और बालू का चालान प्रस्तुत किया गया। चालान सही पाए जाने पर पुलिस ने डंपरों को छुड़ाकर गंतव्य की ओर रवाना किया। दरअसल सोमवार की रात गोइलकेरा के थाना प्रभारी विक्रांत मुंडा ने बालू लदे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया था। इससे नाराज होकर ट्रैक्टर संचालकों ने डेरोवां चौक पर डंपरों को रोक दिया। पुलिस ने मौके पर जांच के बाद कहा कि लीगल चालान लेकर चल रहे वाहनों को इस तरह रोकना गलत है। विधि-व्यवस्था की समस्या खड़ी करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय चाईबासा में मुफस्सिल थाना अंतर्गत खप्परसाई में हनुमान मंदिर के पीछे तालाब के पास एक युवक का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान चाईबासा के ताराचंद बलमुचू उर्फ बुलेट के रूप में हुई है। युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ताराचंद के परिवार व पड़ोसियों के बीच मातम छा गया। सहसा लोगों को यकीन नहीं हो रहा था कि ताराचंद ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या है या हत्या। शव के पास से एक रस्सी बरामद हुई है, जो टूटी हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य इकट्ठा किए।

एक्सएलआरआई ने की जेवियर स्कॉलर एंट्रेंस टेस्ट की घोषणा, तैयार होंगे मैनेजमेंट थॉट लीडर्स

PHOTON NEWS JSR : एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने अपने प्रतिष्ठित डॉक्टोरल कार्यक्रमों फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) और एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईएफपीएम) में एडमिशन के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा 'जेवियर स्कॉलर एंट्रेंस टेस्ट' की घोषणा की है. यह परीक्षा 4 जनवरी 2026 को देश भर के 12 शहरों में कंप्यूटर-आधारित मोड में आयोजित होगी। इसे लेकर संस्थान प्रबंधन की ओर से बताया गया कि भारत में मैनेजर्स की संख्या पर्याप्त है, लेकिन अब समय उन थॉट लीडर्स का है, जो शोध-आधारित अंतर्दृष्टि के साथ निर्णय लें, सिद्धांतों को चुनौती दें और नीतियों, बिजनेस मॉडल्स व संगठनात्मक दिशा तय करने में बौद्धिक नेतृत्व दें। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए एक्सएलआरआई ने अपने डॉक्टोरल कार्यक्रमों को रिसर्च पर डिजाइन किया है, ताकि स्कॉलर्स न केवल शिक्षण जगत, बल्कि उद्योग-अनुसंधान, कंसल्टेंट जैसी भूमिकाओं और कॉरपोरेट ट्रेनिंग में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

बीते 75 वर्षों में एक्सएलआरआई ने एकेडमिक दृढ़ता और सामाजिक प्रतिबद्धता का संयोजन प्रस्तुत किया है। एफपीएम और ईएफपीएम में 9 विशिष्ट क्षेत्रों (इकोनॉमिक्स, फाइनेंस, एचआरएम, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, स्ट्रेटजी, जनरल मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, लॉ, एथिक्स, कम्यूनिकेशन, प्रोडक्शन, ऑपरेशंस एवं डिसीजन साइंसेस तथा ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर में रिसर्च की सुविधा उपलब्ध है। स्कॉलर्स को कोर्स वर्क, सेमिनार, रिसर्च प्रोजेक्ट्स और डॉक्टोरल थीसिस मार्गदर्शन के साथ ग्लोबल रिसर्च अनुभव वाले फैकल्टी से मार्गदर्शन मिलता है। पूर्णकालिक शोधार्थियों के लिए वित्तीय सहायता और कैंपस हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध है। एफपीएम एंड रिसर्च के एसोसिएट डीन डॉ. जे. अजीत कुमार ने कहा कि एक्सएलआरआई में अलग-अलग एज और एक्सपीरियंस समूह के रिसर्चर एक साझा बौद्धिक मंच बनाते हैं।

एक्सएलआरआई

पर्व-त्योहार पूरे कोल्हान की नदियों में स्नान करने को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, हवन-पूजन के बाद मांगा आशीर्वाद

कार्तिक पूर्णिमा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, किया दान-पुण्य

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नदी-तालाबों में कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाई। मोक्षदायिनी डुबकी लगाने के लिए चाईबासा, चक्रधरपुर और जगन्नाथपुर अनुमंडल में शहरी और आसपास के नदी-तालाबों में लोगों की भीड़ उमड़ी। नदी-घाटों में अहले सुबह में उत्सव का माहौल रहा। बुधवार की अहले सुबह पवित्र स्नान के लिए शहर के संजय, बिंजय व ब्राहाणी नदी घाट पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना व दान-पुण्य किया। सबसे अधिक भीड़ संजय नदी की पुरानी बस्ती सीढ़ी घाट पर रही। चाईबासा की रोरो नदी और चक्रधरपुर के बलिया घाट, मुक्तिनाथ धाम घाट, बोड़दा पुल, पंप रोड, दंदासाई स्थित नदी घाट समेत शहर के अन्य नदी-घाटों पर महिला-पुरुषों ने पवित्र स्नान किया। स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कर गरीब जरूरतमंदों के बीच दान-पुण्य किया। कार्तिक पूर्णिमा पर मंदिरों में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। वहीं श्रद्धालु, सुपारी, पैसे, अगरबत्ती और दीया रखकर जल में प्रवाहित किया। ओड़िया समाज के लोगों ने कार्तिक पूर्णिमा पर परंपरा के अनुसार, नदी में केले के तने से बनी नाव को जल में प्रवाहित किया। इधर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुरानी बस्ती की सीढ़ी घाट पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी।

चक्रधरपुर में नदी घाट पर लगी श्रद्धालुओं की भीड़ ● फोटोन न्यूज

शिविर लगाकर की गई श्रद्धालुओं की सेवा

चक्रधरपुर शहर के संजय नदी की सीढ़ी घाट पर स्नान और पूजा करने आए लोगों के बीच युवाओं ने भोग का वितरण किया। अहले सुबह स्नान के बाद महिलाओं ने नदी तट पर पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद घर लौटने के दौरान पुरानी बस्ती के युवाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल से भोग ग्रहण किया। इस मौके पर समाजसेवी टिंकू साव, सपन षाड़ंगी, निवर्तमान वार्ड पार्षद दिनेश जेना, समाजसेवी सदानंद होता, संजय षाड़ंगी, अमित मिश्रा आदि सक्रिय रहे। इसके अलावा विधायक सुखराम उरांव एवं मां पाउड़ी सेवा समिति की ओर से भोग के तौर पर जलपान का वितरण किया गया। झामुमो के युवा नेता सन्नी उरांव, समाजसेवी नारायण अग्रवाल, पंकज शर्मा, शेषनारायण लाल आदि सक्रिय थे।

ओड़ियाभाषी घरों में बनाई गई रंगोली

कार्तिक पूर्णिमा पर पुरानी बस्ती की युवतियों ने अपने-अपने घरों के मुख्यद्वार पर आकर्षक रंगोली बनाई। सभी रंगोली मग्गू (सफेद पत्थर के चूरे) से बनाई गई थी। उसमें आकर्षक रंग भरे गए थे। नदी में स्नान कर लौटने वाले लोग युवतियों द्वारा बनाई गई रंगोली को देखते ही रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गुरुनानक देव का प्रकाशोत्सव

गुरुद्वारा साहिब में सबद-कीर्तन सुनतीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में बुधवार को गुरुनानक देव महाराज का 556वां प्रकाशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर सबद-कीर्तन का आयोजन हुआ, जो दोपहर तक चला। इसमें सिख समुदाय के सैकड़ों महिला-पुरुष व बच्चे शामिल हुए। इस अवसर पर ज्ञानी सरबजीत सिंह ने लोगों को गुरुनानक देव के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने गुरुनानक देव का संदेश सुनाया और लोगों को प्रकाशोत्सव की बधाई दी। इधर गुरुद्वारा को आकर्षक फूलों व बिजली की रंगबिरंगी रोशनी और गुरु साहिब की पालकी को आकर्षक फूलों से सजाया गया था। गुरुनानक जयंती पर चाईबासा, जमशेदपुर और चक्रधरपुर में दिल्ली के तिलक नगर से आई कुलदीप सिंह रागी जत्था के कलाकारों ने एक से बढ़कर कीर्तन प्रस्तुत किया। गुरुद्वारा में चल रहे 48 घंटे के अखंड पाठ का भी समापन हुआ। वहीं गुरुद्वारा में भव्य लंगर का आयोजन किया गया, जिसे काफी संख्या में लोगों ने चखा। झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव, विधायक सुखराम उरांव की पत्नी नवमी उरांव समेत पूरे परिवार ने गुरुद्वारा में मत्था टेका।

BRIEF NEWS

बिहार के विकास के लिए बहुत जरूरी है बदलाव : अखिलेश

BHAGALPUR : भागलपुर जिले के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को महागठबंधन के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार जेड हसन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित किया। नाथनगर के ऐतिहासिक मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब समय बदलाव का आ गया है। नाथनगर की जनता जब बदलाव का मन बना लेती है, तब परिवर्तन कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि इस बार जनता का आशीर्वाद जेड हसन को मिलना चाहिए, ताकि विकास और सामाजिक न्याय को नई दिशा मिल सके।

फारबिसगंज में पीएम के कार्यक्रम को लेकर एनडीए का रोड शो

ARARIA : फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा को सफलता को लेकर एनडीए के कार्यकताओं ने बुधवार को फारबिसगंज शहर में रोड शो किया, जिसमें भाजपा के प्रत्याशी विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी सहित गुजरात के खेरा के सांसद देबू सिंह चौहान,पूर्व विधायक पदम पराग राय वेणु सहित एनडीए के घटक दलों के नेताओं ने भाग लिया।रोड शो पोस्ट ऑफिस चौक से शुरू हुई जो सदर रोड होते हुए स्टेशन चौक, फैंसी मार्केट होते हुए पटेल चौक जाकर समाप्त हुई। रोड शो में शमिल एनडीए के नेता सहित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हवाई अड्डा के मैदान में होने वाले सभा में सम्मिलित होने की अपील करते हुए लोगों से भागीदारी को लेकर निमंत्रण दिया। रोड शो में गुजरात के खेरा के सांसद एवं जिला के चुनाव प्रभारी देबू सिंह चौहान, प्रत्याशी विद्यासागर केशरी, पूर्व विधायक पदम पराग राय वेणु समेत बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता मौजूद थे।

गुरुनानक देव के 556वें प्रकाशोत्सव पर उमड़े श्रद्धालु

ARARIA : जिले के फारबिसगंज में साहिब श्री गुरु नानक देवजी महाराज की 556वीं जयंती एवं प्रकाशोत्सव बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल रोड स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा सिंह सभा में बुधवार को दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। पूरे दिन वाहे गुरु, सतनाम वाहे गुरु के गगनभेदी जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया। सुबह की आरती और अरदास के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसके बाद अखंड पाठ का समापन किया गया। श्रद्धालुओं ने शबद-कीर्तन, गुरुवाणी पाठ और सत्संग में बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा परिसर में नए निशान साहिब का विधिवत रूप से फहराया गया, जिसके बाद संगत ने बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

राजनाथ सिंह ने बांका में चुनावी सभा को किया संबोधित, कहा-

दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने जा रहा राजग

AGENCY PATNA : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिहार के बांका में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया कि नीतीश की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में दुबारा सत्ता में आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस समेत महागठबंधन में शामिल सभी दलों पर निशाना भी साधा।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीमावर्ती इलाकों में सड़कें बेहतर हों। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भी नहीं चाहता था कि बिहार में विकास हो। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के ऊपर सेना के राजनीतिकरण करने पर प्रहार किया और कहा कि सैनिक केवल एक धर्म का पालन करते हैं, जो रसैन्य धर्मर है। हमारी सेना को राजनीति में न घसीटें। जब भी इस देश पर संकट आया है, हमारे सैनिकों ने अपनी बहादुरी और पराक्रम का प्रदर्शन करके भारत का सिर ऊंचा किया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि आरक्षण होना चाहिए। हम (भाजपा) भी आरक्षण के समर्थक हैं। हमने गरीबों को आरक्षण दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति में विकास विरोधी सोच को खत्म कर दिया है। जब मोदी जी ने सत्ता संभाली, तब भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। आज यह चौथे स्थान पर है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार पर आज तक भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है, जबकि राजद के नीचे से लेकर शीर्ष पर बैठे सभी नेता भ्रष्टाचार के मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजद शासन के दौरान बिहार का स्वास्थ्य बजट मात्र 700 करोड़ रुपये था, जो अब राजग सरकार में बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो गया है।

केंद्र सरकार ने दी सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी : प्रियंका गांधी

PATNA : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपके पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और आपको एक संविधान दिया। आपके हाथों में शक्ति दी की आप सरकार बनाएं। आज वही अधिकार आपसे छीना जा रहा है। केंद्र सरकार ने सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी दी है। प्रियंका गाधी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाइए ताकि हालात बदल सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को आम लोगों की समस्याओं से इतर इस बात की फिक्र ज्यादा है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर नहीं है। उन्होंने कहा कि आप खुद मंच पर अकेले खड़े हैं नीतीश आपके साथ नहीं खड़े हैं। बिहार की सरकार दिल्ली से चल रही है। सभी निर्णय मोदी ले रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि माताएं बहनों की कोई सहायता नहीं करता। चुनाव के पहले जब 10 हजार दिए गए तो सवाल बनता है कि आखिर 20 सालों से यह सहायता क्यों नहीं मिली। प्रत्येक महिला सरकार की नियत समझती है। उन्होंने महिलाओं से अपील किया कि आप ही के पैसे आप ही को देकर कौन सा एहसान कर रहे हैं। देश की संपत्ति बड़े व्यापारियों को दे दिए गए लेकिन किसानों का ऋण माफ नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सभी कंपनी गुजरात जा रही है। सारा काम गुजरात जा रहा है। जब चुनाव

आता है यह जनता को एक दूसरे से लड़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि सभी को समझने और परखने की जरूरत है। देश के प्रति अपनी जिम्मेवारी निभाएं। महागठबंधन आपके लिए देश के लिए कार्य करना चाहता है। राहुल गांधी ने वोट चोरी के लिए यात्रा निकाली, ताकि आपको अधिकार मिले। भाजपा वाले नहीं चाहते कि सामाजिक लड़ाई लड़ी जाए। सभी जातियों को सम्मान और रोजगार मिलना चाहिए।

5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को मिलेगा रोजगार और नौकरी : नीतीश कुमार

AGENCY KATIHAR : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कटिहार सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी तारकिशोर प्रसाद के पक्ष में हसनगंज में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार ने 24 नवंबर 2005 से काम शुरू किया और 20 वर्ष में बहुत काम किया है। उन्होंने कहा कि 2005 के पहले बिहार में पढ़ाई का क्या हाल-चाल था। बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले हॉस्पिटल में इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था, सड़के बहुत कम थी, उनका बुरा हाल था। बिजली बहुत कम रहती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने कब्रिस्तान की बड़े पैमाने पर घेराबंदी की। बिहार में विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार किया गया, हर प्रकार से काम किया गया। पहले कोई मेडिकल कॉलेज ज्यादा नहीं था। पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया था। और अब एनडीए की सरकार में बिहार के 27 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। सब तरह से हर गांव में सब जगह हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2015 तक हर घर तक बिजली और शौचालय का निर्माण हो गया और 2020 में सभी योजनाओं पर काम चल रहा है। योजना पर तेजी से काम चल रहा है। 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी रोजगार दे दिया गया। 5 वर्ष में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को नौकरियों में 35% का आरक्षण दिया गया है। सब तरह से काम किया गया है। स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया और उनके नाम पर जीविका दीदी कर दिया गया। मुस्लिम समुदाय के लिए भी काफी काम किया गया है।

जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, साथ में अन्य

बिहार में नहीं चलेगा बाहरी का खेल, जनता इस बार बदलाव के मूड में : तेजस्वी यादव

AGENCY BETTIAH : बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया विधानसभा क्षेत्र के योगापट्टी स्थित बलुआ खेल मैदान में बुधवार को आयोजित महागठबंधन की विशाल जनसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। वे वीआईपी प्रत्याशी रणकौशल प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू पटेल के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील कर रहे थे। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब बिहार को छलने वाली सरकार को हटाना होगा। उन्होंने वादा किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, हर महिला के खाते में 30 हजार, बुजुर्गों को 1500 पेंशन और हर घर से एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब समझ चुकी है, गुजरात में फैक्ट्री और बिहार से सीट अब नहीं चलेगा। राज्य में परिवर्तन की लहर चल रही है, जनता बदलाव चाहती है। तेजस्वी ने भाषण के अंत में लोगों से पूछा, क्या मैं विजयश्री का माला पहनाऊं? जब भीड़ ने उत्साह में 'हां' कहा तो उन्होंने मंच पर ही गुड्डू पटेल को विजय का प्रतीक माला पहनाया। सभा में गुड्डू पटेल ने कहा कि अगर जनता उन्हें मौका देती है, तो वे दियारा क्षेत्र में कटावरोधी बांध निर्माण, भ्रष्टाचार पर अंकुश और युवाओं के लिए खेल और शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार करेंगे।

3.82 करोड़ की लागत से बने पुल के धंसने के मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित

तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश

AGENCY ARARIA : जिले के फारबिसगंज के कौआचार के कविलासा में परमान नदी पर बने पुल का पाया धंसने के बाद सियासत गर्म हो गई है।चूंकि यह पुल भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह के गांव में बना था और पिछले चुनाव से लेकर अभी तक एनडीए उपलब्धि बताते हुए इस पुल निर्माण को लेकर जमकर पोस्टर वार किया था। जिसको लेकर विपक्ष भ्रष्टाचार को लेकर मुखर हो गए हैं और भ्रष्टाचार के कारण पुल के ध्वस्त होने की बात कहकर सोशल मीडिया पर एनडीए नेताओं की जमकर घेराबंदी कर रहे हैं। इस बीच पुल के पाया के ध्वस्त होने के मामले को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से मामले की जांच की लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया है,जिसे मामले की जांच कर तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। जांच टीम में ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता, राज्य गुणवत्ता के समन्वयक, ग्रामीण कार्य विभाग के तकनीकी विशेषज्ञ, पुल सलाहकार और आईटीआई पटना के प्राध्यापक प्रोफेसर वैभव सिंघल को शामिल किया गया है। निर्माण के पांच साल के भीतर पुल के पाया के धंस जाने के मामले की जांच कर विभाग ने तीनों के भीतर रिपोर्ट सबमिट करने को कहा है। कौआचार के कविलासा में 129.02 मीटर लंबे पुल निर्माण को लेकर प्राक्कलित राशि 4 करोड़ 12 लाख रुपए तय किए गए थे। लेकिन टेंडर के दौरान निर्माण एजेंसी कोसी कंस्ट्रक्शन ने प्राक्कलन से कम रेट में जाकर 3 करोड़ 82 लाख 85 हजार रुपए में काम लिया था। पुल निर्माण में करीबन तीन साल लगा। निर्माण एजेंसी के द्वारा 31 मार्च 2021 को पुल निर्माण का कार्य पूरा किया गया था। कल निर्माण के बाद फारबिसगंज विधानसभा सिकटी विधानसभा से सीधा जुड़ गया। सिकटी, कुसाकांटा, फारबिसगंज, जोगबनी, नरपतगंज के लोगों के आवाजाही के लिए यह सड़क प्रमुख मार्ग बन गया।

दिव्यांगजन, गर्भवती व बुजुर्ग मतदाताओं के लिए चलेगा सहायता वाहन

SARAN : विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने एवं उन्हें मतदान के बाद वापस घर पहुंचाने के उद्देश्य से निःशुल्क मतदाता सहायता वाहन को जिलाधिकारी अमन समीर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि आगामी 6 नवंबर को सारण के 10 विधानसभा क्षेत्र में मतदान दिवस है। जिले के 3510 मतदान केंद्रों पर विशेष आवश्यकता वाले बुजुर्ग, दिव्यांगजन, गर्भवती महिलाएं एवं जरुरतमंद को मतदान केंद्र तक पहुंचाने और मतदान करने के पश्चात पुनः वापस घर पहुंचाने के उद्देश्य से स्वीप कोषांग द्वारा मतदाता सहायता वाहन चलाया जा रहा है।

NEWS BOX

राहुल गांधी की चुनावी सभा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

AGENCY ARARIA : कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 7 नवंबर शुक्रवार को फारबिसगंज के द्विज्देनी स्मारक उच्च विद्यालय के मैदान में कांग्रेस के प्रत्याशी मनोज विश्वास के लिए चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी चुनावी सभा के लिए पहली बार फारबिसगंज जा रहे हैं, जिसको लेकर कांग्रेस सहित महागठबंधन के कार्यकताओं में काफी उत्साह है। कांग्रेस सहित महागठबंधन के नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एड़ी चोटी एक कर दिए हुए है। फारबिसगंज द्विजदेनी स्मारक उच्च विद्यालय के मैदान में राहुल गांधी के होने वाली चुनावी सभा में सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था संधारण को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने बुधवार को जायजा लिया। फारबिसगंज एसडीएम रंजीत कुमार रंजन, एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा और थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ सभा स्थल का निरीक्षण किया और वहां मौजूद कांग्रेस के नेता नेताओं से सुरक्षा संबंधित जानकारी लेने के बाद सुरक्षा और विधि व्यवस्था संधारण को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला प्रशासन ने की सशक्त लोकतंत्र के लिए मतदान में भाग लेने की अपील

AGENCY NALANDA : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रथम चरण के तहत नालंदा जिले की सात विधानसभा सीटों पर मतदान 6 नवंबर को होगा। मतदान की प्रक्रिया सुबह 7बजे से शाम 6:00 बजे तक निर्धारित की गई है। इस चरण में नालंदा जिले के 171 अस्थावां, 172 बिहारशरीफ, 173 राजगीर (अनुसूचितजाति), 174 इस्लामपुर, 175 हिलसा, 176 नालंदा और 177 हरनौत विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने शांति पूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदाताओं से अपील की गई है कि वे मतदान दिवस पर लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग कर सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में योगदान दें।

शैलेंद्र और बुलो मंडल को भारी मतों से जिताएं : सम्राट चौधरी

AGENCY BHAGALPUR : जिले के बिहपुर विधानसभा के खरीक प्रखंड के अकीदतपुर पंचायत अंतर्गत अठगामा स्थित महर्षि मेंही उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर कुमार शैलेंद्र के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले से बिहार अभी बेहतर है। उन्होंने कहा कि बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री कर दिया गया है। आने वाले समय में इससे भी बेहतर व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि बिहपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर कुमार शैलेंद्र को और गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को भारी मतों से जीतने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहपुर विधानसभा में विकास के अनेकों काम हुए हैं। सड़क, नाला, हर घर पानी और बिजली के क्षेत्र में काफी काम हुआ है।

नवादा में बस से 240 बोतल शराब बरामद, चालक सहित तीन गिरफ्तार

AGENCY NAVADA : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर प्रशासन सख्त है और झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जा रही है। बुधवार को रांची से पटना जाने वाली अमर ज्योति बस से उत्पाद बलों ने 240 बोतल शराब बरामद की। साथ ही बस को जब्त करते हुए, बस के चालक, कंडक्टर और खलासी को गिरफ्तार किया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है,जिसका नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं।पटना जाने वाली अमर ज्योति बस संख्या बीआर 6पीई 2551 की जांच की

गई। जांच के क्रम में लंबे-लंबे 12 प्लास्टिक के बेलनाकार उपकरणों में रखे 180 एमएल वाले 8पीएम के 240 बोतल शराब बरामद किया गया। बस के चालक पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र निवासी राम संजीवन सिंह के पुत्र रविभूषण सिंह, कंडक्टर मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र निवासी स्व. हरिनंदन ठाकुर के पुत्र चंदन कुमार एवं खलासी मधुबनी जिले के बासोपट्टी थाना क्षेत्र निवासी मधेश्वर यादव के पुत्र शंकर कुमार यादव ने बताया कि वे हजारीबाग में लोड हुआ था, जिसे बख्तियारपुर उतारना था।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया पवित्र स्नान

AGENCY PATNA : सारण जिले के सोनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। गंगा और गंडक नदी के संगम तट पर श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन संगम में स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। रात से ही घाटों पर श्रद्धालुओं जमे रहे। महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग आस्था के साथ स्नान कर भगवान की आराधना की। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। एनडीआरएफ, गोताखोर दल और पुलिस बल को घाटों पर तैनात किया गया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। सोनपुर मेला क्षेत्र में भी इस अवसर पर विशेष चहल-पहल रही। स्थानीय दुकानों और अस्थायी बाजारों में खरीदारी करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के साथ ही पारंपरिक रूप से सोनपुर मेला अपने चरम पर पहुंच गया है। जिलाधिकारी अमन समीर तथा वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ० कुमार आशीष द्वारा संयुक्त रूप से सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत बाबा हरिहरनाथ मंदिर तथा काली घाट का स्थलीय निरीक्षण कर विधि व्यवस्था संधारण का जायजा लिया गया। साथ ही सभी क्षेत्रांतर्गत सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरे तथा हरिहरनाथ मंदिर में लगे सभी कैमरों के मॉनिटर के माध्यम से हर पल पर रखी जा रही निगरानी का निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया।

बजरंग दल ने फारबिसगंज के ग्रामीण इलाकों में चलाया जागरूकता अभियान

ARARIA : फारबिसगंज विधानसभा के ग्रामीण इलाकों में बुधवार को बजरंग दल के कार्यकताओं ने मतदान जागरूकता अभियान चलाया।प्रखंड के रमई, खास हलहलिया,रेणुगेट सहित कई क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने मतदाताओं को जागरुक करते हुए कहा 11 नवंबर को अपने सभी कामकाज को छोड़कर शांति व्यवस्था में पहले वोटिंग करें। बिहार के उज्जवल भविष्य और मजबूती समुचित विकास और नया बिहार की संकल्प के साथ मतदान में भाग लें। श्री सोनी ने कहा हरेक मत बिहार की भविष्य तय करती है।

विधानसभा चुनाव

मिथिलांचल बना रणनीति का केंद्र, हिंदुत्व और विकास पर दाव लगा रहा सत्ता पक्ष

भाजपा-जदयू ने चला इमोशनल कार्ड, महिलाओं पर फोकस

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव के बीच महिला मतदाता इस बार सत्ता की कुंजी बन गई हैं। एनडीए ने जहां महिला सशक्तीकरण और आस्था दोनों को केंद्र में रखकर अपनी चुनावी रणनीति तैयार की है, वहीं माता सीता मंदिर निर्माण का वादा भाजपा-जदयू गठबंधन का सबसे बड़ा 'इमोशनल कार्ड' बनकर उभरा है। मिथिलांचल में सीतामढ़ी के पुनौराधाम को हिंदुत्व और विकास दोनों के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है। महिला मतदाता शारदा देवी कहती हैं कि एनडीए सरकार महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा व स्वावलंबन की गारंटी है। साथ ही

इस बार सीता मईया का भव्य मंदिर भी बनेगा। उनका मानना है कि सैकड़ों वर्षों से उपेक्षित माता सीता के सम्मान का बीड़ा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उठाया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही एनडीए की सरकार बनेगी, पुनौराधाम में सीता मईया का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। बीते 8 अगस्त को सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम स्थित माता सीता की जन्मस्थली पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इस आयोजन ने न केवल मिथिलांचल को धार्मिक दृष्टि से नई पहचान दी, बल्कि इसे हिंदुत्व की राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया। राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा-जदयू गठबंधन का रणनीतिक 'मास्टरस्ट्रोक' मानते हैं। अहमदाबाद में आयोजित 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' में अमित शाह ने घोषणा की थी कि सीतामढ़ी में माता सीता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहरसा की चुनावी रैली में कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब पुनौराधाम में मां जानकी का भव्य मंदिर बनकर तैयार होगा।

विपक्ष भी इस धार्मिक विमर्श को भुनाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार बीजेपी पर 'राम की पूजा कर सीता को छोड़ देने' का आरोप लगाते रहे हैं। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' तथा जानकी मंदिर में दर्शन को विपक्ष का सॉफ्ट हिंदुत्व कार्ड माना जा रहा है, जो भाजपा के प्रभाव को संतुलित करने की रणनीति है।

भागलपुर और एसएमवीबी बेंगलुरु के लिए विशेष ट्रेनें कल

AGENCY BHAGALPUR : यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पूर्व रेलवे ने भागलपुर से लोकमान्य तिलक और एसएमवीबी बेंगलुरु के लिए अनारक्षित एकतरफा विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। 03401 भागलपुर-लोकमान्य तिलक एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 07 नवंबर को भागलपुर से सुबह 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:20 बजे लोकमान्य तिलक पहुँचेगी। यह ट्रेन रास्ते में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में सुल्तानगंज, बरियारपुर, जमालपुर, अभयपुर और कजरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी की व्यवस्था होगी। 03403 भागलपुर-एसएमवीबी बेंगलुरु एकतरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 07 नवंबर को भागलपुर से 22:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 22:30 बजे एसएमवीबी बेंगलुरु पहुँचेगी। यह ट्रेन रास्ते में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार में सुल्तानगंज, जमालपुर, धरहरा और अभयपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी की व्यवस्था होगी।

मानव जीवन से खिलवाड़ की आदत

किसी भी निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी आम तौर पर नियमों का उल्लंघन ही होती है। जब ऐसा लगातार होता रहता है, तो व्यवस्था अव्यवस्था का रूप ले लेती है और इसके घातक नतीजे सामने आते हैं। बीते दिनों एक ऐसा ही नतीजा झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में चाईबासा के सदर अस्पताल में आया। यहां थैलेसीमिया पीड़ित पांच बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। इस मामले का पता तब चला, जब एचआईवी से संक्रमित हो गए एक बच्चे के माता-पिता ने ब्लड बैंक की लापरवाही की शिकायत की। इस शिकायत के बाद थैलेसीमिया पीड़ित अन्य बच्चों की जांच की गई तो चार और बच्चे ऐसे ही मिले। कायदे से पहला मामला सामने आते ही स्थानीय प्रशासन और शासन के कान खड़े हो जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सबसे पहले इस मामले का संज्ञान झारखंड हाईकोर्ट ने लिया। इसके बाद राज्य सरकार भी अपने स्तर पर कुछ करने के लिए मजबूर हुई। उसने एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर दी। फिलहाल यह समिति थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की जांच कर रही है। बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने की घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पश्चिमी सिंहभूम के सिविल सर्जन समेत अन्य अधिकारियों को निलंबित करने और सभी ब्लड बैंकों का ऑडिट करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त पीड़ित बच्चों के स्वजनों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की भी घोषणा की। उनकी ओर से यह भी कहा गया कि इन बच्चों का उपचार सरकारी खर्च पर कराया जाएगा। इसके बाद भी उन अभिभावकों की पीड़ा का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है, जिनके बच्चे थैलेसीमिया के बाद एचआईवी से भी ग्रस्त हो गए। इतनी बड़ी त्रासदी और फिर भी मुआवजा महज दो लाख रुपये। फिलहाल इस पर कुछ कहना कठिन है कि पांच बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने के मामले की जांच-पड़ताल में क्या निकलकर सामने आएगा और दोषी लोगों को कोई कठोर दंड दिया जा सकेगा या नहीं। चूंकि प्रारंभिक जांच में ही यह सामने आ गया कि ब्लड बैंक में कई स्तरों पर अव्यवस्था थी, इसलिए यह तो निष्कर्ष निकलना ही है कि वहां आए रक्त के रख-रखाव और उपयोग की जो भी प्रक्रिया तय थी, उसका उल्लंघन हो रहा था। इसमें संदेह है कि इस आघातकारी और शर्मनाक घटना के दोषी लोगों को वास्तव में कठोर दंड का भागीदार बनाया जा सकेगा। इसके आसार इसके बाद भी नहीं कि इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला कायम हो गया है और विपक्ष की ओर से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का त्यागपत्र मांगा जा रहा है। इसके प्रति सुनिश्चित हुआ जा सकता है कि कोई त्यागपत्र देने वाला नहीं है। अपने यहां बड़ी से बड़ी घटना घट जाती है, लेकिन जिम्मेदार लोग अपने पद का त्याग करना आवश्यक नहीं समझते। ऐसा तब भी नहीं होता, जब नियमों-मानकों की अनदेखी के चलते दर्जनों लोग मारे जाते हैं। यदि कुछ होता है तो यह कि कुछ लोगों को निलंबित कर दिया जाता है और जनहानि की स्थिति में मुआवजे की घोषणा के साथ ही नेताओं की ओर से अफसोस जता दिया जाता है। धीरे-धीरे लोग गंभीर से गंभीर मामले को भूल जाते हैं और फिर किसी को इसकी फिक्र नहीं रहती कि दोषी लोगों को सजा मिल जा सकी या नहीं। इस मामले में भी ऐसा ही हो और कुछ समय बाद निलंबित लोग बहाल हो जाएं तो कोई अनोखी बात नहीं होगी। अपने देश की समस्या ही यह है कि बड़ी से बड़ी घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को कभी भी ऐसी कोई सजा नहीं दी जाती, जो नजीर बन सके। इसके चलते वैसी घटनाएं रह-रहकर होती रहती हैं, जैसी पहले हो चुकी होती हैं। यह पहली बार नहीं है, जब देश में किसी को एचआइवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया हो। इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं और आश्चर्य नहीं कि आगे भी देखने को मिलें। इसकी आशंका देश के विभिन्न हिस्सों से ब्लड बैंक की व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश देने संबंधी खबरों के बाद भी है। इसे और अच्छी तरह इससे समझा जा सकता है कि पिछले दिनों मध्य प्रदेश और राजस्थान में विषाक्त कफ सीरप से करीब 25 बच्चों की मौत। जानलेवा कफ सीरप से बच्चों की मौत की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। तब भी वे सुर्खियां बनी थीं और हर स्तर पर जांच और कठोर कार्रवाई करने के आश्वासन भी दिए गए थे। यदि ये आश्वासन सचमुच ठोस होते तो विषाक्त कफ सीरप से 25 और बच्चे नहीं मरते। इतनी अधिक मौतों के बाद यह कहा जा रहा है कि दवाओं की गुणवत्ता के परीक्षण की प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन किया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित कानून में संशोधन की भी बात हो रही है। इससे बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि कानूनों में संशोधन कर उन्हें कठोर करना समस्या के समाधान की गारंटी नहीं। इसलिए नहीं, क्योंकि करीब-करीब हर क्षेत्र में निर्धारित प्रक्रिया, तय नियमों और मानकों की अनदेखी ने एक अलिखित नियम का रूप ले लिया है। इसी कारण अपने देश में हादसे होते रहते हैं और लोगों की जान के लिए जोखिम पैदा होता रहता है। अकाल मौतों को आम तौर पर विधि का विधान या नियति का खेल मान लिया जाता है, लेकिन वे मानव जीवन से खिलवाड़ का नतीजा ही होती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरोध की सेकुलर ग्रंथि

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

संघ को अब प्रतिबंधित सूची से हटा दिया गया था। केंद्र और राज्य के कर्मचारियों के सेवा नियम अलग-अलग हैं। कर्नाटक के कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में हिस्सा लेने से रोका गया है। संघ की गतिविधियों को रोकने की यह कोशिश उचित नहीं है। ऐसा प्रयास संविधान विरोधी भी है। नौ जुलाई 2024 के बाद संघ के कार्यक्रम में भाग लेने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं होनी चाहिए। संघ की गतिविधियों को लेकर हिंदुत्व के विरोधी स्वाधीनता आंदोलन के समय से ही सक्रिय हैं। ऐसे तत्व सेकुलरवाद के नाम पर हिंदू संस्कृति और परंपरा पर हमलावर रहते हैं। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने भी सेकुलरिज्म के नाम पर संघ के पथ संचरण कार्यक्रम पर रोक लगाई थी। स्टालिन सरकार ने संघ के कार्यक्रम को रोकने के लिए रास्ते में मस्जिद और चर्च होने के सामान्य अमान्य तर्क दिए और कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार किया, तब मद्रास उच्च न्यायालय ने उनके इस कृत्य पर कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था, संघ को अनुमति देने से मना करने का निर्णय संविधान के विरुद्ध है और लोकतंत्र के भी असंगत है। सरकार का निर्णय मौलिक अधिकारों के भी विरुद्ध है। उसके भी एक साल पहले स्टालिन सरकार ने ऐसा ही किया था। संघ ने गांधी जयंती और आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन की अनुमति मांगी थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फिर से निशाने पर है। कर्नाटक सरकार ने पंचायती राज विभाग के कर्मचारी को संघ के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के कारण निलंबित कर दिया है। कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ मंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे ने भी कहा है कि केंद्रीय सत्ता में आने पर वे संघ को प्रतिबंधित कर देंगे। दरअसल केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू सेंट्रल सिविल सर्विसेज कंडक्ट 1964 के अंतर्गत कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रमों में भाग लेने पर प्रतिबंध था। इस आदेश को नौ जुलाई, 2024 को केंद्र द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन में संशोधित किया गया। निषिद्धता में बदलाव हुआ। संघ को अब प्रतिबंधित सूची से हटा दिया गया था। केंद्र और राज्य के कर्मचारियों के सेवा नियम अलग-अलग हैं। कर्नाटक के कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में हिस्सा लेने से रोका गया है। संघ की गतिविधियों को रोकने की यह कोशिश उचित नहीं है। ऐसा प्रयास संविधान विरोधी भी है। नौ जुलाई 2024 के बाद संघ के कार्यक्रम में भाग लेने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं होनी चाहिए। संघ की गतिविधियों को लेकर हिंदुत्व के विरोधी स्वाधीनता आंदोलन के समय से ही सक्रिय हैं। ऐसे तत्व सेकुलरवाद के नाम पर हिंदू संस्कृति और परंपरा पर हमलावर रहते हैं। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने भी सेकुलरिज्म के नाम पर संघ के पथ संचरण कार्यक्रम पर रोक लगाई थी। स्टालिन सरकार ने संघ के कार्यक्रम को रोकने के लिए रास्ते में मस्जिद और चर्च होने के सामान्य अमान्य तर्क दिए और कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार किया, तब मद्रास उच्च न्यायालय ने उनके इस कृत्य पर कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था, संघ को अनुमति देने से मना करने का निर्णय संविधान के विरुद्ध है और लोकतंत्र के भी असंगत है। सरकार का निर्णय मौलिक अधिकारों के भी विरुद्ध है। उसके भी एक साल पहले स्टालिन सरकार ने ऐसा ही किया था। संघ ने गांधी जयंती और आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन की अनुमति मांगी थी। राष्ट्रवाद के विरोधी मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसकी भी अनुमति नहीं दी थी। संघ ने तब भी न्यायालय की शरण ली थी। खास बात यह है कि स्टालिन ने सनातन परंपरा को भी मलेरिया, डेंगू, कोरोना आदि बताया था। संघ 100 साल का हो चुका है। इस अवधि में संघ ने सारी दुनिया में विशेष प्रतिष्ठा हासिल की है। संघ का मूल आधार हिंदुत्व है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने हिंदुत्व को भारत की जीवन पद्धति बताया था। हिंदुत्व किसी रिलीजन या उपासना पद्धति का नाम नहीं है। भारत में सुदीर्घ काल से चली आ रही संस्कृति और उस पर आधारित जीवन पद्धति का नाम है हिंदुत्व। संघ इसी विचारधारा को लेकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा हुआ है। संघ ने पूरे देश में हिंदुत्व का वातावरण बनाने में सफलता पाई है। यह बात छद्म सेकुलरवादियों को खलती है। सेकुलर भारतीय विचार नहीं है। यह विचार यूरोप से आया था। सेकुलर शब्द का अर्थ इहलोकवादी, प्रत्यक्ष, भौतिक और सांसारिक होता है। इसका अर्थ है इस संसार में जो कुछ भी भौतिक दिखाई पड़ रहा है, वही सही है। इस विचार के अनुसार हिंदू आस्था गैर सेकुलर हैं। ईश्वर प्रत्यक्ष नहीं होता। सेकुलरवाद की परिभाषा में ईश्वर भी सेकुलर नहीं है। संघ दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है। संघ भी सेकुलरवाद के चश्मे में सांप्रदायिक है, लेकिन घोर सांप्रदायिक कट्टरपंथी मुस्लिम लीग, एआईएमआईएम सेकुलर हैं। ईसाइयत और इस्लामी विश्वास भी सेकुलर हैं। कायदे से दोनों विश्वासों में ईश्वर हैं और जहां ईश्वर है विश्वास है, वे सेकुलरवादी नहीं हो सकते। लेकिन छद्म सेकुलरवाद में इस्लामी ईसाई विश्वास सेकुलर हैं। यहां सभी सांस्कृतिक प्रतीक सांप्रदायिक हैं। सरस्वती वंदना भी सांप्रदायिक है। इस्लामी परंपरा के रोजा आदि कार्यक्रमों में राजनेताओं का सम्मिलित होना सेकुलर है। श्रीराम जन्मभूमि सहित सभी आस्था केंद्रों में जाना गैर सेकुलर है और सांप्रदायिकता है। इन्हीं सेकुलरवादियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित योग को भी सांप्रदायिक बताया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देशभक्ति संस्कृति प्रियता और काम करने की सामान्य पद्धति बहुत लोकप्रिय है। उसके कार्यकर्ता देश और विचार के लिए अपना करियर छोड़ देते हैं। मातृभूमि के लिए किसी भी सीमा तक जाने की भावना रखते हैं। कांग्रेस को संघ अच्छा नहीं लगता। इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए संघ का घोर विरोध किया था। उन्होंने 1975 के आपातकाल के साथ संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था। संघ के हजारों कार्यकर्ताओं को लंबी अवधि तक जेल में डाल दिया था। जो जेल नहीं जा सके, उनका भी व्यापक उत्पीड़न हुआ था। कांग्रेस संघ विरोधी है। वह तुष्टीकरण की नीति पर चलती है। हिंदू विचार की निंदा से थोक वोट बैंक लेने की नीति पर चलती है। कांग्रेस के नेता और लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कई बार संघ की आलोचना की है। नेता प्रतिपक्ष होने के पहले उन्होंने संघ से लड़ने की घोषणा की थी। वैचारिक आधार पर संघर्ष करना अच्छी बात है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा था कि वह गीता और उपनिषद पढ़कर संघ से निपटेंगे। मैंने उनके इस बयान का स्वागत किया था। गीता, उपनिषद भारतीय संस्कृति और दर्शन के अद्भुत ग्रंथ हैं। ये ग्रंथ संपूर्ण ब्रह्मांड को एक इकाई मानते हैं। सारी दुनिया को परिवार जानने की अनुभूति देते हैं। अफसोस कि राहुल ने अपना यह वादा पूरा नहीं किया। संघ अपने 100 वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में गहन जनसंपर्क अभियान चला रहा है। राष्ट्रीय संकट के प्रत्येक अवसर पर संघ ने सरकार का साथ दिया है। संघ की गतिविधियां भारतीय संविधान के संगत हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में संगठन बनाने और देश की सेवा करने का अधिकार है। संविधान में कहा गया है कि सभी नागरिकों को वाक् स्वातंत्र्य और विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी। शांतिपूर्वक और निरायुध सम्मेलन का भी अधिकार होगा। यह मौलिक अधिकार है। राज्य कर्मचारी भी भारत के संविधान के अनुसार किसी संगठन की गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए स्वतंत्र हैं। कर्मचारी भी भारत के नागरिक हैं। उनके संवैधानिक अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। मुंबई उच्च न्यायालय ने 1962 में कहा था कि किसी सरकारी कर्मचारी का संघ की गतिविधियों में भाग लेना विध्वंसक कार्य नहीं है। उसे इसी आधार पर सरकारी सेवा से नहीं हटाया जा सकता। संघ के निंदक संविधान नहीं मानते। वे कोर्ट के आदेशों का सम्मान नहीं करते। बेंगलुरु उच्च न्यायालय ने संघ का सदस्य होने के आधार पर न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से वंचित रखने को वैध कारण नहीं माना। पटना, चंडीगढ़, भोपाल आदि न्यायालय के तमाम निर्णयों में संघ का सदस्य होना आपत्तिजनक नहीं पाया गया। अच्छा हो कि सरकारें भारत की राष्ट्रवादी विचारधारा का आदर करें और संघ को राष्ट्र निर्माण का कार्य करने दें।

पुरस्कारों के पीछे की प्रेरणा

इस साल नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की काफी चर्चा रही। यह बात अलग है कि यह चर्चा किसी और ने नहीं, बल्कि स्वयं ट्रंप ही छेड़ते रहे। पुरस्कार पाने के लिए ट्रंप ने शेखी बघारने से भी संकोच नहीं किया। वे रह-रहकर दावे करते रहे कि उन्होंने कितने युद्ध रुकवा दिए और वही इस सम्मान के सबसे बड़े सुपात्र हैं। ऐसा दुर्लभ ही देखने को मिलता है कि किसी पुरस्कार के लिए किसी बड़े देश का नेता सार्वजनिक रूप से ऐसी बयानबाजी करे। नोबेल कमेटी पर अमेरिकी दबदबे को देखते हुए यह लगा भी कि ट्रंप यह पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हो जाएंगे, लेकिन अंततः ऐसा नहीं हुआ और वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो को यह पुरस्कार मिला। स्वाभाविक है कि इस घटनाक्रम से ट्रंप खेमा बुरी तरह तमतमाया। राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से आधिकारिक टिप्पणियां करने वाले व्हाइट हाउस में संचार निदेशक स्टीवन चुंग ने कहा, नोबेल कमेटी ने सिद्ध कर दिया कि उसके लिए शांति के मुकाबले राजनीति ज्यादा महत्वपूर्ण है। मानो इतना ही पर्याप्त नहीं था। ट्रंप द्वारा वेनेजुएला में नियुक्त अमेरिकी राजदूत ने तो अपने गुस्से और हताशा को व्यक्त करते यह घोषणा तक कर डाली कि नोबेल पुरस्कार को मरे हुए तो कई साल हो चुके हैं। इस मामले में दिलचस्प पहलू यही है कि मचाडो पिछले कई वर्षों से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ विरोध का झंडा बुलंद किए हुए हैं। मादुरो के शासन को नेस्तनाबूद करने की घोषणा खुद ट्रंप ने की हुई है। मचाडो वेनेजुएला में विपक्ष की सबसे प्रमुख नेता हैं। मादुरो ने न केवल उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है, बल्कि उन्हें देश से निकाल भी दिया है। मचाडो इन दिनों मादुरो से छिपते-छिपाते ही उनके खिलाफ अपना अभियान चला रही हैं। यह मात्र संयोग नहीं था कि जिस समय नोबेल कमेटी ने शांति पुरस्कार की घोषणा की, लगभग उसी समय राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर उनकी नौसेना के बेड़े और वायुसेना वेनेजुएला पर किसी भी क्षण हमले के लिए उसकी सीमा तक पहुंच चुके थे। इस पूरे प्रकरण में ट्रंप के लिए तसल्ली की केवल यही बात हुई कि मचाडो ने नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद उसे ट्रंप को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपना यह पुरस्कार वेनेजुएला की सताई हुई जनता और हमारे इस संघर्ष को निर्णायक समर्थन देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को समर्पित करती हूं। उनकी इस घोषणा ने यकीनन राष्ट्रपति ट्रंप के गुस्से और अहं दोनों को संतुष्ट करने का काम किया। मचाडो के इस वक्तव्य के बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को बताया कि पुरस्कार पाने के बाद मचाडो ने मुझे फोन करके कहा कि मैंने यह पुरस्कार आपके सम्मान में स्वीकार किया है, क्योंकि आप ही इसके वास्तविक हकदार हैं। ट्रंप ने कहा, मैं उनकी (मचाडो) की लगातार सहायता करता आया हूं। उन्हें वेनेजुएला को वहां चल रहे विनाश से बचाने के लिए ऐसी सहायता की बहुत जरूरत है। मुझे खुशी है कि लाखों जिंदगियों को बचाने में मैंने उनकी मदद की है। ट्रंप भले ही उतावलेपन में अमेरिका के बजाय अपनी निजी आकांक्षाओं को महत्व दे रहे हों, लेकिन नोबेल कमेटी की नकेल को घुमाने वाली अमेरिकी डीप स्टेट ताकतों ने नोबेल शांति पुरस्कार को अपने एजेंडे के हथियार की तरह इस्तेमाल करने के लक्ष्य को अपनी आंखों से ओझल नहीं होने दिया। मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित करके उसने निकोलस मादुरो की सरकार को पलटने वाले उस हथियार को नई ताकत दे दी है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के नौसैनिक बेड़े और बी-2 बमवर्षकों के स्क्वाड्रनों से कहीं ज्यादा ताकत रखता है। वाशिंगटन की आंखों में खटकने वाली दुनिया की तमाम सरकारों के खिलाफ आंदोलनों को हवा देने और येन-केन-प्रकारेण उन सरकारों को पलटने का अभियान चलाने के लिए कुख्यात अमेरिकी डीप स्टेट को वेनेजुएला में अमेरिकी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नोबेल कमेटी ने ठीक वैसा ही हथियार दे दिया है, जैसा उसने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के लिए मोहम्मद यूनुस जैसे कठपुतली नेता के रूप में दिया था। अगर नोबेल शांति पुरस्कार को सौदेबाजी समझा जाए तो यही देखने वाली बात होगी कि मादुरो को सत्ता से बेदखल करने के अमेरिकी प्रयासों में मचाडो किस हद तक अमेरिकी मोहरा बनेंगी। दुर्भाग्य से केवल नोबेल कमेटी ही एक ऐसा संगठन नहीं है, जिस पर अमेरिका की आसुरी शक्ति डीप स्टेट ने कब्जा जमाया हुआ है। पिछले कई दशकों से डीप स्टेट ने अपने अकूत धनबल और खुफिया एजेंसियों के बूते दुनिया भर में ऐसे कई संगठन खड़े कर लिए हैं या पहले से काम कर रहे ऐसे अधिकांश संगठनों पर अपना नियंत्रण जमा लिया है, जो अपने काम से दुनिया में अपना एक विशेष स्थान बना चुके थे। इनमें रेमन मैग्सेसे अवार्ड, एमनेस्टी इंटरनेशनल, फ्रीडम हाउस और ह्यूमन राइट्स वाच जैसे दर्जनों संगठन और बीबीसी, वाशिंगटन पोस्ट, द गार्डियन और सीएनएन जैसे समाचार माध्यम भी शामिल हैं। इन पर अमेरिकी डीप स्टेट का शिकंजा पूरी तरह कसा हुआ है। इन संगठनों और प्रचार माध्यमों का इस्तेमाल निशाने पर रहने वाली सरकारों के विरोधियों को बड़े-बड़े पुरस्कार, वजीफे और प्रचार देकर उनके देशों में उनके प्रभाव को बढ़ाना और वक्त आने पर वहां सत्ता परिवर्तन के लिए उन्हें औजार की तरह इस्तेमाल करना है। ऐसे में कोई हैरानी नहीं कि वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में स्थिरता एवं स्थायित्वपूर्ण स्थिति वाले भारत के लिए पश्चिम के कुछ संस्थान रह-रहकर कोई न कोई उकसावे वाली बात कहते रहते हैं। कुछ मीडिया संस्थानों को तो इसी बात से कोफ्त हो रही है कि दुनिया भर में असंतोष और आक्रोश जता रही नई पीढ़ी के तेवर भारत में क्यों शांत बने हुए हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

देश के अपने सभी परिवारजनों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की कोटि-कोटि शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जुड़ा यह दिव्य अवसर हर किसी के लिए सुख, शांति, आरोग्य और सौभाग्य लेकर आए। पावन स्नान, दान-पुण्य, आरती और पूजन से जुड़ी हमारी यह पवित्र परंपरा सबके जीवन को प्रकाशित करे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। श्री गुरु नानक देव जी ने अपनी शिक्षा से प्रेम, करुणा, समानता और मानवता का संदेश तथा समाज में भाईचारे, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी थी। आइए, इस पावन अवसर पर हम श्री गुरु नानक देव जी के दिखाए मार्ग पर चलकर राज्य को शांति, सौहार्द और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करें।

(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सोरेन जी ने हाजी हुसैन अंसारी के निधन के बाद उनके बेटे हाफिजुल हसन अंसारी को मंत्री बनाया था, लेकिन रामदास सोरेन जी के निधन के बाद उनके बेटे को मंत्री नहीं बनाया क्योंकि रामदास सोरेन आदिवासी थे। हेमंत सोरेन खुद को सबसे बड़ा आदिवासी समझते हैं, और बाकी आदिवासियों को हीन समझते हैं। घाटशिला की जनता हेमंत सोरेन के इसी अहंकार को तोड़ेगी और एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को विजयी बनाएगी।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब मजहब राष्ट्र से बड़ा दिखाई देने लगे

लोकतंत्र में विचारों की स्वतंत्रता नागरिकों का अधिकार है, किंतु यह अधिकार तब चिंता का विषय बन जाता है, जब उसका प्रयोग राष्ट्रनायकों के अपमान या आतंक के महिमामंडन में बदल जाए। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में जो कहा, उसने यही चिंता फिर से सामने ला दी है। मसूद ने कहा कि हमास अपनी जमीन के लिए लड़ रहा है, जैसे भगत सिंह लड़े थे। पहली नजर में यह तुलना इतिहास और नैतिकता के साथ गंभीर खिलवाड़ है। भगत सिंह की लड़ाई किसी समुदाय के लिए नहीं थी, वह पूरे भारतवर्ष की स्वतंत्रता के लिए थी। वे एक विचार का प्रतिनिधित्व करते थे- राष्ट्रनिर्माण का विचार, जिसमें मानवता सर्वोपरि थी। उन्होंने साम्प्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता का हमेशा विरोध किया। भगत सिंह ने अपने लेख सांप्रदायिक दंगे और उनका इलाज में लिखा था कि धर्म का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए नहीं होना चाहिए। उनका विश्वास इस बात पर था कि देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब इंसान को इंसान के रूप में देखा जाए, न कि मजहब की दृष्टि से। दूसरी तरफ, हमास एक ऐसा संगठन है, जिसे दुनिया के अधिकतर राष्ट्र, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत भी शामिल हैं, एक आतंकी संगठन के रूप में जानते हैं। सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से ज्यादा निर्दोष नागरिक बंधक बनाए गए। जवाब में इजरायल ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई की, जिसके कारण तब से अब तक अनेकों फिलिस्तीनियों की मौत और डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबरें हैं। ये सब हुआ तो हमास के कारण ही है। यह संघर्ष मानवीय त्रासदी में बदल चुका है, लेकिन इस सच्चाई को भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी आंदोलन से जोड़ना इतिहास का सरलीकरण और राष्ट्रीय भावना की अवमानना है। कहना होगा कि इमरान मसूद का बयान व्यक्तिगत राय नहीं लगती है; यह उस राजनीतिक सोच का हिस्सा लगता है, जो हर मुद्दे को मजहबी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति रखती है। जब कोई जनप्रतिनिधि हमास का दर्द महसूस करता है, लेकिन उन भारतीयों से असहमति रखता है, जो उसे आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाते हैं, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उसके लिए राष्ट्र प्रथम है या बिरादरी। यह पहली दफा नहीं है। कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा पहले भी सावरकर, पटेल और चंद्रशेखर आजाद जैसे नायकों को लेकर विवादित बयान दिए जा चुके हैं। आज के भारत में यह विमर्श इसलिए और महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब एक सांसद अपने शब्दों से इतिहास की गलत तुलना करता है, तो उसका असर सिर्फ राजनीतिक नहीं, वैचारिक भी होता है। यह युवा पीढ़ी के मन में भ्रम पैदा कर सकता है कि क्या हर संघर्ष आतंक बन सकता है या क्या आतंक भी स्वतंत्रता संग्राम की तरह किसी नैतिक औचित्य का पात्र हो सकता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि भगत सिंह की क्रांति तर्क, अध्ययन और विचारशीलता पर आधारित थी। उन्होंने खूब पढ़ा और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपनी वैचारिक लड़ाई को बौद्धिक आधार दिया, जबकि हमास की हिंसा इस्लाम की मजहबी कट्टरता, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर खड़ी है। इन दोनों के बीच तुलना करना वैसा ही है जैसे मशाल की लौ को बारूद की आग कहना। दोनों चमकते हैं, पर एक जीवन देता है और दूसरा नाश। संसद की शपथ लेते समय प्रत्येक सदस्य भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा का वचन देता है। जब कोई जनप्रतिनिधि ऐसी तुलना करता है, तो उस शपथ की भावना के विपरीत जाती है। एक सांसद के रूप में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को इतना तो पता ही होना चाहिए। हमारे समय में जब नफरत और प्रचार राजनीति का उपकरण बन चुके हैं, तब ऐसे बयान हमें याद दिलाते हैं कि राष्ट्र और धर्म के बीच सही संतुलन बनाए रखना ही सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है।

नया अध्याय

कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) का यह एलान कि वह अपने सभी लड़ाकों को तुर्किए से वापस उत्तरी इराक ले जाएगी, कुर्द उग्रवादियों और तुर्की राष्ट्र के बीच शांति प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब पीकेके के कैद नेता अब्दुल्ला ओकलान ने फरवरी में इस समूह से हथियार छोड़ने और खुद को विघटित करने का आह्वान किया, तो कई लोगों को इस बात का संदेह था कि यह संगठन उनकी अपील का सम्मान करेगा या नहीं। यह संगठन दशकों से उग्रवाद चला रहा है। लेकिन मार्च में, इसकी कार्यकारी समिति ने एलान किया कि जब तक हमला न हो, हमारी सेना कोई भी सशस्त्र कार्रवाई नहीं करेगी। बीते 12 मई को इस समूह ने अपने पूर्ण विघटन का एलान किया और कहा कि उसकी मांगें लोकतांत्रिक राजनीति के जरिए पूरी की जा सकती हैं। इसके लड़ाकों ने तो प्रतीकात्मक हथियार विनाश समारोह भी आयोजित किया। पिछले कुछ सालों में इस समूह की मांगें बदलती रही हैं। कुर्दों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र की शुरूआती मांग को बाद में कुर्द क्षेत्र के लिए ज्यादा अधिकारों और सीमित स्वायत्तता की मांग तक सीमित कर दिया गया। लेकिन, दशकों से चली आ रही हिंसा, जिसमें लगभग 50 हजार लोगों की जान गई, ने पीकेके की उग्रवाद की भूख को कम कर दिया है। ओकलान फरवरी 1999 में पकड़े जाने के बाद से जेल में हैं, जबकि इस समूह के अधिकतर वरिष्ठ कमांडर उत्तरी इराक से सक्रिय हैं, जहां तुर्किए द्वारा समय-समय पर बमबारी की जाती है। पीकेके से जुड़े राजनीतिक समूहों को तुर्किए के अंदर लगातार दमन का सामना करना पड़ा है। तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन ने पीकेके के हथियार छोड़ने के फैसले को एक अपरिवर्तनीय मोड़ कहा है। उन्होंने आगे का रास्ता तय करने के लिए एक 51 सदस्यीय अंतरदलीय संसदीय आयोग भी नियुक्त किया है। लेकिन, विद्रोही तेज और ठोस विधायी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जिससे उन्हें लोकतांत्रिक राजनीति में शामिल होने का मौका मिल सके।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

New Sri Lankan govt's report card: Two ticks and a heavy cross

Sri Lankans went to polls on November 14, 2024 with the clear intent of ending the traditional two-party rule and electing an administration that would fight corruption and prosecute the corrupt. The National People's Power (NPP), in their opposition days, did make it sound easy to bring the "stolen money back"; but the reality of a year in office showed it is harder to do. Still, for all that isn't achieved yet, the NPP administration has demonstrated a better political will to fight corruption than the earlier administrations.So, a year on, the disenchantment with incumbency that has set in has more to do with the government's failure to provide economic relief, cut crippling taxes, and lower the unbearable cost of living than its fight against corruption. Before coming to office, the NPP had pledged to renegotiate with the International Monetary Fund, set up a new national development bank, and improve governance structures in a clear departure from the past.However, this government has continued with the IMF process adopted by former President Ranil Wickremesinghe and has used provisions of the Anti-Corruption Act 2023 and the amended National Audit Act—two important measures taken by the former administration. The 2023 anti-graft law effectively expanded the mandate of the Commission to Investigate Allegations of Bribery or Corruption, including in detection and prosecution, in probing the private sector, in seeking and facilitating international cooperation against corruption, and in making asset and liability declarations mandatory for public officials.Another significant development was the enactment of the Regulation of Election Expenditure Act No 3 of 2023—a longstanding demand of civil society—that at long last allows regulation of election spending by parties and candidates. It was followed this year by the much-awaited Proceeds of Crime Act No 5 of 2025, which enables recovery of proceeds through freezing, forfeiture, and disposal. Both these are milestones in tackling graft. To make the bulwark stronger, the Companies (Amendment) Act No 12 of 2025 mandates the disclosure of beneficial owners, another vital step contributing to a stronger legal framework to combat systemic corruption.

In effect, the anti-corruption legal framework that Sri Lanka has been developing for some time was finalised by the NPP administration this year. However, an important unfulfilled promise is the setting up of a public prosecutor's office to enable impartial prosecution.

The government has also made several arrests within a year, sparking a stinging political debate over their motives. Wickremesinghe was recently detained over accusations of improper use of public funds. The administration weathered sharp criticism from some opposition groups, but sent a strong public message that no one enjoyed immunity and the political elite would not be protected, as was done in the past. Convictions do take time, but in their absence—after boastful claims of having sufficient evidence to prosecute—the failure to proceed beyond arrests will only invite public mistrust.The government has also recently slashed some benefits of former presidents, reclaimed several state-owned homes occupied by them, and launched inquiries against former legislators, public servants, and police officers. It is inspiring to see the fight against corruption and some criticism for it is par for the course. But the litmus test will be how the NPP administration responds to allegations .

Ifs & buts beset India-US trade deal

Tactical accommodation between Washington and Beijing will shrink Delhi's room for manoeuvre

IS the conclusion of a trade deal between India and the US imminent? Have all the outstanding issues been resolved? One has stopped counting, but there has been a virtual cascade of reports claiming that a deal is round the corner over the past six months. However, the two sides have not yet succeeded in turning the corner.What about the additional 25% tariff imposed on India on account of its purchases of oil from Russia? Now that major private sector buyers of oil are cutting back on purchases from Russian oil and gas majors Lukoil and Gazprom, which are now under US sanctions, would the additional 25% tariff imposed on India be removed? There are no signs of that so far.Some observers derive hope of an early resolution from the renewal of the India-US Defence Cooperation Framework for another 10 years by Raksha Mantri Rajnath Singh and US Secretary for War ('Defence' is out!) Pete Hegseth on the sidelines of the ASEAN Defence Ministers Meeting Plus in Kuala Lumpur on October 31. It would appear that defence hardware and technology cooperation between the two countries remains intact. Perhaps that may be due to the US earning billions of dollars in hardware supplies to India. For a President constantly on the lookout to make a buck, this is in a separate compartment. But India needs to be careful.At a future date, could Donald Trump object to India continuing to purchase sophisticated weapon systems from Russia, for example, the S-500, and refuse to supply some items or components to India? It's possible. After all, one did not foresee the oil sanctions.

India has been singled out for punishment on account of purchasing oil from Russia even though China is a larger buyer and NATO allies Turkey and Hungary are also significant importers. After the recent talks between Chinese President Xi Jinping and Trump in Busan on the sidelines of the APEC summit, the latter confirmed that he had not raised the issue of Chinese purchases of Russian oil.So, India is being penalised because Trump believes it has little leverage but he dare not object to China's imports because Beijing can retaliate and has demonstrated its willingness to retaliate even if it has to endure some pain.If India believes that its strategic partnership with the US helps in countervailing the Chinese challenge, it may need to think again. Not that the structural confrontation between the No. 1 and No. 2 powers will diminish in any way, but the tactical accommodation between them will shrink India's room for manoeuvre.

'This needs to be acknowledged and addressed through agile and well-considered diplomacy.

An argument has been made that Trump's recent swing through Asia, the reaffirmation of alliances and partnerships, means that America's Indo-Pacific strategy remains valid. But the one component of the strategy which is of relevance to India — the Quad — seems to have fallen off the radar. It seems unlikely that the Quad summit will take place in India before the year- end, as originally scheduled. Trump did not mention the Quad during his Asia visit. But more importantly neither did the other Quad partners — Australia and Japan. Perhaps they sensed Trump's indifference to it.

If India is looking for a 'Triad' instead of a Quad by intensifying its cooperation with Australia and Japan what would be its prospects? This needs cautious probing.What other coping moves are available to India? An obvious one is already being pursued. This is a much closer all-round partnership with Europe, both bilaterally and through the European Union. Both sides appear focused on getting a trade agreement through before the end of the year. If Europe is serious about a major expansion in its defence capabilities, then it will need scale, highly qualified manpower and a predictable and growing market. India could provide all three. A stronger defence partnership with Europe will also hedge against the unpredictability of the US as a defence partner for both sides. This ought to be a no-brainer.

I will repeat, like a broken record, the urgent need to secure our own sub-continental periphery. Not only through priority to bilateral relations with our neighbours but also through focusing on the regional dimension. The neighbourhood is not an irritating distraction. It is a missed opportunity. India must endeavour to become the engine of growth for South Asia and its chief security provider. Eventually this must include Pakistan in the calculations, however remote and difficult it may seem at present. The bigger challenge facing our region is climate change and a looming ecological crisis, which can only be addressed through regional collaboration. Only India can lead such collaboration.

Last but not least, India must consolidate its engagement with East and South East Asia. Its already considerable political and security profile must be matched by a solid economic pillar. Whether this involves re-engaging with the Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP) or a bolder application to become a member of the Comprehensive and Progressive Agreement for Trans-Pacific Partnership (CPTPP), should be the subject of serious policy discussions.India has obvious strengths. It is still the fastest-growing major economy in a slowing global economy. It is an expanding market. It has enviable political stability in a turbulent world. It has an unmatched pool of scientific and technical manpower, including in the field of artificial intelligence. These are significant levers which, if used intelligently and with confidence, can advance India's interests and expand its strategic space. This applies to India's relations with China which are on a gradual upswing, and this should continue. Strategic autonomy is a question of intent, not of capacity.

Soil solution can boost farming, cut pollution

Mineralisation of organic matter in the soil helps increase the availability of phosphorus, a vital nutrient for plant growth and reproduction

A new initiative is underway in Karnataka to increase soil fertility and protection—focusing on sugarcane, but extendable to a wider range of crops. It involves reusing sugarcane waste and residues instead of burning them. Incinerating the waste destroys fertility, kills microorganisms essential for soil health, increases air pollution, and harms the environment. At least 3,000 hectares of farmland across five Karnataka districts have been selected for the initiative that includes training farmers in composting techniques to transform residues into organic manure.Using agricultural waste-based organic compost not only supports microbial activity in the soil, but also improves its water efficiency, fertility, and reduces weed control expenses and dependence on chemical fertilisers. Mineralisation of organic matter in the soil helps increase the availability of phosphorus, a vital nutrient for plant growth and reproduction. Phosphorus is crucial for photosynthesis, energy transfer, and DNA synthesis in plants, and promotes robust root development, improves crop yields, and helps tolerate environmental stress like drought and salinity.

Earlier this month, International Union for Conservation of Nature, the global conservation agency, adopted a landmark motion to pave the way for the world's first model legal framework for soil protection. The IUCN will constitute a working group to develop the concepts and parameters for an international convention that would create the model law; it would then be hopefully integrated it into the national frameworks of IUCN's 88 member nations including India. This soil security law is expected to act as a catalyst for nations to integrate soil protection measures with their agricultural, climate, and restoration frameworks.This is the right time for the Union ministry of environment, forests and climate change, the state agriculture departments, and field experts to come together and exploit the opportunity offered by the twin initiatives unfolding in India and abroad—both of which aim to improve soil health, agriculture, and the quality and quantity of crop output. Pursuing safe practices for improving soil health by using organic waste and crop residues will undeniably yield bonuses. For one, it will lead to a significant reduction in stubble burning, which has drastically increased air pollution—across North India in general and around Delhi in particular. In the longer run, it will give a hefty boost to food security and benefit farmers through reduced production costs. It indeed would be an important win for all.

Unbearable lightness of the AI bubble

The AI investment bubble is much bigger than those around dot-coms or sub-prime assets in the 2000s. Many aspects—from the technology to its finances—are not squaring up

Artificial intelligence is tracing the familiar, weary boom-and-bust trajectory identified in 1837 by Lord Overstone of quiescence, improvement, confidence, prosperity, excitement, overtrading, convulsion, pressure, stagnation, and distress.

There are three primary concerns. First, there are doubts about the technology. Building on earlier technologies such as neural networks, rule-based expert systems, big data, pattern recognition, and machine learning algorithms, generative AI, the newest iteration, uses large language models (LLMs) trained on massive data sets to create text and imagery. The holy grail is 'singularity', a hypothetical point where machines surpass human intelligence. It would, in Silicon Valley speak, lead to 'the merge', when humans and machines come together, potentially transforming creativity and technology.LLMs require enormous quantities of data. Existing firms in online search, sales platforms, and social media platforms can exploit their own troves. This is frequently supplemented by aggressive and unauthorised scraping of online data, sometimes confidential, leading to litigation around access, compensation, and privacy. In practice, most AI models must rely on incomplete data, which is difficult to clean to ensure accuracy.

Despite massive scaling up of computing power, genAI consistently fails in relatively simple factual tasks due to errors, biases, and misinformation in datasets. AI models are adept at interpolating answers between things within the data set, but poor at extrapolation. This means they struggle with novel problems and their ability to act autonomously interacting within dynamic environments remains questionable. Cognitive scientists argue that simply scaling up LLMs based on sophisticated pattern-matching built to autocomplete will disappoint. The claimed progress is difficult to measure, as the benchmarks are inconclusive.Cheerleaders miss that LLMs do not reason, but are probabilistic prediction engines. A system that trawls existing data, even assuming that is correct, cannot create anything new. Once the existing data sources are devoured, scaling produces diminishing returns. Rather than fully generalisable intelligence, generative models are regurgitation engines struggling with truth, hallucinations, and reasoning.AI models can take over certain labour-intensive tasks like data-driven research, writing, travel planning, computer coding, certain medical diagnostics, testing, and routine administrative tasks like handling standard customer queries. But its loftier aims may prove elusive. Microsoft's CEO drew the ire of true believers when he argued that AI had yet to produce a profitable killer application to match the impact of email or Excel.For the moment, genAI, an ill-defined marketing rather than technical term, remains a costly parlour trick for some low-level applications—making memes and allowing scammers to deceive.

Second, financial returns may prove elusive. Capital expenditure on AI is expected to total up to $5-7 trillion by 2030. It has added around 40 percent or a full percentage point to 2025 US growth. AI companies accounts for 80 percent of US stock returns. AI startup valuations based on the latest round of funding were $2.30 trillion, up from $1.69 trillion in 2024, and up from $469 billion in 2020. But AI's capacity to generate cash and returns on the large required investment remains questionable.Revenues would have to grow over 20 times from the current $15-20 billion a year to cover the current investment in land, building, rapidly depreciating chips, and power and water. Revenues totalling more than $1 trillion may be required to earn an adequate return. Microsoft's Windows and Office, among the world's most used software, generates less than $100 billion in commercial and consumer revenue. Less than 3 percent of its 800 million users currently pay to use ChatGPT.The hope is AI will be paid for from higher productivity and corporate profits. But 95 percent of corporate genAI pilot projects failed to raise revenue growth. Many users, after cutting hundreds of jobs and replacing them with AI, were subsequently forced to reemploy staff when the technology proved inadequate.Monetisation of AI faces other uncertainties. In 2024, the cheaper Chinese DeepSeek-R1 model cast doubts about the capital-intensive approach of Western firms. China's favoured open-source design would also undermine firms that have invested heavily in proprietary technology.

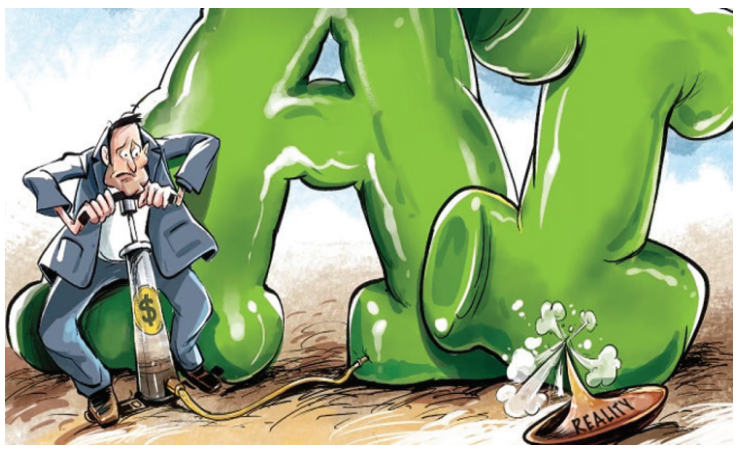

Meanwhile, AI firms remain a cash-burning furnace. In the first half of 2025, OpenAI, owner of ChatGPT, generated $4.3 billion in revenue, but spent $2 billion on sales and marketing and nearly $2.5 billion on stock-based compensation, posting an operating loss of $7.8 billion.

Third, there are financial circularities seen during the dot-com boom. CoreWeave, an equipment rental business trying to cash in the AI boom, purchases graphics processers for AI applications and rents them to users. Nvidia is an investor in the company and the bulk of revenues is from a few customers. There is concern around the rate of depreciation of the chips and the firm's significant borrowings. In 2025, Nvidia invested $100 billion in OpenAI, which in turn bought an equivalent dollar value of graphics processing units from it and also invested in chipmaker AMD.

Supreme Court's AGR order limits relief to Vodafone Idea, dims hopes for sector-wide reprieve

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court's written order in the adjusted gross revenue (AGR) case indicates that the recent relief discussions remain confined to Vodafone Idea (Vi), even as other telecom companies had hoped for a similar breather. The order clarifies that the government may reconsider Vi's dues as a policy matter, but the scope of this reconsideration does not extend to other operators such as Bharti Airtel or Tata Teleservices. This effectively means that the broader legal framework defining AGR dues remains unchanged.he AGR dispute dates back to a 2019 Supreme Court judgment that upheld the government's definition of revenue, including non-core income such as rent, interest, and dividends, for the purpose of calculating licence and spectrum fees. This ruling saddled telecom operators with massive retrospective liabilities. Vodafone Idea's dues were crystallised in 2020, when the Court barred any reassessment for the period up to 2016–17. However, the Department of Telecommunications (DoT) recently issued a fresh demand of about Rs 9,450 crore, which Vi has challenged, arguing that a large portion of the claim overlaps with periods already settled.

In its latest order, the Supreme Court allowed the Centre to review Vi's dues but stopped short of reopening the legal basis of the 2019 ruling. The relief, therefore, is administrative rather than judicial and applies only to Vi's case. This narrow scope suggests that while the government can explore measures such as restructuring, staggered payments, or interest waivers for Vi, the underlying AGR liability for the rest of the sector remains intact.

The development offers Vodafone Idea some breathing room but also highlights the continuing uncertainty over its financial future. The company faces heavy debt obligations and has warned of survival risks without meaningful policy support. The order opens the door for the government to consider relief options, though any move favouring a single

operator could raise questions about parity and regulatory consistency across the sector.For other telecom companies, the written order provides little comfort. Telecom major Bharti Airtel and others remain bound by the earlier verdict, with no indication of a sector-wide reassessment. For instance, Bharti Airtel's vice-chairman and managing director Gopal Vittal said on Tuesday that it will approach the government regarding the adjusted gross revenue (AGR) dues it owes to the exchequer.

While commenting for this report, a senior corporate lawyer from Mumbai, told The New Indian Express that the Supreme Court order reflects the Court's cautious stance — preferring case-specific relief for a distressed player rather than revisiting settled legal principles.Overall, the judgment underscores a delicate balance between maintaining fiscal discipline and preserving market competition. The government now holds the responsibility to decide whether and how to ease Vi's burden without undermining the integrity of the AGR framework. While the possibility of relief offers Vi temporary hope, the larger telecom industry continues.

8th Pay Commission: 5 things you need to know

New Delhi.(Agency)

The Centre has officially constituted the 8th Central Pay Commission, the mechanism that decides salaries, pensions and allowances for central government employees and pensioners.Almost one crore individuals stand to be impacted once its recommendations are implemented. The process has begun, the mandate is set, and the clock is ticking.Here is everything that matters right now.

WHAT WILL THE COMMISSION DO?

The government has notified the commission along with its Terms of Reference, which spell out its job clearly. It will examine pay scales, retirement benefits and service rules, study whether the current system keeps up with inflation and economic realities, and overhaul allowances if needed.The goal is to upgrade employee well-being without destabilising government finances. It is essentially a balancing act between what the workforce needs and what the budget can sustain.

WHEN WILL HIKE COME INTO EFFECT?

Every Central Pay Commission historically operates on a ten-year cycle. The 7th CPC was implemented from January 1, 2016. Following the pattern, the 8th CPC's revised pay and pensions are expected to take effect from January 1, 2026.But that will only happen after the commission submits its report and the Cabinet approves the final numbers. The panel has been given roughly eighteen months to finish its work, so any firm announcement will come only closer to late 2025.

HOW MUCH SALARIES AND PENSIONS MAY RISE?

This is the biggest question employees have and the one no one can answer definitively yet. However, one key term in pay revisions is the "fitment factor", which determines how much basic salary jumps during a pay overhaul.Under the 7th CPC, that multiplier was 2.57. Analysts believe the 8th CPC could recommend a higher factor in the range of roughly 2.8 to 3.0, depending on fiscal room. Even if basic pay sees a sizeable jump, the real change in take-home pay will depend on how Dearness Allowance, House Rent Allowance and other benefits are restructured.

Porter layoffs: 300 employees impacted as startup trims workforce, says report

New Delhi.(Agency)

Bengaluru-based on-demand logistics startup Porter has laid off around 300 to 350 employees as part of a one-time restructuring aimed at reducing costs and preparing for its next phase of growth, according to a report by The Economic Times (ET).The company confirmed the layoffs on Tuesday, saying the move was part of a broader effort to make the organisation more efficient and financially resilient. However, Porter did not specify the exact number of employees affected.

In an official statement quoted by ET, Porter said, "We're in the midst of a transition that required a one-time restructuring, aimed at building a stronger, more agile, and financially resilient organisation for the road ahead. As part of this journey, we've had to make some difficult decisions that affect our people — choices that were not easy and were made after careful consideration."

The layoffs come as the company works towards a potential public listing and looks to streamline operations across its business verticals. The company has been expanding into newer categories, including courier services and enterprise logistics, while seeking to improve margins in its core on-demand trucking segment.Sources told ET that the restructuring is focused on cost control, rationalisation of overlapping roles, and driving long-term profitability ahead of its next growth phase.

The layoffs follow ET's earlier report from September, which stated that Porter was close to finalising a $100–110 million funding round from both existing and new investors. This would take the company's total raised capital to around $300–310 million as part of an extended round.In May 2025, Porter had raised $200 million in a funding round led by Kedaara Capital and Wellington Management, valuing the company at $1.2 billion. The startup was reportedly using the new funds to strengthen its technology platform, expand into new cities, and enhance its enterprise logistics capabilities.

What rising demand for gold says about global economy

New Delhi.(Agency)

Gold has been on a winning run, climbing to record highs as investors search for safety in an increasingly unpredictable world.Prices have nearly doubled in the last two years, with the metal averaging 3,665 dollars per ounce in September 2025, before touching 4,000 dollars in October.

According to a new analysis by CareEdge Global Ratings, the rise reflects mounting economic, currency and geopolitical concerns rather than a short-term market swing.

GOLD IS NO LONGER JUST JEWELLERY

Gold is shifting from a consumer product to a financial shield. CareEdge says investment demand in the first half of 2025 has already matched the entire demand recorded in 2024, driven by concerns over inflation and market volatility.

"Gold continues to play a multifaceted role in the global economy as a trusted investment asset and a strategic reserve for central banks," the report notes.

By contrast, jewellery demand has started to moderate as prices remain elevated.

WEAKER DOLLAR, STRONGER GOLD

The US Dollar Index has weakened by around 8.6% this year, pressured by fiscal concerns, economic slowdown fears and shifting trade policies.

The dollar's share in global foreign exchange reserves has declined from 71.1% in 2000 to 57.8% in 2024, as central banks gradually diversify. CareEdge says this trend has reinforced gold's appeal as a "politically neutral, inflation-resistant store of value."Even with recent rate cuts by the US Federal Reserve, policy rates remain elevated, keeping financial conditions tight.

M3M India to invest Rs 7,200 crore in Gurgaon International City, expects Rs 12,000 crore revenue

New Delhi.(Agency)

Real estate developer M3M India on Wednesday announced the launch of Gurgaon International City (GIC), one of the largest integrated city developments in Delhi-NCR. The company will invest approximately Rs 7,200 crore in the development, which is expected to generate a topline of around Rs 12,000 crore.

Spread across 150 acres, with expansion planned up to 200 acres, M3M said that GIC represents a significant breakthrough for them as it enters the integrated township segment after establishing leadership in premium office spaces, commercial developments, and luxury residences such as Trump Towers and Jacob & Co.

Located on the Dwarka Expressway Link Road, Gurgaon International City (GIC) is envisioned as a next-generation, mixed-use urban ecosystem built on the 'Live-Work-Unwind model. The first phase of GIC, spanning 50 acres and RERA-approved, will include 300 plots, aimed at fostering innovation, manufacturing excellence, and entrepreneurship in Haryana's largest & fastest-growing investment corridor, said M3M India in a statement. The development will integrate data centers, innovation parks, EV hubs, retail avenues, and premium residential zones, creating a self-sustained environment for enterprises and communities alike."Our vision is to attract global corporations such as Google, Apple, Microsoft, Tesla; enterprises that represent the future of innovation and responsible growth. GIC is designed as a globally benchmarked destination where technology, sustainability, and human-centric design converge. This development reflects India's growing confidence as a destination for sustainable and investment-led growth," said Pankaj.

Lenskart IPO GMP falls sharply before listing. Is it heading for a weak debut?

New Delhi. (Agency)

Allotment of shares for Lenskart Solutions Ltd's IPO will be finalised tomorrow, after witnessing strong investor demand during the subscription period. The eyewear retailer's public issue was subscribed more than 28 times, driven by heavy participation from institutional and retail investors.However, despite the strong subscription numbers, the grey market premium (GMP), often seen as an early indicator of listing performance, has dropped sharply ahead of its stock market debut, signalling a possibly muted listing next week.

Lenskart IPO's last reported GMP stands at Rs 42, as of November 5, 2025 (2:01 PM). This marks a steep decline from earlier levels, indicating reduced investor enthusiasm in the unlisted market.

With a price band of Rs 382–402 per share, the estimated listing price is Rs 444 per share, translating to a modest 10.45% gain over the issue price.The fall in GMP suggests that while demand during the subscription phase was high, traders in the grey market are now pricing in limited upside potential, possibly due to valuation concerns and broader market volatility.

IPO SAW STRONG SUBSCRIPTION ACROSS CATEGORIES

Lenskart's IPO, which opened for subscription on October 31 and closed on November 4, received an overall subscription of 28.27 times, as per exchange data.The category-wise breakdown shows retail investors subscribed 7.56 times, Qualified Institutional Buyers (QIBs): 40.36 times, and Non-Institutional Investors (NIIs): 18.23 times.

Analysts said this strong response reflects the company's brand strength and its leading position in India's growing eyewear market.However, they also cautioned that oversubscription does not always guarantee strong listing gains."The IPO saw an overwhelming rush from investors across the board. That said, while the numbers look stellar on paper, such heavy oversubscription often reflects short-term market excitement rather than deep conviction in the company's fundamentals," said Gaurav Garg, Research Analyst at Lemonn Markets Desk.The Lenskart Solutions IPO is a book-built issue worth Rs 7,278.02 crore, consisting of a fresh issue of Rs 2,150 crore (5.35 crore shares) and an offer for sale (OFS) of Rs 5,128.02 crore (12.76 crore shares) by existing shareholders.The price band for the IPO was fixed between Rs 382 and Rs 402 per share, with a lot size of 37 shares. For retail investors, the minimum investment stood at Rs 14,874 at the upper price band.

Gold prices rise on safe-haven demand, hover near record levels

Chennai.(Agency)

After a week-long correction, gold prices began to recover early this week and extended their gains on Wednesday (November 5), supported by sustained safe-haven demand and a softer US dollar. Investors continued to favor bullion amid persistent global economic and geopolitical uncertainties, keeping the metal close to record levels.On the international market, spot gold traded around $3,970 per ounce, up nearly 1 percent from the previous session. The movement came as US Treasury yields and the dollar index remained rangebound, offering little resistance to the yellow metal's advance.

In the domestic market, gold on the Multi Commodity Exchange (MCX) hovered near Rs119,900 per 10 grams, reflecting both the firm global trend and mild rupee weakness against the US dollar. Silver also moved higher, tracking gains in bullion.

Bullion market analysts say the rally was driven by a combination of safe-haven flows, sustained central bank and ETF buying, and investors hedging against potential volatility in global markets. A subdued dollar and stable US yields further supported sentiment.

Technically, gold faces immediate resistance around the $4,000 per ounce mark, with support seen near $3,850. A breakout above $4,000 could trigger another round of momentum buying, while any rebound in US yields may cap the upside.

Overall, the trend remains constructive, with market participants watching upcoming US inflation and jobs data for cues on the Federal Reserve's rate outlook, which will likely determine the next major move in gold prices.

More trouble for Anil Ambani's Reliance Group as Corporate Affairs ministry launches probe

More trouble for Anil Ambani's Reliance Group, Corporate Affairs ministry launches probe into fund diversion

New Delhi.(Agency)

The regulatory net has tightened further around Anil Ambani's Reliance Group. After ongoing scrutiny by the Enforcement Directorate (ED), Central Bureau of Investigation (CBI) and the Securities and Exchange Board of India (SEBI), the Ministry of Corporate Affairs (MCA) has initiated a fresh probe into alleged diversion of funds across multiple group companies, including Reliance Infrastructure, Reliance Communications, Reliance Commercial Finance and CLE Pvt Ltd.

According to sources, the case has now been transferred to the Serious Fraud Investigation Office (SFIO) after the MCA's preliminary findings indicated large-scale siphoning of funds and major violations under the Companies Act. The SFIO is expected to investigate the flow of money across group entities and pinpoint responsibility at the senior management level. Action will follow based on the outcome of the probe.The move comes at a time when ED has stepped up enforcement against the debt-ridden conglomerate. Earlier this week, the agency attached assets worth nearly Rs 7,500 crore belonging to Reliance Group firms.

ED officials said the attached properties include 30 assets of Reliance Infrastructure, along with properties linked to Adhar Property Consultancy, Mohanbir Hi-tech Build, Gamesa Investment Management, Vihaan43 Realty and Campion Properties. These attachments are connected to what authorities describe as a multi-crore bank fraud case involving Reliance Infrastructure.

The ED's case centres around loans raised by Reliance Communications (RCOM) and its group companies between 2010 and 2012. As per the agency, the outstanding dues stand at Rs 40,185 crore, with five banks declaring the loan accounts fraudulent.Investigators say funds were diverted across group entities, funnelled to related parties and even used to repay older borrowings in violation of loan conditions. The ED has alleged that money raised for business operations instead went toward what it calls "evergreening" of existing debt.

"From around 2010-12 onwards, RCOM and its group companies raised thousands of crores from Indian banks, of which Rs 19,694 crore still remains outstanding. These assets turned NPA, with five banks having declared RCOM's loan accounts as fraud," the agency said in its statement, noting that multiple Reliance Anil Ambani Group entities were involved in the diversion of funds.The ED estimates that at least Rs 13,600 crore was diverted through layered transactions, and alleges that a portion of funds moved overseas. Reliance Home Finance, Reliance Commercial Finance, Reliance Infrastructure and Reliance.

Ghazipur landfill site to be fully cleared by 2027, MCD to set up 4 processing facilities: Panel chief

Agency New Delhi.

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) has announced that the Ghazipur landfill site will be completely cleared by the end of 2027. MCD Standing Committee Chairperson Satya Sharma made the statement during an inspection of the garbage mound at the Delhi-Noida border on Tuesday, where she reviewed the progress of biomining and waste disposal work.

The Corporation informed that biomining at Ghazipur is currently in its second phase. Once completed, the third phase will begin, for which plans have already been prepared and tenders will be issued soon.MCD also plans to establish a new Waste-to-Energy (WTE) plant at the Ghazipur site to process waste and generate energy. Officials have been directed to install additional machines to reduce the height of the garbage mound and use modern technology to accelerate the biomining process.

According to MCD data, around 11,500 metric tonnes (MT) of municipal solid waste (MSW) is generated daily in Delhi. The Corporation currently operates four WTE plants — Narela-Bawana (1,300 TPD), Okhla (1,550 TPD), Tehkhand (2,000 TPD) and Ghazipur (1,300 TPD) — with a combined processing capacity of 6,550 tonnes per day.

Despite these facilities, there remains a gap of 4,712 TPD, which continues to be dumped at the Bhalswa, Okhla and Ghazipur landfill sites.Since 2019, MCD has been carrying out biomining of legacy waste at the three dumpsites. So far, 25 acres of land have been reclaimed at Bhalswa, 10 acres at Okhla and about 7.2 acres at Singhola after silt waste biomining.

Additionally, 10 acres of land have been reclaimed at the Integrated MSW Processing Facility at Narela-Bawana.

To bridge the waste processing gap and prevent fresh dumping, MCD has decided to develop four new solid waste processing facilities — at Bhalswa (1,800 TPD), Singhola (700 TPD), Okhla (1,400 TPD), and Narela–Bawana (1,200 TPD).

The total cost for these projects is estimated at `361.42 crore. Delhi Mayor Raja Iqbal Singh said the proposals have been approved, and tenders have been invited for their development. These plants are expected to become operational within six months, ensuring 100% scientific processing of Delhi's waste.The Mayor added that MCD is working on a war footing to remediate and eliminate the Bhalswa, Ghazipur and Okhla landfill sites, aiming to make Delhi clean and pollution-free.

Regular inspections by MCD officials and councillors are being conducted to monitor progress and ensure sustainable waste management across the capital.

BAPSA alleges neglect in DU student's suicide

New Delhi. (Agency)

The Birsa Ambedkar Phule Students' Association (BAPSA) on Tuesday expressed deep concern over the death of a 19-year-old Delhi University (DU) student, alleging that institutional pressure and systemic neglect drove her to take her own life.The student, a first-year Dalit undergraduate at Deshbandhu College, was found dead at her residence in Govindpuri on November 1. She was the sister of Raj Ratan Rajoriya, the presidential candidate for the Jawaharlal Nehru University Students' Union (JNUSU) representing BAPSA.

BAPSA said the incident reflects the continued marginalisation of underprivileged students within DU and the lack of accessible mental health support. The group also criticised the handling of the case by police officials, alleging that officers arrived without a doctor and asked Rajoriya to check his sister's vitals before verbally declaring her dead.

The student's body was handed over to her family on November 2, after which they left for Madhya Pradesh for the last rites. Rajoriya, who was scheduled to deliver his presidential address at JNU the same day, could not attend.

BAPSA also raised concerns about systemic issues, noting that only about one percent of DU students receive hostel accommodation, forcing many to live in stressful and insecure conditions. Police have launched an inquiry into the matter.

67% turnout recorded in JNUSU polls, results to be announced on November 6

Agency New Delhi.

Voting for the Jawaharlal Nehru University Students' Union (JNUSU) elections concluded on Tuesday with a voter turnout of 67 per cent. Students from various schools lined up at polling booths from morning till late evening to elect representatives for the university's central panel and school-level councillors.According to JNUSU Election Committee members, vote counting was scheduled to begin at 9 pm, with final results expected on November 6.

This year's election saw 20 candidates vying for the four key central posts — President, Vice-President, General Secretary, and Joint Secretary — including seven

contenders for the presidential seat.The polls witnessed a mix of first-time voters and senior students, marking a revival of enthusiasm in campus politics following a week-long, high-energy campaign. Multiple student organisations, including the Left Unity and the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP), ran high-decibel campaigns across hostels and academic blocks.

Core issues dominating this year's electoral discourse included campus infrastructure, hostel accommodation, rising fees, student safety, and access to academic resources. The Left Unity bloc focused on protecting campus democracy, opposing fee hikes, and ensuring inclusive education, while the ABVP highlighted student welfare initiatives and infrastructural improvements.The results on November 6 will reveal whether the Left continues its dominance or if a shift in student sentiment reshapes the university's political landscape.

Neglect derails revival of Shahjahanabad

Agency New Delhi.

Four years after its grand relaunch, the Shahjahanabad Redevelopment Project—meant to restore the historic charm of Old Delhi—remains mired in neglect and administrative paralysis. The redeveloped stretch, once showcased as a model for heritage renewal, is now grappling with basic maintenance issues, prompting the Shahjahanabad Redevelopment Corporation (SRDC) to seek an urgent estimate from the Public Works Department on the funds required for essential upkeep.

The pathway laid in 2021, stretching from Jain Mandir to Fatehpuri Masjid, and the improved infrastructure in Chandni Chowk have apparently turned into informal shelters for a growing number of homeless individuals, beggars, and vagabonds. Their constant presence—sleeping, squatting, eating, and engaging in unhygienic practices—has transformed the redeveloped stretch into a site of contention.

Despite multiple inspections and orders, the area continues to reflect a "sight of negligence." The redeveloped Chandni Chowk market was inaugurated in September 2021 by then Chief Minister Arvind Kejriwal.Meanwhile, the ambitious second phase of the Shahjahanabad Redevelopment Project, aimed at revitalising the historic heart of Old Delhi, has come to a standstill. Despite its cultural and urban significance, the project has been languishing in limbo due to administrative inertia.

"We are currently focused on maintaining what has already been developed. The PWD has been asked to prepare an estimate for maintenance funds as the condition of the redeveloped stretch is deteriorating fast," said Sunil, Deputy General Manager, SRDC.

The situation has been further compounded by an institutional vacuum at SRDC. The corporation has been functioning without a chairperson since July 2025, while several key members have been transferred. Senior officials admitted that in the absence of a board, no policy decisions or project reviews can be undertaken.

India, Indonesia close to sealing BrahMos missile deal; Russia's nod awaited

Agency New Delhi.

India and Indonesia are all set to finalise a major defence deal for the purchase of the BrahMos supersonic cruise missile, pending final approval from Russia, defence sources told India Today.

According to officials, all negotiations and discussions between New Delhi and Jakarta have been completed, and the agreement is ready for signing once Moscow gives its consent.If approved, the deal will mark a significant milestone in India's defence export ambitions, underscoring its growing capability to deliver cutting-edge military technology to strategic partners.The proposed agreement follows India's landmark USD 375 million BrahMos deal with the Philippines in April 2023, under which Manila is set to receive three missile batteries. The BrahMos system, with a range of 290 kilometres

and a speed of Mach 2.8, has greatly bolstered the Philippines' coastal defence capabilities.Indonesia's interest in acquiring the BrahMos aligns with its broader defence modernisation efforts and regional security objectives. The potential deal is also expected to strengthen bilateral defence ties, especially after Indonesia joined the BRICS group in January 2024, deepening its strategic partnerships with member nations, including India.

Jointly developed by India's Defence Research and Development Organisation (DRDO) and Russia's NPO Mashinostroyenia, the BrahMos missile is among the fastest supersonic cruise missiles in the world. Renowned for its precision, versatility, and ability to be launched from land, sea, and air platforms, the system has attracted growing interest from Southeast Asian nations amid evolving geopolitical dynamics.

Delhi sixth most polluted city, reveals study

Agency New Delhi.

Air quality across the National Capital Region (NCR) deteriorated sharply in October, with the latest analysis by the Centre for Research on Energy and Clean Air (CREA) showing that all 10 of India's most polluted cities were located within the region.Dharuhera in Haryana topped the list with a monthly average PM2.5 concentration of 123 µg/m³, followed by Rohtak, Ghaziabad, Noida, Ballabgarh, Delhi, Bhiwadi, Greater Noida, Hapur, and Gurgaon.

Delhi ranked sixth, recording an average PM2.5 level of 107 µg/m³—nearly three times higher than the 36 µg/m³ logged in September. According to CREA's analysis, the capital breached the National Ambient Air Quality Standards (NAAQS) on most days, registering 13 "very poor" and four "poor" air quality days during the month.

Despite stubble burning contributing less than six per cent of Delhi's PM2.5 levels, pollution soared, underscoring the role of local and year-round emission sources such as vehicular traffic, construction dust, and industrial activities.Manoj Kumar, analyst at CREA, said, "Winter and festive periods don't create India's pollution problem, they expose it. These seasonal spikes merely amplify baseline pollution levels that remain dangerously high throughout the year."

He added that reactive, short-term measures like the Graded Response Action Plan are inadequate without sector-specific emission cuts backed by accountability. Overall, air quality worsened across the Indo-Gangetic Plain, with a significant shift in cities moving into higher pollution categories.In October, the number of cities with "good" air (0–30 µg/m³) dropped from 179 in September to 68, while those with "moderate" and "poor" air rose sharply. Haryana and Uttar Pradesh each contributed four cities to the top ten list, reflecting NCR's continued dominance in India's pollution rankings.In contrast, southern and northeastern cities fared far better.

Shillong in Meghalaya emerged as the cleanest city in October with an average PM2.5 level of 10 µg/m³, followed by several cities in Karnataka and Tamil Nadu that consistently remained within national air quality standards.

Delhi HC slams media for sensational reporting trend

Agency New Delhi.

The Delhi High Court on Tuesday said it has become a "disturbing trend" that some "innocuous" remarks made by courts during hearings are being reported by the media merely to create sensation.

The court said such reports, which often have no bearing on the merits of a case, are presented to spark curiosity and attract public attention, disregarding that such remarks do not form part of judicial proceedings.Justice Neena Bansal Krishna made the observations while hearing a plea by businessman and AgustaWestland case accused Shravan Gupta, who claimed that certain false and defamatory news reports published in July targeted the reputation of his counsel, senior advocate Vikas Pahwa."This is not the mandate for the media, which must ensure accuracy and avoid unnecessary sensationalisation by taking innocuous remarks out of context and reporting them as the main event," the court said.

It noted that an innocuous comment about repeated adjournments was wrongly attributed to Pahwa to create a sensational story. The court said reputed media houses should themselves decide whether such content should continue to remain online.

In the same order, the High Court dismissed Gupta's plea to quash a non-bailable warrant (NBW) issued against him in a money laundering case linked to the AgustaWestland VVIP chopper scam, and rejected his request to join the probe via video conferencing. Justice Krishna said Gupta's repeated avoidance of investigation justified the NBW, noting that his fear of arrest was "misplaced" as the law provides remedies once he appears before the court.

Gupta, former executive vice-chairman of Emaar MGF Land Limited, is accused by the Enforcement Directorate of laundering over `28 crore in kickbacks through offshore entities. An Interpol Red Notice was issued against him in August 2023.

Criteria sought for deaf sportspersons' award

The Delhi High Court has directed the Centre to frame criteria for conferring the Major Dhyan Chand Khel Ratna Award 2025 on hearing-impaired sportspersons, noting that the existing norms discriminate against them compared to para-athletes.

Terror watchdog praises India's asset recovery regime, calls ED model agency

In its newly-published report "Asset Recovery Guidance and Best Practices", the FATF recognised India among jurisdictions that have implemented robust legal and operational systems for effective confiscation and management of assets linked to crime and money laundering.

Agency New Delhi.

The Financial Action Task Force (FATF), a global terror funding watchdog, has praised India's asset recovery regime and cited the Enforcement Directorate (ED) as a model agency.In its newly-published report "Asset Recovery Guidance and Best Practices", the FATF recognised India among jurisdictions that have implemented robust legal and operational systems for effective confiscation and management of assets linked to crime and money laundering.

The report highlighted India's proactive use of both conviction-based and non-conviction-based confiscation provisions and credits the ED for its coordination with foreign counterparts in cases pursued under mutual legal assistance treaties.

The terror watchdog noted that the ED's asset recovery strategy reflected "a mature, well-resourced, and technology-driven approach" to financial investigations, aligning with the revised FATF standards that call for making asset recovery a national policy priority.

It also commended India's legislative framework under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), which enables swift freezing, attachment, and confiscation of criminal proceeds even before conviction.

The report further referred to India's effective inter-agency coordination between the Financial Intelligence Unit (FIU-IND), Central Bureau of Investigation (CBI), and ED, calling it a model for jurisdictions seeking to integrate intelligence, enforcement, and prosecution in financial crime cases.

FATF cited India's international cooperation record, including successful repatriation of assets from foreign

jurisdictions, as evidence of a maturing asset recovery ecosystem."India's performance, particularly through the ED, illustrates how consistent policy, legal empowerment, and institutional coordination can lead to tangible results in depriving criminals of illicit wealth," the report said.

INDIA AMONG GLOBAL LEADERS

Through these cases, FATF underscored that India's asset recovery regime "reflects a sophisticated institutional framework that prioritises restitution and transparency."It recognised the ED's integration of financial intelligence with enforcement and judicial coordination, resulting in swift freezing and disposal of criminal assets.The FATF report concluded that India's approach aligns with its new 2023–24 asset recovery standards, encouraging early financial investigation, inter-agency cooperation, and public-benefit reuse of recovered assets. It urged other member nations to replicate India's victim-focused recovery model.

NEWS BOX

Democrat Zohran Mamdani is New York City's 1st Indian-origin Muslim mayor

World . (Agency)

Zohran Kwame Mamdani is the winner of New York City's mayoral race, making history as the first Muslim, first Indian-origin, and first African-born mayor of America's biggest city and financial capital.

Mamdani's victory caps a meteoric rise for the once-underdog candidate, whose working-class message and personal charisma energised voters across New York's five boroughs. His win also marks a major moment for the progressive Democrats at a time when the party is divided over how to counter US President Donald Trump.

The self-proclaimed democratic socialist defeated former New York Governor Andrew Cuomo for the second time, after first toppling him in the June Democratic primary. Republican Curtis Sliwa, who stayed in the race despite Trump's jibes, trailed far behind.

When Mamdani (34) is sworn in on January 1, he will also become New York's youngest mayor in more than a century.More than 2 million New Yorkers voted in the election, making it the city's highest turnout for a mayoral race since 1969, according to the Board of Elections.Conceding after most major outlets called the election for Mamdani, Curtis Sliwa vowed to stay in New York and continue the fight.

"We will hold the mayor-elect to make sure that he serves all the people and that socialism does not replace capitalism," the Republican said, as quoted by NBC News.

26/11: Did Pak president's nuclear no-first-use offer trigger ISI to attack India?

World.(Agency)

Pakistan President Asif Ali Zardari's spokesperson says the Mumbai 26/11 attacks were a response to his offer of a 'no first use' (of nuclear weapons) to India. In 'The Zardari Presidency: Now It Must Be Told', Farhatullah Babar writes how Zardari made the 'no first use' offer via a satellite link interview to senior Indian journalist Karan Thapar at a summit organised by a media house in New Delhi.

India and Pakistan both tested nuclear weapons in May 1998 within days of each other. India's nuclear doctrine states it will not be the first to use nuclear weapons in any conflict. Pakistan has no such policy, and its leadership has openly threatened the use of nuclear weapons at the start of a war with India. Pakistan is the only nuclear-weapon state where the military directly controls nuclear weapons.The so-called 'red lines' for Pakistan's nuclear weapons use were articulated in 2002 by Lt General Khalid Kidwai, who headed the Pakistan army's strategic plans division. All use cases are in response to conventional actions by India — from occupation of territory, military strikes, to political destabilisation and economic warfare.

"Within four days of the (Zardari) interview, on November 26, 2008, gunmen launched coordinated attacks for three days in Mumbai, targeting two hotels, a Jewish centre, a tourist restaurant, and a busy train station, killing 166 people. Pakistani investigators found that the attackers were launched from Pakistani soil," Babar writes. "It brought the two countries closer to war in years and dashed all hopes of peace.

"THE 26/11 MUMBAI ATTACKS

Babar's version is not borne out by facts.The ten LeT terrorists sailed out of Karachi in an LeT vessel, the Al Husseini, on the evening of November 21. When Zardari spoke at the summit on November 22, the 10 terrorists were already off the coast of Gujarat. On November 23, the terrorists hijacked an Indian fishing trawler, the Kuber, and continued sailing until they reached the coast of South Mumbai on November 26, where they landed in a rubber.

'Life or death': Trump calls tariff case 'one of the most important' in US history

Washington .(Agency)

The US Supreme Court will hear arguments Wednesday on whether a wide swath of Donald Trump's tariffs are lawful, in a landmark case that could uphold, or upend the president's economic agenda.Billions of dollars in customs revenue and a key lever in Trump's trade wars are at stake, while the conservative-dominated court once again grapples with novel tests of presidential authority.

Trump has hyped the case as "one of the most important" in US history and warned of calamity if his tariffs are overturned.This "case is, literally, LIFE OR DEATH for our Country," he posted Tuesday on his Truth Social platform.

The high court's nine justices will consider Trump's use of emergency powers to impose so-called "reciprocal" tariffs on nearly every US trade partner, as well as levies targeting Mexico, Canada and China over their alleged roles in illicit drug flows.

Opponents argue that such broad tariffs are not permitted by the International Emergency Economic Powers Act (IEEPA), the law cited by Trump in issuing the levies.The court's decision, which could take months to arrive, does not concern sector-specific tariffs Trump imposed, including on steel, aluminum and automobiles.

Since returning to the White House, Trump has brought the overall average effective tariff rate to its highest since the 1930s.

A lower court ruled in May that Trump exceeded his authority in imposing his global duties, a decision affirmed on appeal, prompting Trump to take the fight to the Supreme Court."If a President was not able to quickly and nimbly use the power of Tariffs, we would be defenseless, leading perhaps even to the ruination of our Nation," Trump argued Sunday on Truth Social.

A Bollywood touch in Zohran Mamdani's victory speech ft Dhoom Machale

Zohran Mamdani has etched his place in history as New York City's first Muslim mayor, the first of South Asian heritage and the first to be born in Africa. He will also become the city's youngest mayor in more than a century when he takes office on January 1, 2026.

World . (Agency)

Indian-origin Zohran Mamdani has been elected mayor of New York City, marking a historic rise for the 34-year-old state lawmaker, who is set to become the city's first Muslim mayor. As he concluded his victory speech surrounded by family, the celebrations took a Bollywood turn.As he concluded his speech and waved to the cheering crowd, the superhit song 'Dhoom Machale' from the 2004 Bollywood action-thriller 'Dhoom' played in the background. The tune perfectly captured the "dhoom" he created with his historic victory.He was joined on stage by his artist wife Rama Duwaji, acclaimed filmmaker mother Mira Nair and academic father Mahmood Mamdani.

With his victory, the self-described democratic socialist has etched his place in history as New York City's first Muslim mayor, the first of South Asian heritage and the first to be born in Africa.He will also become the city's youngest mayor in more than a century when he takes office on January 1, 2026.Zohran Mamdani defeated former New York Governor Andrew Cuomo and Republican Curtis Sliwa. More than 2 million New Yorkers cast ballots in the contest, the largest turnout in a mayoral race in more than 50 years, according to the city's Board of Elections.

While addressing a roaring crowd at his victory party in the early hours of Wednesday, the mayor-elect claimed that he was "far from the perfect candidate.""I

am young, despite my best efforts to grow older. I am Muslim. I am a democratic socialist. And most damning of all, I refuse to apologise for any of this. New York, tonight you have delivered a mandate for change," he said, while vowing to "wake up each morning with a singular purpose: To make this city better for you than it was the day before."

"Standing before you, I think of the words of Jawaharlal Nehru, a moment comes, but rarely in history, when we step out from the old to the new, when an age ends and when the soul of a nation long suppressed finds utterance. Tonight, we have stepped out from the old into the new," the mayor-elect stressed.Zohran Mamdani challenged President Donald Trump, asserting that New York will be powered by immigrants and will be "led by an immigrant".

"To get to any of us, you will have to get through all of us. We refuse to let them dictate the rules of the game anymore. They can play by the same rules as the rest of us. Together, we will usher in a generation of change and if we embrace this brave new course, rather than fleeing from it, we can respond to oligarchy and authoritarianism with the strength it fears, not the appeasement it craves," he said.

Trump's risky gamble: Why the U.S. is hosting Syria's ex-Jihadist President

World . (Agency)

In a move making global headlines, U.S. President Donald Trump is all set to host Syrian President Ahmed al-Sharaa at the White House, the first-ever visit by a Syrian leader to Washington. The meeting, expected on November 10, marks a historic moment in U.S.-Syria relations and a deeply controversial one.

Ahmed al-Sharaa isn't your regular statesman. Before becoming Syria's president, he was known to the world as Abu Mohammed al-Golani, a former al-Qaeda commander with a $10 million U.S. bounty on his head. He once fought American troops in Iraq and spent years in U.S. custody. Fast-forward to 2025, and the same man is walking into the White House, not as a prisoner but as a guest of honour.

The visit follows a quiet meeting between Trump and al-Sharaa in Saudi Arabia earlier this year, the first encounter between the two nations' leaders in 25 years, since Hafez al-Assad met Bill Clinton in 2000. For

Washington, this isn't merely about Syria. It's about realpolitik — cold, calculated diplomacy dressed up as reconciliation.

On paper, the official agenda is to sign an agreement for Syria to join the U.S.-led coalition against ISIS. But beneath the surface, there's far more at play.For Trump, hosting al-Sharaa could serve three key goals. First, it's a foreign policy win ahead of the elections, a chance to appear as the peacemaker who "brought Syria back into the fold." Second, it's a way to counter Russian influence in Damascus, particularly after al-Sharaa's recent meeting with Vladimir Putin in Moscow, where he vowed to "restore and redefine" ties with Russia.And third, the Israel factor. The U.S. is pushing for a broader West Asia peace framework, especially after Israel and Hamas recently implemented a fragile ceasefire and hostage deal. Trump wants to rally regional players, including former pariahs like Syria, to stabilise the post-war order. The White House likely views al-Sharaa as a necessary, if controversial, player in shaping what comes next.

Pakistani man jailed for 40 years in US for smuggling Iranian weapons to Houthis

world.(Agency)

A Pakistani national in the US has been sentenced to 40 years in prison for charges relating to transporting Iranian-made advanced conventional weaponry.

Muhammad Pahlawan was convicted in June this year by a federal jury for conspiring to provide material support and resources to terrorists, providing material support and resources to Iran's weapons of mass destruction programme, providing material support to the Islamic Revolutionary Guard Corps' weapons of mass destruction programme, and conspiring and transporting explosive devices to the Houthis, knowing those explosives would be used to cause harm and threatening his crew.

He was sentenced last month to 40 years in prison for the charges.According to court records and evidence presented during trial, on the night of January 11,

2024, US Central Command Navy forces operating from the USS LEWIS B PULLER, including Navy SEALs and members of the US Coast Guard Maritime Security Response Team East, boarded an unflagged dhow, a small vessel, in the Arabian Sea off the coast of Somalia.The US boarding team encountered 14 individual mariners on the vessel, including Pahlawan.

During a search of the dhow, the US boarding team located and seized Iranian-made advanced conventional weaponry, including ballistic missile components, anti-ship cruise missile components, and a warhead.The type of weaponry found aboard the dhow was consistent with the weaponry used by the Houthi rebel forces during the time of the charged conspiracy against merchant ships and US military ships in the Red Sea and Gulf of Aden after the October 7 Hamas attack in Israel, the US Justice Department said.

Democrat Ghazala Hashmi is Virginia's 1st Indian-American, Muslim Lieutenant Governor

World . (Agency)

Democrat Ghazala Hashmi made history Tuesday, winning Virginia's race for lieutenant governor and becoming the first Indian American and first Muslim to hold statewide office in the Commonwealth. She defeated Republican John Reid, a Richmond broadcaster.

Hashmi, currently a state senator representing a district south of Richmond, emerged as a prominent figure in Virginia politics after first winning election in 2019 by flipping a Republican-held seat. Her victory Tuesday cements her as one of the most visible Democrats in a state where political tides have swung sharply in recent years.

In her victory speech, Hashmi thanked voters for "believing in a Virginia that embraces its diversity and its shared future." She added, "As a daughter of immigrants and as a lifelong educator, I know that our strength lies in learning from one another -- and in ensuring opportunity for every Virginian."She has pledged to push for progressive reforms, including a repeal of Virginia's Right to Work law, which she argues undermines workers' rights. Hashmi has also hinted at a tense relationship with President Donald Trump, now in his second term, calling his administration "worse than the first time around" and accusing him of surrounding himself with "villainous creatures."As lieutenant governor, Hashmi will serve a critical role in guiding legislation through a closely divided General Assembly and representing the next generation of Democratic leadership in a changing Virginia.

"Tonight, Virginia proved once again that our diversity is our greatest strength," Hashmi said. "We are not turning back — we are moving forward, together."

Hashmi's win is historic on multiple fronts. In addition to breaking barriers as the first Indian American, Muslim, and South Asian elected to statewide office in Virginia, she will now preside over the state Senate, wielding the gavel in a chamber narrowly controlled by Democrats.Born in Hyderabad, India, and raised in Georgia, Hashmi built her career as an educator before entering politics. She holds a doctorate in American literature from Emory University and previously taught at the University of Richmond and J Sargeant Reynolds Community College, where she served as the first director of its Center for Excellence in Teaching and Learning.

Her campaign emphasised public education, Medicaid expansion, and protecting abortion rights, while also highlighting environmental protection, climate action, and affordable housing — all issues that align closely with the Democratic platform.

Step out from old to new: NYC mayor-elect Mamdani quotes Nehru in victory speech

World . (Agency)

.New York City's Mayor-elect Zohran Mamdani invoked the words of India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru, as he addressed cheering supporters following his historic victory.Mamdani, a 34-year-old democratic socialist, became the first Muslim, Indian-origin, and African-born person to lead America's biggest city after defeating former New York Governor Andrew Cuomo in a high-voltage race."Standing before you, I'm reminded of Jawaharlal Nehru's words," Mamdani said, before quoting from Nehru's iconic 'Tryst with Destiny' speech.

"A moment comes but rarely in history when we step out from the old to the new, when an age ends and when the soul of a nation long suppressed finds utterance," he said, echoing the words delivered by the former Prime Minister when India attained freedom at midnight.

"Tonight, New York has done just that," Mamdani asserted.He went on to say that this new era would deliver "clarity, vision and bold leadership" for New Yorkers, instead of excuses. He also called out US President Donald Trump, who has proven to be a relentless detractor of the Democrat.

"If anyone can show a nation betrayed by Donald Trump how to defeat him, it is the city that gave rise to him... In this moment of political darkness, New York will be the light," he said.

Mamdani's decision to quote Nehru was not only a promise of renewal for young, immigrant, blue-collar workers struggling to get by, but also a nod to his Indian roots. The moment underlined how his campaign fused his multicultural identity with a message of working-class empowerment and social justice.

In a matter of months, his progressive grassroots campaign and fresh-faced charm powered his stunning ascent, and ensured that he comfortably edged out Andrew Cuomo and Republican Curtis Sliwa in the mayoral race.

Mamdani's victory is being seen as a milestone for diverse representation and a major win for the progressive wing of the Democratic Party. His campaign focused on affordability, housing reform, and taxing the ultra-rich to fund welfare programmes.Born in Uganda to scholar Mahmood Mamdani and filmmaker Mira Nair, Mamdani moved to New York as a child and grew up in Queens, where he launched his political career. He will take office on January 1 as the city's youngest mayor in more than a century.

NEWS BOX

Manchester United's situation is sad, Amorim cannot work wonders: Cristiano Ronaldo

New Delhi. (Agency)

Cristiano Ronaldo has admitted that seeing the current state of Manchester United makes him "sad", saying the club he still holds close to his heart lacks structure and direction. The Portuguese legend also defended current manager Ruben Amorim, insisting that the coach is "doing his best" but cannot be expected to perform miracles given the situation at Old Trafford.Amorim recently guided United to three consecutive wins for the first time since taking charge but saw his side held to a 2-2 draw by Nottingham Forest on Saturday - a result that coincided with his first anniversary in charge. The Portuguese coach's first season at the club was a turbulent one, as United finished a dismal 14th in the Premier League and went trophyless after losing the Europa League final, ultimately missing out on European qualification altogether.

Ronaldo, who left Manchester United in November 2022 following an explosive interview with Piers Morgan, believes that while Amorim is doing his best, the club's problems run far deeper.

"I'm sad because it's one of the most important clubs in the world, a club that I still have in my heart," the Al Nassr forward told Morgan in a recent interview. "You have to work with smart people to create a base for the future as Manchester did so many years ago with Nicky Butt, Gary [Neville], [Roy] Keane, [David] Beckham - they became big players but had youth. Manchester United right now don't have a structure.

"I hope that changes in the present future because the potential of the club is amazing. It's one of the most important clubs of the century... We all have to be honest and say they are not in a good path. They need to change. It's not only about the coach and players, in my opinion, it's much more."Ronaldo, who spent six glittering years at Old Trafford during his first spell, winning three Premier League titles and a Champions League, said he feels genuine pain watching his former club struggle.

Once trolled as the worst, Mahaveer Raghunathan's comeback keeps F1 dream alive

New Delhi. (Agency)

When Mahaveer Raghunathan entered the world of motorsports, he would never have expected the roller-coaster ride he was about to endure — both on and off the track. Starting his journey in karting in his hometown of Chennai, moving through Formula 2, and even test-driving an F1 car, it initially seemed that things were going to be smooth sailing for the 26-year-old.

But what followed was something Raghunathan could never have predicted. The Indian driver found himself at the centre of massive online trolling during his F2 stint with MP Motorsport in 2019. Raghunathan collected numerous penalty points that season, even getting banned after accumulating nine during the French Grand Prix. To make matters worse, he finished last in the standings with just a single point to his name.This led people on social media and other platforms to mockingly call him the "GOAT of motorsports" and "Lord Mahaveer." But as they say, the comeback is always stronger than the setback. Today, Raghunathan finds himself competing in the Italian GT Championship with AF Corse in the Pro-Am class — and enjoying success.

Raghunathan capped off his 2025 season in the GT Championship with a P1 finish in Race 2 and an overall P6 in the standings. India Today caught up with the Indian driver, where he opened up about his journey, how he bounced back from the massive trolling he faced, and his Formula 1 ambitions.

THE START

Raghunathan said he started racing at the age of 11 with karting and was the first person in his family to be addicted to the thrill of speed. Like many young boys in India, he was fascinated by cars and motorsport from an early age.

"I started racing at the age of 11, so it was 2010 by karting. Before that, I did my schooling in Chennai and I completed my schooling in Chennai. I'm the first person from my family to start racing because others were all professionals, so I'm the first generation to come into motorsports."

"Before coming into karting, I was very keen and very interested in cars and just basically anything about speed, whether it's on cars or bikes. So that's how I found the passion in motorsports and I started karting from there. Now, my whole life is around racing," said Raghunathan.

World-class Arshdeep Singh understands why he gets dropped: India bowling coach

India bowling coach Morne Morkel has backed left-arm pacer Arshdeep Singh, calling him a world-class bowler who understands the team's decision to experiment with different combinations ahead of the T20 World Cup next year.

New Delhi. (Agency)

India bowling coach Morne Morkel explained that India's leading wicket-taker in T20Is, Arshdeep Singh, is a world-class pacer and that leaving out experienced players like him is part of the team's plan to experiment with new combinations and build backups ahead of next year's T20 World Cup.

The Indian team management has, on several occasions, opted for Harshit Rana ahead of Arshdeep in recent matches. Despite facing criticism for being left out of crucial encounters, Arshdeep has consistently proven his worth whenever given a chance, reaffirming his ability to perform under pressure and forming a formidable partnership with Jasprit Bumrah. However, the 25-year-old featured in only two of India's seven matches during the Asia Cup and was omitted from the final.

"I think Arshdeep is experienced. He understands that there's a bigger picture, that we're trying out different combinations. He knows he's a world-class bowler and has taken the most wickets for us in the powerplay. We know how valuable he is to the team. But on this tour, it's also about having a look at other combinations, and he understands that," India bowling coach Morne Morkel said on the eve of the fourth T20I in Gold Coast.

Arshdeep, who missed the first two T20Is in Australia, made a commanding return to the Indian side, taking 3 for 35 and bagging the Player of the Match award in the third T20I at the Bellerive Oval in Hobart on Sunday.

Despite being India's leading wicket-taker in T20Is with 104 wickets, the Punjab pacer has spent extended periods on the bench. Morkel stressed that with only a handful of matches left before the T20 World Cup, the

team management's priority is to evaluate how players perform under pressure.

"It is not easy," said Morkel on Arshdeep's situation. "There will always be disappointment in terms of players and selection, but that is something at times that, as a player, is uncontrollable."

"For us, from our side, we just keep on asking them to work hard and try hard and be ready for when they do get the opportunity. There are limited games now leading into the T20 World Cup, so it is essential for us to see how the players can react in certain situations under pressure; otherwise, it will be unknown to us. So it is a bit of playing those sorts of games and then still having the mindset to win the game of cricket," Morkel added.The team's rotation policy has prompted debate, with questions raised over both the bowling combinations and the frequent reshuffling of the batting order in the ongoing T20I series against Australia. Morkel, however, maintained that experimenting at this stage is vital."You need to have options available. I think every team, if you look across the world, is playing around with options," Morkel said. "Yes, we will probably know one or two combinations.

Some compared it to 1983: Sunil Gavaskar on India's seismic Women's World Cup win

New Delhi. (Agency)

Legendary Sunil Gavaskar has hailed India's Women's World Cup triumph as one of the greatest victories in the country's cricketing history, across both the men's and women's game. While some have drawn parallels with the men's iconic 1983 World Cup win, Gavaskar pointed out that the women carved their own path, having already reached two finals before this historic breakthrough.

India ended their long wait for a Women's World Cup title on Sunday when Harmanpreet Kaur's side defeated South Africa in a high-scoring final in Navi Mumbai. Third time lucky, the Women in Blue overcame the heartbreaks of 2005 and 2017 to finally clinch the coveted trophy.

Writing for Sportstar, Gavaskar said the historic triumph will change the world order in women's cricket, adding that it will motivate young girls to pick up their bats and dream of a career with security.

"There were some who tried to compare this win with the men's team winning the World

Cup in 1983. The men had never progressed beyond the group stage in earlier editions, and so everything from the knockout stage onwards was new to them, while the women already had a better record, having been in two finals before this magnificent triumph," Gavaskar wrote.

"Just as the '83 win galvanised Indian cricket and gave it a voice that was heard around the world, this victory will make the countries that started women's cricket long before India did realise that their era of domination has been shaken."

Gavaskar also stressed the importance of the Women's Premier League (WPL), saying the franchise-based T20 competition will unearth more cricketers from remote corners of the country.Three years since its inception, the WPL has become a major feeder system for the senior national women's team. The likes of Sree Charani and Kranti Goud made their debuts earlier this year before going on to make a stellar impact in the WPL.

David Beckham is now Sir David Beckham: Football great knighted by King Charles

New Delhi. (Agency)

England football legend David Beckham was knighted by King Charles III at Windsor Castle on Tuesday, calling it his "proudest moment". Beckham, 50, received the honour for his services to football and British society, as well as his long-standing charity work. Dressed in a tailored three-piece grey suit designed by his wife, Victoria Beckham, he attended the ceremony with her and his parents, Ted and Sandra Beckham."It's quite a moment for a boy from the East End of London to be here at Windsor Castle, being honoured by His Majesty the King, the most important and the most respected institution in the world," Beckham said. "This is without doubt my proudest moment."He added that the knighthood carried more meaning than any of his career accolades. "I think obviously being told I had the honour was a special moment," Beckham said. "I've been lucky to have won things in my career and done things, and played for my country and captained my country, but, without doubt, this is the moment that makes me very proud."

"For a number of reasons - not just my career, not just for the sport, but to get it for the philanthropic work I do, that's so important to me," he said. "My charity work has always been work that I don't have to do. I do it because I love doing it, I do it because I make a difference and we make change and, in all honesty, it's extra special to receive a knighthood, for not just my sport but the important work I do with children."

"It's nice to have six Premier League titles and obviously a few other medals along the way, but this, without doubt, will be pride of place," he added.Beckham, who made his Manchester United debut at 17 in 1992, won six Premier League titles, two FA Cups, the FA Charity Shield twice, and the 1999 UEFA Champions League during his time at Old Trafford. He later joined Real Madrid, where he won La Liga in his final season before moving to the United States.

On the international stage, Beckham made his England debut on 1 September 1996, at the age of 21, and went on to earn 115 caps, serving as captain for six years.Asked whether he spoke to the King during the ceremony, Beckham smiled and said, "He was quite impressed with my suit." He added that receiving the honour was particularly special as he had "always been a huge fan of the monarchy".

Bangladesh women's cricket team captain accused of beating juniors; board denies

New Delhi. (Agency)

Out-of-favour Bangladesh women's pacer Jahanara Alam has made serious allegations against national captain Nigar Sultana Joty and the Bangladesh Cricket Board (BCB) following the team's campaign at the 2025 Women's ODI World Cup. Alam accused Nigar Sultana of physically assaulting junior players and creating a toxic environment within the team, claims that the BCB has strongly denied, calling them "baseless" and "fabricated."Alam, 32, who last represented Bangladesh in December 2024, made the explosive claims during an interview with Bangladesh-based newspaper Kaler Kantho. The veteran pacer alleged that captain Nigar Sultana "beats up" junior players regularly, and that some younger cricketers are even reluctant to play for the national side because of the alleged mistreatment.

"This is nothing new. Joty beats up the juniors a lot. Even during this World Cup, the juniors told me, 'No, I won't do this again. Then I'll have to get slapped again.' I heard from some people, 'I got beaten up yesterday.' Even during the Dubai tour, she called a junior into the room and slapped her," Alam told Kaler Kantho.

A veteran of 52 ODIs and 83 T20Is, Alam has

been one of Bangladesh's most experienced pacers, claiming 108 wickets across formats. She has not played for the national side since December 2024 after being left out of the squad for the World Cup.

Alam also alleged that favouritism and internal politics have been prevalent in the Bangladesh women's setup for several years, claiming that senior players have been systematically sidelined."Actually, I am not alone, everyone in the Bangladesh team is more or less a victim. Everyone's suffering is different. Here, one or two people get advanced facilities and in some cases, only one person gets them. In 2021, the process of eliminating seniors like me along with a few others from the post-Covid camp began. Then I was made the captain of one of the three teams in the Bangladesh Games. The captains of the other two teams were Jyoti (Nigar Sultana) and Sharmin Sultana. The pressure on seniors started from then on," she said.

In January 2025, the BCB announced that Alam had requested a break from international cricket, citing mental health concerns, and had also asked to be kept out of the central contracts list. Currently based in Sydney, Australia, Alam's return to the national setup looks unlikely amid this growing controversy.

Harmanpreet Kaur gets World Cup tattoo: Now, I will see you every morning

Harmanpreet Kaur immortalises India's Women's World Cup triumph with a tattoo. The victory ends a decades-long wait and highlights the team's perseverance and leadership.

New Delhi. (Agency)

Harmanpreet Kaur has immortalised the feeling of World Cup triumph with a tattoo that will forever remind her of the ultimate prize. The India women's cricket team captain has had the World Cup etched onto her biceps, ensuring that she wakes up every day to a symbol of her greatest achievement. The superstar from Moga shared a photo of her new tattoo on Instagram — a permanent reminder of her team's historic win.

The latest addition to her proud collection, the tattoo celebrates not just the trophy but the years of perseverance behind it. And her caption was as good as her slog sweeps."Waited for you since Day 1, and now I'll see you every morning and be grateful," she wrote, sharing the personal significance of the ink.

Harmanpreet did not wait long to get her tattoo, making the most of the day after the World Cup triumph to visit the artist. Shortly after, she and her teammates flew out of Mumbai and arrived in New Delhi on Tuesday evening for their meeting with Prime Minister Narendra Modi.

India's long-awaited Women's World Cup victory came on Sunday when they defeated South Africa by 52 runs in the final at Navi Mumbai's DY Patil Stadium, in front of a packed and jubilant crowd. Under Harmanpreet's leadership — and thanks to Shafali Verma's all-round brilliance and Deepti Sharma's devastating five-wicket haul — India clinched a commanding win, ending a decades-long wait for the prestigious title.

The nation had already been sent into a frenzy

earlier in the tournament when India stunned seven-time champions Australia in the semi-final. Harmanpreet played a pivotal role in that victory, scoring 89 runs in a 167-run partnership with centurion Jemimah Rodrigues as India chased down 339 — the highest successful chase in women's ODI history.The World Cup triumph was especially sweet for Harmanpreet, who had been waiting for this moment since her international debut in 2009. Over the years, she had endured her share of heartbreaks, none more agonising than the 2017 final, when India fell short against England by just eight runs. That defeat came days after Harmanpreet's iconic 171 against Australia — an innings that made the world sit up and take notice, ending Australia's long-standing dominance in World Cups. Yet the loss in the final remained a painful memory.This victory, however, brought everything full circle. Moments after India's win on Sunday, Harmanpreet was seen running into her father's arms, savouring the biggest triumph of her career — and one of the most significant victories in Indian cricket history. It was a deeply emotional culmination shared with the man who had always told her to believe, even when the world did not.

Madhuri Dixit

Slammed For Arriving Late To Canada Event; Govinda Issues Apology For Sunita Ahuja's Remarks

Madhuri Dixit is facing backlash after a video from her ongoing Canada tour went viral on social media. The clip, which shows the actress performing on stage, was shared by several attendees who claimed she arrived nearly three hours late for her show. The video included an overlay text that read, "If I could give you one piece of advice, it's to not attend the Madhuri Dixit tour… save your money." Social media users flooded the comments section, calling the event "chaotic," "poorly organized," and "a waste of time."

Govinda's wife Sunita Ahuja recently made a comment about him spending lakhs of rupees and mentioned the pandit he consults. Now, the senior actor has issued a public apology for his wife's remark, which he described as "disparaging." Govinda issued a public apology through a video in which he shared that he has been consulting Pandit Mukesh Shukla for years and respects him immensely. He also spoke about Pandit Mukesh Shukla's father, who has been the family's pandit for years, and later added, "My wife made disparaging remarks against Pandit Mukesh Shukla on the podcast, and I condemn them. My deepest apologies."

Amaal Mallik's love life is suddenly the most talked-about subplot on Bigg Boss 19. But while fans are trying to find out who this mystery woman is, his father Daboo Malik has a surprising take – he is not even sure she exists. In a chat with SCREEN, Daboo Malik said, ""t is an invisible love story, I am going to write a script on that. There was a man who created a lover in a third dimension, and he is loving her there. That's all I know."

On his 60th birthday, Shah Rukh received trillions of wishes, but it was Shashi Tharoor's hilarious wish that had fans laughing. Now, two days after his birthday celebrations, the actor has finally found time to react to the wishes, and while responding to Tharoor's message, SRK channelled his witty self. Taking to X, SRK reacted to Tharoor's wish, where, while calling him the "ultimate King of Bollywood," Tharoor claimed that the actor shows no real signs of hitting 60 and must therefore be part of a "classified global operation of reverse ageing." SRK replied, "Thank u… Although I'm sure you will be around to see me playing the 'child star'… and I will copy your hairstyle then. Ha ha.."

The first look of Shah Rukh Khan's King has barely been out, and the internet is already divided. From excitement over SRK's intense new avatar to loud whispers that the styling looks too similar to Brad Pitt's upcoming F1 film – the conversation has become impossible to ignore. And now, director Siddharth Anand has stepped in with his own response. A tweet questioned why Bollywood faces such constant trolling. It joked, "Funny logic by haters these days. If Bollywood movie has: Fighter Jet – Copy of Top Gun – Ship – Copy of Titanic – Same dress code – Copy of F1 – Orange Dress – Anti-Hindu – Their IQ level is like – buffering since 1947." The post placed three images together.

Sonakshi Sinha

Praises 'Discipline' Of Telugu Film Industry: 'Work-Life Balance Is Very Good'

Sonakshi Sinha is gearing up for the release of her Telugu debut film 'Jatadhara', co-starring Sudheer Babu and Shilpa Shirodkar. This supernatural thriller marks her debut in Telugu cinema. Ahead of the film's release, Sonakshi has been promoting it in full swing. In an interview with PTI, she recently opened up about her experience working in the Telugu industry, and said that she is very excited to explore regional cinema. Comparing the working culture of Hindi and Telugu cinema, she praised the southern industry for being 'more disciplined'. She stated that the work-life balance is better, and that is something Bollywood can definitely learn from.

Sonakshi Sinha On Her Telugu Debut With Jatadhara

Speaking about her Telugu debut, Sonakshi told PTI, "It's dark, it's layered, and it's very different from anything I've done before." She further added that while she has done one Tamil film (Lingaa) before this, Jatadhara is her first Telugu movie. While she said that she has always been open to exploring regional films, her schedules didn't allow it earlier. She then went on to praise the discipline of Telugu film industry.

Sonakshi Sinha On Work-Life Balance In Telugu Film Industry

When asked about the difference between the working culture of Hindi and Telugu cinema, she said, "There are not many differences, but their timings are very good, very sorted. Work-life balance is very good there, something we can definitely learn from." She further added that if an actor comes to shoot at 9 AM, they will not be allowed to shoot after 6 PM. "If you come for a shoot at nine, you cannot shoot after six – you are not allowed. That's something really nice about it. It's a bit more disciplined, I would say," added Sonakshi. Meanwhile, she pointed out that Hindi film shoots often go on late into the night, which she believes should change.

About Jatadhara

Apart from Sudheer Babu and Sonakshi Sinha, Jatadhara also features Shilpa Shirodkar, Divya Khosla, Indira Krishna, Ravi Prakash, Naveen Neni, Rohit Pathak, Jhansi, Rajeev Kanakala, and Subhalekha Sudhakar in key roles. Jatadhara releases in Hindi and Telugu on 7th November 2025.

Akshay Kumar Remembers 'Queen Katrina', Recreates 'Ek Uncha Lamba Kad' With Disha Patani

Bollywood superstar Akshay Kumar recently shared a special video featuring actress Disha Patani on his social media account. The video seems to be the new song of Akshay's upcoming movie 'Welcome to the Jungle' and marks the remix version of his superhit song from his 2007 movie, 'Welcome', titled 'Ek Uuncha Lamba Kad', starring Katrina Kaif. The latest version of the song will be a part of the third franchise of the hit movie.

Sharing the clip on his social media account, Akshay wrote, "From our hearts to yours!! What a throwback; 18 years & still an all-time favourite. With so much nostalgia, beautiful Disha & I bring you Welcome to the Jungle… Never forgetting our Queen Katrina." The actor's loving mention of Katrina Kaif won hearts, and fans soon flooded Kumar's post, praising him for remembering the superstar actress.

In the video, Akshay and Disha are seen grooving and dancing to the peppy number and have only shared a glimpse of the same. The revamped song seems to have struck a chord with fans, who have mentioned their liking in the comments section. Welcome to the Jungle, directed by Ahmed Khan, brings together a stellar ensemble cast featuring Akshay Kumar, Disha Patani, Raveena Tandon, Lara Dutta, Sanjay Dutt, Suniel Shetty, and Arshad Warsi, among others.

The film marks the third part of the Welcome franchise, following Welcome in 2007 and Welcome Back in 2015. The film marks the third chapter in the Welcome franchise, following Welcome (2007) and Welcome Back (2015).The 2007 release Welcome, starring Katrina Kaif, Paresh Rawal, Anil Kapoor, Nana Patekar, and Mallika Sherawat, went on to become a superhit, attaining the position of being a cult classic Bollywood comedy movie.The third franchise of the movie will not see Katrina Kaif, who is all set to embrace motherhood.

Farah Khan Says Ananya Panday Could've Been Her Daughter: 'Had A Huge Crush On Chunky'

Farah Khan teases that Ananya Panday lost a role to an influencer, talks movie catch-ups with Himesh Reshammiya, and reveals her crush on Chunky on Two Much with Kajol and Twinkle.

Kajol and Twinkle Khanna's chat show 'Two Much' is set to return with a fresh episode this Thursday, with Farah Khan and Ananya Panday as guests. While the episode will drop in two days, the makers have unveiled a promo of Farah and Ananya's episode, giving a sneak-peek into what fans can expect. Looks like fans are in for a dose of laughter, chaos and pure entertainment as the unusual jodi of Farah Khan and Ananya Panday take over. In the promo, Farah jokingly said that Ananya could have been her daughter, then added that she had a huge crush on Ananya's father Chunky Panday. Farah also revealed her unexpected movie catch-ups with Himesh Reshammiya, and how Ananya once lost a role to an influencer!

Ananya Panday And Farah Khan On Two Much

The promo begins with Twinkle Khanna asking Farah Khan what she and Ananya have in common. "What do you all have in common that you have become friends?" she asked. Farah jokingly replied, "She could've been my daughter because I had a huge crush on Chunky," leaving Kajol in splits! When asked whether social media clout decides casting now, Ananya Panday agreed and said, "People do choose on following. I think." Farah then added, "Just because you lost a role to an influencer."

Farah then opened up about her unexpected movie catch-ups with Himesh Reshammiya. "Himesh Reshammiya movie ticket khareedta hai (Himesh Reshammiya buys tickets)," she said, which led Kajol to ask, "And you all go watch a movie together?" Farah laughs and says, "Himesh and me are not dating!"

Between banter, brutal honesty, and Kajol-Twinkle's unbeatable comic timing, this episode is a total riot, funny, fiery, and full of real talk! Don't miss the episode streaming this Thursday on Prime Video!The celebrity talk show 'Two Much' premiered in September. Bollywood superstars Salman Khan and Aamir Khan graced the first episode, while Alia Bhatt and Varun Dhawan appeared as guests on the second episode. The show has since featured an exciting lineup of guests, including Akshay Kumar–Saif Ali Khan, Govinda–Chunky Panday, Janhvi Kapoor–Karan Johar, Sonakshi Sinha–Manish Malhotra, and now Farah Khan and Ananya Panday.